सूर्योदय 6:32 सूर्यास्त 5:38

आज का तापमान

शिमला	10.2 न्यू	21.3 अधि
धर्मशाला	13.4 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,599
निफ्टी	22,750

सोना 1,41,000 चांदी 1,92,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 28 अक्तूबर 2026 | 12 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 182, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

तमिलनाडु की जेल से 17 कैदी फरार, 5 गिरफ्तार

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी सब-जेल से सोमवार देर रात 17 कैदी फरार हो गए। कैदियों ने एक साथी को मिर्गी का दौरा पड़ने का नाटक किया। उसकी मदद के लिए जैसे ही जेलकर्मी सेल में पहुंचे, सभी ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए। पुलिस ने अब तक 5 कैदियों को गिरफ्तार किया है। बाकी कैदियों की तलाश जारी है। उन्हें पकड़ने के लिए 17 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। आसपास के जिलों में अलर्ट जारी किया गया है और पड़ोसी राज्य केरल की पुलिस को भी सूचना दी गई है। घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात 9 जेलकर्मियों और अधिकारियों को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। तमिलनाडु में कैदियों के एक साथ फरार होने की यह 1995 के बाद बड़ी घटनाओं में से एक है।

कश्मीरी पंडित कर्मियों को धमकी देने वाला एक्टिविस्ट गिरफ्तार

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को धमकी देने के मामले में एक्टिविस्ट राकेश हांडू को हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। वह भी कश्मीरी पंडित है। राकेश ने 2008 में फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गया था। हांडू बारामूला का रहने वाला है, लेकिन अभी फरीदाबाद में रहता है। उसे बारामूला और स्थानीय पुलिस ने 17 अक्तूबर को घर से हिरासत में लिया। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर लाया गया। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ सबूत मिले हैं। उस पर आतंकवाद और साइबर अपराध से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज है। 7 अगस्त से 1 सितंबर के बीच कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को तीन धमकी भरे पत्र मिले। इनमें उनके नाम, घर के पते और गाड़ियों के नंबर व रंग जैसी निजी जानकारी दर्ज थी।

एक्टर इमरान के देश छोड़ने पर दो नवंबर तक रोक, बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगाई



एजेंसी, नई दिल्ली। अभिनेता इमरान खान को भारत छोड़ने के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट से 2 नवंबर दोपहर 3 बजे तक के लिए अंतरिम राहत मिल गई है। इमरान 10 अक्तूबर को एसआईआर के विरोध में मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में पहुंचे थे। एक्टर आमिर खान के भांजे इमरान अमेरिकी नागरिक और ओसीआई कार्ड धारक हैं, इसलिए वह भारत में किसी भी विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं ले सकते। इस पर एफआरआरओ ने उन्हें नोटिस जारी करके 28 अक्तूबर तक देश छोड़कर जाने को कहा था। इमरान खान ने इस नोटिस को मनमाना बताते हुए इसके खिलाफ याचिका दायर की थी। इस पर चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई की। कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि अगली सुनवाई तक अभिनेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर कहा-हमें सब पता, जांच करेंगे

चुनाव आयोग के हलफनामे पर जवाब देने के लिए याचिकाकर्ताओं को 10 दिनों का समय

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एसआईआर और चुनाव आयोग के कामकाज पर दायर राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप 10 दिन में चुनाव आयोग के हलफनामे का जवाब दें। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 17 नवंबर तय की।

दरअसल, याचिकाकर्ताओं की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने अपील की थी कि चुनाव आयोग ने सोमवार को ही अपना जवाब दिया है। हमें जवाब देने के लिए वक्त चाहिए। सिंघवी ने दलील दी कि कोर्ट फिलहाल आयोग में हो रही मीटिंग्स और कम्युनिकेशंस का ब्योरा सुरक्षित रखने का आदेश दे। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमें सब पता है। हम जांच करेंगे।' चुनाव आयोग ने सोमवार को ही कहा था कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे।

एसआईआर का फॉर्म 6 नहीं बदला : चुनाव आयोग



चुनाव आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हमने के एसआईआर फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं किया है। नियमों के अनुसार इस पर बदलाव का अधिकार केंद्र के पास है। फैसलों पर सीईसी ज्ञानेश कुमार, कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी तीनों की सहमति थी। कोर्ट में दाखिल एफिडेविट पर भी तीनों के दस्तखत हैं।

कर्नाटक एसआईआर फाइनल लिस्ट जारी 99.32 लाख नाम कटे

'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) के बाद कर्नाटक में मतदाताओं की संख्या में 99.32 लाख की कमी आई है। फाइलन वोटर लिस्ट में 4.55 करोड़ वोटर्स के नाम हैं, जबकि इस प्रक्रिया के शुरू होने से पहले यह संख्या 5.54 करोड़ थी। अंतिम सूची में 2.26 करोड़ पुरुष, 2.29 करोड़ महिलाएं और 2,841 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। 24 अगस्त को जारी ड्राफ्ट सूची में 4.46 करोड़ सामान्य मतदाता थे। ड्राफ्ट सूची में एसआईआर से पहले की संख्या के मुकाबले 1.08 करोड़ मतदाता कम थे।

ई20 के खिलाफ काफी शोर मचाया गया था यह पैसे देकर चलाया गया अभियान : गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर बड़ा बयान दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर हुआ विरोध एक पेड कैंपेन (पैसे देकर चलाया गया अभियान) था। यह बयान सरकार द्वारा 'केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989' में बदलाव की अधिसूचना जारी करने के एक दिन बाद आया है। इन बदलावों के तहत अब ऐसे 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों को अनुमति दी गई है, जो ई100 (लगभग शुद्ध इथेनॉल) तक पर चल सकते हैं। उद्योग संगठन सीआआइ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करके अपनी कीमती विदेशी मुद्रा बचा सकता है। उन्होंने कहा, 'तीन महीने पहले, ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल) ईंधन के खिलाफ काफी हंगामा किया गया था; अब ई20 ईंधन के खिलाफ सारा विरोध खत्म हो गया है। यह एक 'पेड कैंपेन' था।'



◆राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता से समझौता नहीं करूंगा

मंत्री ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर कुछ राजमार्गों की खराब हालत को लेकर आई शिकायतों पर ध्यान देते हुए, उन्होंने हाल ही में 700-800 परियोजनाओं की समीक्षा की है। उन्होंने कहा, 'मैं राजमार्गों की गुणवत्ता के मामले में कोई समझौता नहीं करने वाला हूं।' गडकरी ने भरोसा दिलाया कि अगले दो वर्षों में, राजमार्गों का इस्तेमाल करने वालों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 20% से अधिक बढ़ाने की फिलहाल कोई योजना नहीं : हरदीप पुरी



केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार की फिलहाल पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की मात्रा मौजूदा 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने ई20 ईंधन को लेकर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों को भी खारिज करते हुए इन्हें एक सुनियोजित गलत धारणा बताया। दक्षिण गोवा के बेतुल गांव में आयोजित 29वें ऊर्जा प्रौद्योगिकी व नवाचार सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान पुरी ने कहा कि जैव ईंधन के मामले में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था और फिलहाल इससे आगे बढ़ने की कोई इच्छा नहीं है।

भारत में इनोवेशन की परंपरा रही, शून्य की खोज की : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली। हमें आज जो सफलताएं मिल रही हैं, वे पहले कभी नहीं मिलीं। 'विकसित भारत' की नींव वैज्ञानिक अनुसंधान पर टिकी होगी। भारत एक नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य नई तकनीकें विकसित करना है।

हमारा लक्ष्य महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार करना है। भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना है। ये बातें पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव का उद्घाटन के दौरान कहीं। ESTIC 27-28 अक्तूबर तक चलेगा, इसमें 12 सेक्टरों पर चर्चा की जाएगी। तीन नोबेल विजेता इसके स्पीकर होंगे। यह साइंस-इनोवेशन से जुड़ा एक राष्ट्रीय सम्मेलन है। इस साल की थीम रचनात्मक सोच से विज्ञान को गति देना और तकनीक को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का आयोजन वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद कर रही है। पीएम मोदी ने कहा- हमें अपने वैज्ञानिकों और संस्थानों को आज की जरूरतों के साथ भविष्य के लिए भी तैयार करना है।



◆भारत को आत्मनिर्भर बनाने में नई तकनीकों की अहम भूमिका : प्रधानमंत्री

सोनिया गांधी बोलीं मेरी किताब आएगी तो तमाशा होगा

एजेंसी, नई दिल्ली। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉनिंगः अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को रिलीज होने वाली है। इससे पहले वह अपनी किताब के बारे में छोटे-छोटे अंशों में जानकारियां दे रही हैं। इस बीच उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है, 'यह किताब जब आएगी तो कुछ तमाशा होना तय है आखिर दशकों तक दूसरे लोगों ने बढ़ा-चढ़ाकर मेरी कहानी सुनाई थी। अब मेरी बारी है। जब मैं खुद अपनी कहानी दुनिया को बताऊंगी।' सोनिया ने कहा कि उनके संस्मरण को पढ़ने के बाद कुछ लोगों की उनके प्रति राय बदल सकती है, जबकि कुछ अन्य लोगों की राय और अधिक नकारात्मक हो सकती है।



कुल्लू दशहरे का लंका दहन की रस्म के साथ भव्य समापन

देव महाकुंभ में 300 से अधिक देवी-देवताओं ने लिया भाग, ढालपुर में दिखा आस्था, परंपरा का अनूठा संगम

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देवभूमि कुल्लू में सात दिनों तक चले देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव का समापन लंका दहन की पारंपरिक रस्म के साथ हुआ। भगवान रघुनाथ जी की रथयात्रा उनके अस्थायी शिविर से लंका बेकर तक निकाली गई। इस दौरान 300 से अधिक देवी-देवताओं ने भाग लिया। रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के प्रतीकात्मक खात्मे के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। देव आस्था, परंपरा और लोक संस्कृति के अनूठे संगम के साथ ढालपुर में सजे देव महाकुंभ का समापन हुआ।

उत्सव के अंतिम दिन भगवान रघुनाथ जी की लंका यात्रा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक उमड़े। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार रघुनाथ जी की रथयात्रा अस्थायी शिविर से लंका बेकर तक पहुंची। इस दौरान देव वाद्ययंत्रों की गूंज और देवी-देवताओं की उपस्थिति ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। लंका दहन की रस्म के साथ अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीकात्मक संदेश दिया गया। 21 अक्तूबर को भगवान रघुनाथ जी की भव्य रथयात्रा के साथ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव का शुभारंभ हुआ था। सैकड़ों देवी-देवताओं की मौजूदगी में लाखों लोगों ने रथयात्रा में भाग लिया था। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज, सजे हुए देव रथों और श्रद्धालुओं के जयघोषों से पूरा ढालपुर मैदान भक्तिमय हो उठा था। इसके बाद सात दिनों तक विभिन्न धार्मिक परंपराओं और देव अनुष्ठानों का आयोजन होता रहा। वहीं, 300 देवी देवताओं और हजारों लोगों ने लिया भगवान रघुनाथ जी की रथ यात्रा में भाग लिया।



धर्म, सत्य व सदाचार की विजय का दिया संदेश

धार्मिक आयोजनों के साथ सात दिवसीय उत्सव में अंतरराष्ट्रीय लोकनृत्य समारोह और सांस्कृतिक संध्याएं भी आकर्षण का केंद्र रहीं। विभिन्न देशों और प्रदेशों के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। लोकनृत्य, संगीत और पारंपरिक कला के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों का संगम देखने को मिला। लंका दहन के साथ संपन्न हुए देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव ने धर्म, सत्य और सदाचार की विजय का संदेश दिया। सात दिनों तक कुल्लू में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, देवी-देवताओं का मिलन और पारंपरिक देव अनुष्ठान उत्सव की यादों को लंबे समय तक जीवंत रखेंगे। देव आस्था और लोक संस्कृति के इस महाकुंभ ने एक बार फिर कुल्लू की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को सामने रखा।

सीएम सुक्खू ने हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में 200 करोड़ के अकादमिक ब्लॉक का किया लोकार्पण

हमीरपुर में एलाइड एंड हेल्थकेयर कॉलेज शुरू, 210 सीटों पर मिलेंगे प्रवेश

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर में 200 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अकादमिक ब्लॉक का लोकार्पण किया। यह कदम चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में मील पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एलाइड व हेल्थकेयर कॉलेज, हमीरपुर का भी शुभारंभ किया। इस कॉलेज में कुल 210 सीटों के साथ चार पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इनमें बैचलर ऑफ मेडिकल लैब साइंस की 60 सीटें, बैचलर ऑफ रेडियोलॉजी की 60 सीटें, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्रीसिया की 60 सीटें तथा डायलिसिस की 30 सीटें शामिल हैं। सुक्खू ने कहा कि चिकित्सकों और अन्य चिकित्सा पेशेवरों को सहयोग प्रदान करने तथा मरीजों की सुविधा के लिए आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एलाइड एंड हेल्थकेयर शिक्षा को सुदृढ़ करना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत से स्वास्थ्य क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एलाइड एंड हेल्थकेयर कॉलेज प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खोलेगा और युवाओं के लिए शैक्षणिक अवसरों का विस्तार करेगा। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी योगदान देगा।



ट्रंप पर स्विस पूर्व मॉडल ने लगाया रेप का आरोप

एजेंसी, वॉशिंगटन। स्विट्जरलैंड की पूर्व मॉडल बीट्रिस क्यूल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर 1993 में रेप करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक सदस्यों की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में उनके आरोपों का उल्लेख किया गया है। क्यूल के मुताबिक, वह 1993 में अमेरिकन ड्रीम पेजेंट में हिस्सा लेने अमेरिका गई थीं। प्रतियोगिता के दौरान मैनहैटन के प्लाजा होटल में उनकी ट्रंप से मुलाकात हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में ट्रंप के एक सहयोगी ने उन्हें होटल के कमरे में बुलाया, जहां उनके साथ जबरदस्ती की गई। क्यूल ने 2024 में भी ट्रंप पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए थे। उस समय उन्होंने जबरन पकड़ने, चूमने और कपड़े उतारने की कोशिश करने का दावा किया था।

मुख्यमंत्री रेखा ने दौलत राम कॉलेज में शताब्दी शैक्षणिक भवन व कंप्यूटर सेंटर का किया उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में शताब्दी शैक्षणिक भवन, कंप्यूटर केंद्र और कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया।

छात्राओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बेटियों को अपनी क्षमता पर भरोसा रखना चाहिए। उन्हें किसी भी परिस्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कॉलेज परिसर में फैकल्टी रीडिंग रूम, सेमिनार रूम, पुस्तकालय में श्री रामालय, रीसाइक्लिंग यूनिट और बेकरी यूनिट का निरीक्षण कर शैक्षणिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने ऑडिटोरियम के नवीनीकरण की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही, 'मिस डीआरसी टैलेंट हंट' का शुभारंभ कर छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आत्मविश्वास के साथ मंच पर आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, दौलत राम कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सविता रॉय, कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष मुकुल गुप्ता सहित अन्य शिक्षकगण और छात्राएं उपस्थित रहीं।



◆कहा- बेटियां आत्मविश्वास से लक्ष्य हासिल करें, सुरक्षा व सम्मान के लिए साथ खड़ी है सरकार

उप्र कैबिनेट : प्रदेश के माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में पांच कालिदास मार्ग स्थित उनके सरकारी आवास पर मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने समेत कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी है।

कैबिनेट की बैठक के बाद प्रदेश सरकार के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता कर निर्णयों के बारे में जानकारी दी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि सैनिक स्कूल के मैनपुरी के सम्बंध में नि:शुल्क जमीन दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। मैनपुरी में सैनिक स्कूल 22 जुलाई 2019 से संचालित है। कुल क्षेत्रफल 9.524 हेक्टेयर भूमि विद्यालय को नि:शुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने बताया क प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय/वित्त विहीन माध्यमिक विद्यालय व संस्कृत विद्यालयों में कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किए जाने के संबंधि में प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। शिक्षकों के बाद अब शिक्षणेत्तर कर्मचारियों हेतु कैशलेस सुविधा को स्वीकृति दी गई है। इस योजना से कुल 48 हजार 62 कर्मचारियों को लाभ होगा। इसमें अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 23 हजार 979 कर्मचारी, वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के 22 हजार 541, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय में 26, अशासकीय सहायता प्राप्त संस्कृत महाविद्यालयों में 110, समग्र शिक्षा माध्यमिक अंतर्गत जनपदों में कुल कर्मचारियों की संख्या 1406 है। इसके लिए सरकार द्वारा बीमा क़िस्त दी जाएगी। इस योजना पर सरकार का कुल व्यय 14 करोड़ 41 लाख 86 हजार रुपए आएगा।



खजाना भराड़ीसैंण विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री धामी ने पेश किया अनुपूरक बजट, बजट बढ़कर 1.19 लाख करोड़ के पार

धामी सरकार ने पेश किया 7,844 करोड़ का अनुपूरक बजट

एजेंसी, गैरसैंण। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैरसैंण के भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र के दौरान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 7,844.18 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया है। इसमें राजस्व मद में 3,679.86 करोड़ रुपए और पूंजीगत मद में 4,164.32 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही राज्य का कुल बजट आकार बढ़कर 1,19,547.39 करोड़ रुपए हो गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने दोपहर तीन बजे अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट में ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों के लिए 721 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। छठे राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप राज्य के कर राजस्व में स्थानीय निकायों की हिस्सेदारी 10.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। अन्नपूर्ति योजना के तहत किसानों से धान और गेहूं की खरीद के लिए 1,100 करोड़ रुपए रखे गए हैं। सरकार ने आगामी कुंभ मेले की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मदों में करीब 290 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। हरिद्वार-गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए 30 करोड़ रुपए और गैरसैंण जलापूर्ति बांध परियोजना के लिए 122 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। जल जीवन मिशन के तहत ठेकेदारों के बकाया भुगतान के लिए 300 करोड़ रुपए रखे गए हैं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अटल आयुष्मान योजना के तहत 100 करोड़ रुपए और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए गोल्डन कार्ड योजना में 125 करोड़ रुपए का प्रावधान है। चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत पिथौरागढ़ और रुद्रपुर मेडिकल कॉलेजों तथा नर्सिंग कॉलेजों के लिए करीब 160 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं। शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल लर्निंग के लिए विद्यालयी व उच्च शिक्षा में 200 करोड़ रुपए और नया राज्य डेटा सेंटर बनाने के लिए 40 करोड़ रुपए रखे गए हैं। ऊर्जा क्षेत्र में पारेषण एवं वितरण व्यवस्था सहित विभिन्न कार्यों के लिए करीब 270 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के लिए 70 करोड़, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के लिए करीब 35 करोड़ रुपये और दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के लिए 20 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।



खेल विश्वविद्यालय के लिए 35 करोड़ रुपए खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर खर्च होंगे आठ करोड़

युवा कल्याण के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए पांच करोड़ रुपए, राष्ट्रीय खेलों से पहले खिलाड़ियों के विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए आठ करोड़ रुपये और खेल विश्वविद्यालय के लिए करीब 35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा खिलाड़ियों की छात्रवृत्ति, ओपन जिम और विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए भी धनराशि प्रस्तावित है। महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत भोजन माताओं के मानदेय के लिए 20 करोड़ रुपए, सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण अभियान के लिए करीब 60 करोड़ रुपए और निराश्रित विधवा पेंशन के लिए करीब 27 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना, मुख्यमंत्री बाल सानिध्य योजना और किशोरों के लिए आश्रय गृहों के निर्माण के लिए भी धनराशि प्रस्तावित है।

विधायी संस्थाओं की मजबूती से लोकतंत्र होगा सशक्त : पठानियां

मॉडल नियमावली पर चर्चा, पठानियां ने विधायी प्रक्रिया में एकरूपता और पारदर्शिता पर दिया जोर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती उसकी विधायी संस्थाओं की प्रभावशीलता पर निर्भर करती है। सदनों की कार्यवाही को व्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए कार्य-संचालन एवं प्रक्रिया के नियमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये नियम केवल तकनीकी प्रावधान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही, सार्थक बहस, पारदर्शिता और जनप्रतिनिधित्व के आधार हैं।



समिति की मसौदा रिपोर्ट पर मंथन, मुंबई में अगली बैठक होगी आयोजित।

पठानियां ने यह बात नई दिल्ली में 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेने के दौरान दिल्ली विधानसभा की ओर से होटल ताज पैलेस में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने विधायी निकायों के लिए एक समान मॉडल नियमावली तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की संसदीय प्रणाली संघीय ढांचे पर आधारित है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों की लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में कार्य-संचालन और प्रक्रिया के नियमों में कुछ समानताएं हैं, लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों तथा राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक जरूरतों के कारण सभी नियमों में पूरी तरह एकरूपता लाना संभव नहीं है। इसके बावजूद प्रमुख नियमों में समानता स्थापित करके विधायी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। प्रस्तावित मॉडल नियमावली को विभिन्न विधानमंडल अपनी संवैधानिक शक्तियों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपना सकेंगे।

पठानियां ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए कहा कि सदन में बजट और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कराई जाती है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित हों। बार-बार अवसर देने से भी चर्चा के दौरान सार्थक और व्यावहारिक सुझाव सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की दक्षता और सदन के नियमों का प्रभावी संचालन विधायी संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को बेहतर मेजबानी के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सराहना करते हुए कहा कि सभी विधानमंडलों की प्रक्रिया और कार्य-संचालन में एकरूपता लाने के उनके प्रयास प्रशंसनीय हैं।

मॉडल नियमावली की मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा

लोकसभा की ओर से पिछले वर्ष विधायी निकायों के कार्य-संचालन और प्रक्रिया संबंधी नियमों का एक समान मॉडल तैयार करने के उद्देश्य से पीठासीन अधिकारियों की समिति गठित की गई थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को समिति का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि कुलदीप सिंह पठानियां, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, नागालैंड विधानसभा अध्यक्ष शेरिंगेन लोंगकुमेर, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष गुरुपादगौड़ा संगनागौड़ा पाटिल इसके सदस्य हैं। बैठक में समिति की मसौदा रिपोर्ट पर अंतिम विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे और सिफारिशों को अंतिम रूप देने पर चर्चा की। समिति की अगली बैठक महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में निर्धारित है, जहां मसौदा रिपोर्ट पर आगे विचार किया जाएगा। बैठक का शुभारंभ दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के स्वागत भाषण से हुआ।

लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस पहले अपने राजनीतिक इतिहास का जवाब दे : सिकंदर कुमार

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाली पार्टी को पहले अपने राजनीतिक इतिहास और आचरण पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने यह बात शिमला के होटल ध्रुव में एक नवंबर को प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कही।



◆ एक नवंबर को शिमला में पदयात्रा निकालकर भाजपा कांग्रेस की नीतियों और सरकार की विफलताओं पर उठाएगी सवाल

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर सवाल उठाते हैं, लेकिन कांग्रेस को अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति प्रतिबद्धता पर भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश ने लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रतिबंधों का दौर देखा था। ऐसे में कांग्रेस को लोकतंत्र के संरक्षण को लेकर अपनी भूमिका पर भी विचार करना चाहिए।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनावी परिणामों के आधार पर लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं पर अलग-अलग रुख अपनाती है। उनके अनुसार, चुनाव में अनुकूल परिणाम आने पर इसे लोकतंत्र की जीत बताया जाता है, जबकि विपरीत नतीजों के बाद संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने इसे कांग्रेस की राजनीतिक कार्यशैली का हिस्सा बताया।

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की राजनीति राष्ट्रहित और जनसेवा पर केंद्रित है, जबकि कांग्रेस आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है।

राज्यसभा सांसद ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक स्थिति और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर जनता के सामने जवाब देना चाहिए। उनके अनुसार, चुनाव के दौरान किए गए वादों की प्रगति और सरकारी योजनाओं की स्थिति स्पष्ट करना सरकार की जिम्मेदारी है।

शिमला पुलिस ने पंजाब से पकड़ा चिट्टा सप्लायर, तस्करी नेटवर्क का खुलासा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शिमला पुलिस ने बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर पंजाब से एक कथित चिट्टा सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुखपाल सिंह (28), निवासी गांव मनियाना, जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई कोटखाई में दर्ज नशा तस्करी के एक मामले की जांच के दौरान सामने आए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई।



◆ तकनीकी साक्ष्यों से खुलासा 2026 में 86 मुख्य सप्लायर गिरफ्तार, 64 नेटवर्क ध्वस्त

पुलिस थाना कोटखाई में आठ सितंबर 2026 को अभियोग संख्या 78/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने कोटखाई तहसील के देवरी-खनेटी निवासी अंकित से करीब 29 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहराई से जांच शुरू की और नशे की खेप के स्रोत का पता लगाने के लिए तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के कॉल डिटेल रिकॉर्ड, व्हाट्सऐप चैट और इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड की पड़ताल की। इसमें हेरोइन की खरीद-फरोख्त के संबंध में पंजाब निवासी सुखपाल सिंह के साथ बातचीत सामने आई। इसके आधार पर कोटखाई पुलिस की विशेष टीम गठित कर पंजाब भेजी गई। टीम ने जांच और प्रयासों के बाद 10 अक्टूबर 2026 को जिला संगरूर के गांव मनियाना से सुखपाल सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

शिमला पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 86 मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है और नशा तस्करी से जुड़े 64 नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। वर्ष 2025 में आठ मुख्य सप्लायर गिरफ्तार किए गए थे और चार नेटवर्क पर कार्रवाई की गई थी। वहीं, वर्ष 2024 में 15 मुख्य सप्लायरों की गिरफ्तारी के साथ चार नेटवर्क ध्वस्त किए गए थे।

16 नवंबर से धर्मशाला में होगा शुरू हिमाचल विधानसभा का शीतकालीन सत्र

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 से 21 नवंबर, 2026 तक धर्मशाला के तपोवन स्थित विधानसभा परिसर में आयोजित होगा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने बताया कि सत्र में कुल छह बैठकें होंगी। यह वर्तमान सरकार का 13वां विधानसभा सत्र होगा।

◆ छह बैठकों वाले सत्र में 19 नवंबर को गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस निर्धारित

पठानियां ने बताया कि राज्यपाल की संस्तुति के बाद विधानसभा सचिवालय ने सत्र के आयोजन की अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही विधानसभा के सदस्य अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित प्रश्न और अन्य सूचनाएं ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से सचिवालय को भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि शीतकालीन सत्र का शुभारंभ 16 नवंबर को दोपहर दो बजे होगा। सत्र के पहले दिन दिवंगत नेताओं और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने के लिए शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार, छह बैठकों वाले इस सत्र में 19 नवंबर को गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है। इस दिन गैर सरकारी सदस्यों से संबंधित कार्य सदन में प्रस्तुत किए जाएंगे। सत्र के दौरान प्रदेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सदन में उठाए जाने की संभावना है। विधानसभा सचिवालय ने सदस्यों से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर सूचनाएं भेजने का आग्रह किया है, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित की जा सके।

भरवाईं स्कूल में सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न, 30 स्वयंसेवक शामिल

नशा एवं टीबी मुक्त युवा थीम पर जागरूकता, प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, भरवाईं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भरवाईं में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत आयोजित सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का मंगलवार को समापन हो गया। इस वर्ष शिविर का मुख्य विषय 'नशा एवं टीबी मुक्त युवा' रहा। शिविर में जमा 12वीं कक्षा के 30 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज सेवा, स्वच्छता तथा नशे और टीबी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।



सात दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों ने सीखे समाजसेवा, स्वच्छता और अनुशासन के महत्व।

समापन समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं गणित प्रवक्ता सुनील कुमार तथा जीव विज्ञान प्रवक्ता सुरेश कुमारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत एनएसएस टोपी, स्मृति चिह्न और माता की चुनरी भेंट कर किया गया। मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित करके समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वयंसेवकों ने सद्भावना गीत, लक्ष्य गीत और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के भविष्य की नींव तैयार करता है। इस दौरान विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए मेहनत और लगन से कार्य करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को प्रभावित करता है, इसलिए विद्यार्थियों को स्वयं जागरूक रहने के साथ दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 'नशा एवं टीबी मुक्त युवा' विषय पर आयोजित शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना है। युवाओं को स्वच्छता अभियान और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों को निर्भीक होकर अपनी बात रखने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आने की प्रेरणा दी।

प्रधानाचार्य ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कुलदीप पठानियां ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से की शिष्टाचार भेंट



भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से शिष्टाचार भेंट की। पठानियां इन दिनों 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच 2026 में भाग लेने के लिए दिल्ली दौरे पर हैं। उन्होंने गत सायं खरगे के सरकारी आवास 10 राजाजी मार्ग पहुंचकर उनसे मुलाकात की।

पठानियां ने बताया कि मुलाकात के दौरान हिमाचल प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, जिला चंबा के विभिन्न मुद्दों और प्रदेश कांग्रेस की गतिविधियों पर चर्चा हुई। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष के रूप में सदन के भीतर निभाई जा रही उनकी भूमिका और कार्यशैली पर भी विचार-विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस से लंबे समय से जुड़े होने के नाते उन्होंने खरगे के साथ प्रदेश की राजनीतिक गतिविधियों और बदलते राजनीतिक परिदृश्य को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा किया। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में भी चर्चा हुई। पठानियां ने अपने राजनीतिक अनुभव के आधार पर प्रदेश की परिस्थितियों और भविष्य की चुनौतियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट के रूप में हुई, जिसमें हिमाचल प्रदेश की राजनीति और कांग्रेस संगठन से जुड़े विषय प्रमुख रहे।

सुपर-100 से चमके सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थी, 68 सफल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश का 'सुपर-100' कार्यक्रम सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों के इंजीनियर और डॉक्टर बनने के सपनों को साकार करने में मदद कर रहा है। कार्यक्रम के तहत नि:शुल्क कोचिंग प्राप्त कर सत्र 2025-26 में 36 विद्यार्थियों ने जेईई और 32 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल की है। जेईई में सफल विद्यार्थियों में से एक ने आईआईटी रुड़की, पांच ने एनआईटी हमीरपुर और एक ने आईआईआईटी में प्रवेश प्राप्त किया है। इसके अलावा, 16 विद्यार्थियों ने अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला लिया है। वहीं, 12 विद्यार्थी बेहतर अखिल भारतीय रैंक के साथ आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश पाने के लक्ष्य से आगे की तैयारी कर रहे हैं। नीट परीक्षा में सफल 32 विद्यार्थियों में से दो ने एमबीबीएस और बीएएमएस जैसे चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है। चार विद्यार्थियों ने रेडियोलॉजी, पैरामेडिकल और बीएससी जैसे पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। अन्य विद्यार्थी आगामी सत्र में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए तैयारी कर रहे हैं।

शोघी में चिट्टे की बड़ी खेप पकड़ी पंजाब निवासी आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शोघी के नजदीक एक टैक्सी से 257 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। मामले में पंजाब के अमृतसर निवासी 34 वर्षीय रेशम सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर नशीले पदार्थ की खेप शिमला में सप्लाई करने की कोशिश कर रहा था।



◆ स्पेशल सेल ने टैक्सी से 257 ग्राम हेरोइन पकड़ी सप्लाई नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

पुलिस की स्पेशल सेल की टीम काफी समय से संदिग्ध सप्लायर पर नजर रख रही थी। इसी दौरान शोघी के पास टैक्सी को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस थाना बालूगंज में 27 अक्टूबर 2026 को अभियोग संख्या 230/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है, ताकि नशे की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार, बरामद चिट्टे की मात्रा वाणिज्यिक श्रेणी में आती है। शिमला पुलिस ने इस वर्ष नशे के बड़े सप्लायरों और तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज की है। पुलिस के मुताबिक, अब तक करीब 5.5 किलोग्राम हेरोइन और चिट्टा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 30 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। इसमें लगभग 1.120 किलोग्राम हेरोइन की एक बड़ी बरामदगी भी शामिल है, जिसकी कीमत करीब छह करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, पुलिस ने करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की वाणिज्यिक मात्रा में एलएसडी, 16.5 किलोग्राम चरस, 14 किलोग्राम अफीम और छह किलोग्राम पॉपी हस्क भी बरामद किया है।

रमा ठाकुर ने कांग्रेस से मांगा गारंटियों का हिसाब

महिलाओं को 72 हजार रुपए देने की गारंटी पर सरकार से मांगा जवाब

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी

भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी रमा ठाकुर ने कांग्रेस और राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा पर निशाना साधते हुए कहा कि हिमाचल की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये देने की चुनावी गारंटी का हिसाब देने के बाद ही कांग्रेस को दिल्ली की रैली के लिए जनता से समर्थन मांगना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार से सवाल किया कि 48 महीने में कितनी महिलाओं को इस गारंटी का लाभ मिला है और अब तक कितनी राशि वितरित की गई है।

रमा ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये देने का वादा किया था। इस हिसाब से 48 महीनों में प्रत्येक महिला को 72,000 रुपये मिलने चाहिए थे। उन्होंने पूछा कि प्रदेश की 24 लाख से अधिक महिलाओं में से कितनी महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला है और कितनी अब भी इससे वंचित हैं।



भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी रमा ठाकुर

◆ चुनावी वादों की प्रगति बताए कांग्रेस, रोजगार और महिला सहायता पर उठाए सवाल

भाजपा नेता ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित 'देश बचाओ, वोट बचाओ' रैली में 10 लाख लोगों को जुटाने के दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अलका लांबा को हिमाचल की महिलाओं से रैली में शामिल होने की अपील करने से पहले यह बताना चाहिए कि चुनावी गारंटी को पूरा करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं।

रमा ठाकुर ने कहा कि हिमाचल की जनता केवल चुनाव के समय वोट देने या राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ जुटाने का माध्यम नहीं है। महिलाएं अपने अधिकारों और आर्थिक सहायता से जुड़े सवालों का जवाब चाहती हैं। कांग्रेस को अपनी घोषणाओं पर हुई प्रगति का स्पष्ट विवरण सार्वजनिक करना चाहिए।

रमा ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार को महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के वादे के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और अन्य चुनावी गारंटियों की स्थिति भी स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठी सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जनता के सवालों का जवाब दे और अपने वादों पर हुई प्रगति की जानकारी सामने रखे।

Short Notice Inviting Tender

Sealed item rate Tenders on form MW-4, MW-7 are invited by the Distt. Development Officer, DDO Solan for the below mentioned works from the approved and eligible manufacturers company/firm registered so as to reach in this office on or before 02.10.2026 up to 11.30 AM and will be opened on same day at 3.00 pm in the presence of intending companies/firms Or their representative. The tender form can be had from this office against the cash payment (non refundable) up to 10.00 AM on 02.10.2026. The earnest money in the shape of fixed deposit of the scheduled bank duly pledged in favour of Distt. Development Officer, Solan. The DDO Solan reserves the right to accept or reject any or all the tender or to drop the proposal of the tender without assigning any reason.

SR. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of tender form	Time for completion
1.	C/o Path to house of Tek Chand and others near Laxmi Narayan Mandir, Rabaoun Solan.	235000.00	6000.00	350.00	One month
2.	C/o Path to house of Tek Chand and others near Laxmi Narayan Mandir, Rabaoun Solan.	188000.00	5000.00	350.00	One month
3.	C/o Path to house of Tek Chand and others near Laxmi Narayan Mandir, Rabaoun Solan.	47000.00	1500.00	350.00	One month

Terms & Conditions: 1. The tender document shall only be issued to the Registered contractors who will produce the photocopy of the authorization. 2. In case of holiday on the day of opening of tender, the same will be opened on the next working day on the same time and venue. 3. Other term &condition as per DNIT and can be seen in the office of the Distt. Development officer Solan on the working day. 4. The firm are requested to insert the items rates of each items in words as well as in figures failing/considered in any case. 5. No tender form will be issued to the defaulter contractor by any of these HPPWD/IPH/CPWD HIMUDA/MC department which the DDO reserve the right to accept/reject any or all the tenders/conditional tender or tenders by fax shall not be entertained. 6. The contractor must give the copy of GST/CST No.TIN number & photocopy of PAN No. allotted with their application at the time of applying for the tender document.

Distt. Development officer District Solan (H.P).

मताधिकार टियाली में निकाला मार्च, राठौर ने एक नवंबर की दिल्ली महारैली में शामिल होने का किया आह्वान

वोट के अधिकार की रक्षा को कांग्रेस तेज करेगी संघर्ष

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता

शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि कांग्रेस देश के संविधान और लोकतंत्र में वोट के अधिकार की रक्षा के लिए बड़ी लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि एक नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'देश बचाओ, वोट बचाओ' के नारे के साथ महारैली आयोजित की जाएगी। इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे।

ठियोग विधानसभा क्षेत्र के टियाली जोन में बुधवार को 'वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान' के तहत मार्च निकाला गया। इसमें टियाली जोन के बूथ अध्यक्षों, पंचायत अध्यक्षों और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मताधिकार की रक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का संदेश दिया।



◆ मतदाता अधिकारों पर जनजागरण, कांग्रेस ने दिल्ली महारैली के लिए जुटाई ताकत

कुलदीप सिंह राठौर ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और चुनाव आयोग भाजपा के प्रभाव में काम कर रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर देश के 13 करोड़ से अधिक नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित किए जाने की आशंका गंभीर विषय है। उन्होंने इस प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई और मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग की।

राठौर ने कहा कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से नहीं हटाया जाता, तब तक कांग्रेस का 'वोट चोर, गद्दी छोड़' आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मताधिकार की रक्षा के अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण हरिकृष्ण हिमराल ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ठियोग के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से एक नवंबर को दिल्ली पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली के माध्यम से इंडिया गठबंधन भाजपा सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाएगा। हिमराल के अनुसार, रैली में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर भी मांग रखी जाएगी।

कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

गोल्डन कार्ड के लिए 125 करोड़ का बजट

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने गोल्डन कार्ड योजना के लिए सरकार द्वारा 125 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट स्वीकृत किए जाने का स्वागत किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चौ. ओमबीर सिंह और महामंत्री जेपी चाहर ने कहा कि गैरसैंण में विधानसभा सत्र के पहले दिन बजट पारित होना पेंशनर्स की बड़ी जीत है। उन्होंने इसे संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों का परिणाम बताया। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं हरिद्वार जिलाध्यक्ष बीपी चौहान ने बताया कि पहले सरकार गोल्डन कार्ड योजना को हाइब्रिड मोड पर चलाने और अंशदान बढ़ाने पर विचार कर रही थी। संगठन ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि पेंशनर्स की चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल की जिम्मेदारी कल्याणकारी राज्य की है। इसलिए योजना के लिए आवश्यक बजट की व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल और मुख्य सचिव आनंद वर्धन की अध्यक्षता में हुई बैठकों में पेंशनर संगठन की मांग को उचित मानते हुए कार्रवाई का भरोसा दिया गया था। अब अनुपूरक बजट स्वीकृत होने से पेंशनर्स की मांग को समर्थन मिला है। प्रदेश अध्यक्ष ओमबीर सिंह ने कहा कि सरकार को संगठन के मांगपत्र में शामिल अन्य मांगों पर भी समयबद्ध कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि पेंशनर्स को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें और उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

धामी सरकार में गैरसैंण को मिली नई पहचान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में गैरसैंण में पहली बार एक साल में दो विधानसभा सत्र

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में मंगलवार से विधानसभा सत्र शुरू हो गया। इसके साथ ही पहली बार एक वर्ष के भीतर गैरसैंण में दो विधानसभा सत्र आयोजित होने का नया अध्याय जुड़ गया है। इससे पहले मार्च 2026 में यहां बजट सत्र आयोजित किया गया था। अब अक्टूबर में दोबारा विधानसभा सत्र शुरू होने से गैरसैंण की विधायी गतिविधियों को विस्तार मिला है।

गैरसैंण में विधानसभा सत्र आयोजित करने की शुरुआत वर्ष 2014 में हुई थी। उस वर्ष यहां पहली बार तीन दिवसीय सत्र आयोजित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2015 और 2016 में दो-दो दिन तथा 2017 में दो दिवसीय सत्र हुआ। वर्ष 2018 में विधानसभा की कार्यवाही छह दिन तक चली, जबकि 2019 में यहां कोई सत्र आयोजित नहीं हुआ। वर्ष 2020 में पांच दिवसीय सत्र हुआ और 2021 में एक से छह मार्च तक छह दिवसीय बजट सत्र आयोजित किया गया। वर्ष 2022 में गैरसैंण में विधानसभा सत्र नहीं हुआ। इसके बाद 2023 में चार दिन और 2024 में तीन दिवसीय सत्र आयोजित किया गया। वर्ष 2025 में यहां बजट और मानसून सत्र हुए। अब 2026 में मार्च और अक्टूबर में दो बार विधानसभा सत्र आयोजित होने से गैरसैंण के महत्व में वृद्धि हुई है।

भराड़ीसैंण में विकास के मुद्दों पर जोर



गैरसैंण उत्तराखंड की जनभावनाओं, सांस्कृतिक पहचान और पर्वतीय क्षेत्रों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यहां विधानसभा की कार्यवाही संचालित होने से पहाड़ी क्षेत्रों की समस्याओं, विकास की जरूरतों और स्थानीय लोगों की अपेक्षाओं को सदन में उठाने का अवसर मिलता है। इससे ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में गैरसैंण की भूमिका को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गैरसैंण उत्तराखंड की जनभावनाओं और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। सरकार का प्रयास है कि भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र आयोजित कर पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याओं, जनअपेक्षाओं और विकास से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि गैरसैंण की भूमिका को सशक्त बनाना और पर्वतीय क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित करना सरकार की प्रतिबद्धता है। राज्य सरकार जनभावनाओं के अनुरूप विकास और सुशासन के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

◆ मार्च के बजट सत्र के बाद अक्टूबर में भी भराड़ीसैंण में विधानसभा की कार्यवाही बना नया रिकॉर्ड

खण्डूड़ी का योगदान सदैव स्मरणीय : धामी



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को भराड़ीसैंण (गैरसैंण) स्थित विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चन्द्र खण्डूड़ी के निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि खण्डूड़ी जी का जीवन सादगी, ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रहा है। उन्होंने भारतीय सेना में रहते हुए देश की सेवा की और वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में साहस का परिचय दिया। राजनीति में आने के बाद उन्होंने पांच बार गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। धामी ने कहा कि उनका अनुशासित जीवन और जनसेवा के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

धामी ने हीरा सिंह बिष्ट को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय हीरा सिंह बिष्ट के निधन पर भी शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हीरा सिंह बिष्ट अनुभवी जननेता थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित किया। उन्होंने छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की और ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख, विधायक तथा मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। श्रमिकों और मेहनतकश लोगों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष उनके व्यक्तित्व की प्रमुख पहचान रहा। उन्होंने पृथक उत्तराखंड राज्य आंदोलन से लेकर प्रदेश के विकास तक महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आजीविका बचाने की आवाज

मसूरी में बोलार्ड लगाने की योजना का विरोध, मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन



सुनील सोनकर

मसूरी। मालरोड पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अंबेडकर चौक पर बोलार्ड लगाने की प्रस्तावित योजना को लेकर साइकिल रिक्शा श्रमिकों की चिंता बढ़ गई है। मजदूर संघ ने एसडीएम राहुल आनंद को ज्ञापन सौंपकर योजना स्थगित करने की मांग की है। संघ का कहना है कि झूलाघर रिक्शा स्टैंड से गांधी चौक तक साइकिल रिक्शा स्थानीय लोगों और पर्यटकों के आवागमन का महत्वपूर्ण साधन हैं। ऐसे में बोलार्ड लगाए जाने से रिक्शा संचालन प्रभावित होगा और श्रमिकों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ेगा।

मजदूर संघ ने मांग की कि झूलाघर से गांधी चौक के बीच किसी भी स्थान पर बोलार्ड नहीं लगाए जाएं। संघ के अनुसार, मालरोड पर यातायात नियंत्रण जरूरी है, लेकिन व्यवस्था बनाते समय उन श्रमिकों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, जिनकी आजीविका इसी मार्ग पर निर्भर है। साइकिल रिक्शा लंबे समय से मसूरी में पर्यटकों और स्थानीय लोगों के आवागमन का हिस्सा रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में मजदूर संघ अध्यक्ष संपत लाल, महासचिव सोबन सिंह पंवार, मिजान लाल, जगत लाल और महिपाल सिंह पंवार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

◆ झूलाघर से गांधी चौक तक बोलार्ड नहीं लगाने की मांग

न्यूज ब्रीफ

पौड़ी में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर गणेश चंद्र भट्ट ने उठाई आवाज

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। पर्वतीय क्षेत्रों की जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता गणेश चंद्र भट्ट ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना दिया। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। इसमें श्रीनगर बेस अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ और फिजिशियन की नियुक्ति, पर्वतीय क्षेत्रों में एम्स जैसी चिकित्सा सुविधाएं विकसित करने तथा पाबौ में उपजिला चिकित्सालय और उप तहसील स्थापित करने की मांग शामिल है। उन्होंने डोईवाला-लच्छीवाला टोल प्लाजा बंद करने, परिवहन कर में वृद्धि वापस लेने और पुराने वाहनों में जीपीएस लगाने की अनिवार्यता समाप्त करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि गांवों में सड़क, शिक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधाएं बढ़ाकर पलायन रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

जनगणना की तैयारियां तेज कार्मिकों का प्रशिक्षण शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी। राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम को लेकर हल्द्वानी में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में 27 अक्टूबर से कार्मिकों का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। पहले चरण में 29 अक्टूबर तक कर्मचारियों को जनगणना से संबंधित कार्यों की जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनगणना के चार्ज अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे उपजिलाधिकारी हल्द्वानी ने बताया कि कार्मिकों का प्रशिक्षण दो चरणों में पूरा कराया जाएगा, ताकि जनगणना कार्य को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके। उन्होंने बताया कि जनगणना का शुभारंभ 15 दिसंबर से किए जाने की जानकारी दी गई है। इसके साथ ही लोगों को स्वयं जनगणना से जुड़ी जानकारी दर्ज करने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद संबंधित कार्मिक जनगणना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे।

सजावटी मछली पालन से स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। जनपद में मत्स्य पालन को स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बनाने के लिए सजावटी मछली पालन (ऑर्नामेंटल फिशरीज) को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को मत्स्य विभाग की योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सहायक निदेशक मत्स्य ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की तीन प्रमुख योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी वर्तमान प्रगति और अब तक किए गए व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। इस दौरान जनपद में विकसित किए जा रहे तीन ऑर्नामेंटल फिशरीज क्लस्टरों की प्रगति से भी अवगत कराया गया। इनमें एक क्लस्टर बहादराबाद और दो क्लस्टर रुड़की क्षेत्र में स्थापित किए जा रहे हैं। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं की जानकारी अधिकाधिक पात्र एवं इच्छुक लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि वे इनका लाभ उठाकर स्वरोजगार शुरू कर सकें।

36 सदस्यीय यात्री दल कैंची और जागेश्वर धाम के लिए किया रवाना

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। दीनदयाल उपाध्याय मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत जनपद के घनसाली तहसील क्षेत्र से 36 सदस्यीय श्रद्धालुओं का दल चार दिवसीय धार्मिक यात्रा के लिए कैंची और जागेश्वर धाम के लिए रवाना हुआ। जिसमें 19 पुरुष और 17 महिलाएं शामिल हैं। मंगलवार को ढुंग-मंदार पट्टी के ग्राम भटवाड़ा की प्रधान मनीषा भट्ट ने सेमंडीधार में यात्री दल की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला पर्यटन अधिकारी सोबत सिंह राणा ने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालु कैंची धाम, जागेश्वर धाम और आसपास के विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम की बस की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

पतंजलि विवि में 29 अक्तूबर से जुटेंगे देश-विदेश के विद्वान



भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार

◆ सनातन मूल्यों और भारतीय ज्ञान परंपरा पर होगा विचार-विमर्श

शिक्षा व्यवस्था पर होगी चर्चा

उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वैश्विक समाज को दिशा देने की क्षमता है। 30 अक्टूबर को प्रस्तावित 'सनातन शास्त्र विमर्श' में कुलपति और शिक्षाविद भविष्य की शिक्षा व्यवस्था, संस्कृत के संरक्षण तथा भारतीय ज्ञान को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिकता, कर्तव्यबोध और सांस्कृतिक चेतना विकसित करना भी है।

भारतीय ज्ञान परंपरा, दर्शन, संस्कृत और सनातन मूल्यों की वैश्विक प्रासंगिकता पर मंथन के लिए 52वां अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन 29 से 31 अक्टूबर तक पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित होगा। सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करेंगे। आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को योगगुरु स्वामी रामदेव और विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने प्रशासनिक भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक की।

स्वामी रामदेव ने कहा कि यह सम्मेलन केवल अकादमिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन धर्म और प्राच्य ज्ञान परंपरा के चिंतन, संरक्षण और संवर्धन का महत्वपूर्ण अवसर है।

पत्रावलियों को अनावश्यक लंबित न रखें अधिकारी : राज्यपाल

राज्यपाल बोले, जनता को सम्मानजनक व्यवहार और सुनवाई का उचित अवसर मिले

अनिल थपलियाल

देहरादून। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने मंगलवार को लोक भवन सचिवालय के अधिकारियों के साथ बैठक कर वहां की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और उनके विभागों में संचालित कार्यों तथा जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन प्रदेश का एक प्रमुख संवैधानिक संस्थान है। इसकी गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखते हुए कार्यप्रणाली को जनभावनाओं के अनुरूप अधिक जनसुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन जनता की अपेक्षाओं और भावनाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण संस्थान है। यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक को सहज पहुंच, सम्मानजनक व्यवहार और अपनी बात रखने का उचित अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों की समस्याओं और विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता तथा तत्परता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके लिए अधिकारियों को प्रक्रियाओं को सरल बनाने और नागरिकों की शिकायतों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए।

डॉ. बिसेन ने स्पष्ट किया कि किसी भी पत्रावली को बिना उचित कारण के लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रशासनिक कार्यों में अनावश्यक देरी न हो।



लोक भवन में प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा

बैठक के बाद राज्यपाल ने लोक भवन सचिवालय के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां संचालित कार्यों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से विभिन्न अनुभागों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लोक भवन पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

राज्यपाल की समीक्षा बैठक में जनसेवा पर जोर

बैठक और निरीक्षण के दौरान सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी, अपर सचिव वित्त डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. सिंह, उप सचिव लक्ष्मण राम आर्या और अनुसचिव अनूप सिंह नेगी सहित चिकित्सा विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यपाल की समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य लोक भवन सचिवालय की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना और आम नागरिकों की समस्याओं के समयबद्ध समाधान को प्राथमिकता देना रहा।

बीकेटीसी के अस्थायी कर्मचारियों का धरना समाप्त

भारतेन्दु संवाददाता, बदरीनाथ। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अस्थायी कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर दो सप्ताह से चल रहा धरना मंगलवार को अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी से वार्ता के बाद समाप्त कर दिया। बदरीनाथ धाम में हुई बैठक में कर्मचारियों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष ने बताया कि वन टाइम सेटलमेंट, समान कार्य-समान वेतन और सम्मानजनक वेतन वृद्धि के मुद्दों पर विचार के लिए उप समिति गठित की गई है। समिति को 15 दिन में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद कर्मचारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। हेमंत द्विवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के तहत अस्थायी कर्मचारियों के हित में कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी जी, आशा वर्कर्स की सुनिए पुकार : 3,000 में कैसे चलेगा परिवार?

दिन-रात जनसेवा करने वाली आशा कार्यकर्ताओं की मांग-सम्मानजनक मानदेय



विकास बलूनी

देहरादून। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की बुनियाद को मजबूत बनाने में आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। गांवों से लेकर शहरों तक गर्भवती महिलाओं की देखभाल, नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में आशा कार्यकर्ता महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाती हैं। लेकिन सवाल यह है कि जो महिलाएं दिन-रात दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन की चिंता करती हैं, क्या उनके अपने परिवारों की चिंता सरकार को है?

आशा कार्यकर्ताओं की मांग है कि उन्हें सम्मानजनक मानदेय, बेहतर चिकित्सा सुविधाएं और ऐसा आर्थिक सहारा मिले, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। उनका कहना है कि यदि उन्हें केवल ₹3,000 मिलते हैं, तो आज की महंगाई में घर चलाना, बच्चों की पढ़ाई और परिवार की चिकित्सा संबंधी जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, इस राशि की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

सुविधाओं की मांग

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश सरकार से आशा कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार होगा। मानदेय में सुधार, नियमित भुगतान, चिकित्सा सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। जो महिलाएं प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य की चिंता करती हैं, उनके परिवारों को भी सम्मानजनक जीवन मिलना चाहिए। उनकी पुकार है- 'हमें भी जीना है सरकार!

कोटद्वार और सतपुली में बांसुरी स्वराज का स्वागत, चुनावी तैयारियों पर मंथन



भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। *भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी एवं दिल्ली से लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज का संगठनात्मक जिला कोटद्वार पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इसके बाद आयोजित संगठनात्मक बैठक में प्रदेश महामंत्री दीप्ती रावत भारद्वाज की उपस्थिति में संगठन की मजबूती, बूथ प्रबंधन और विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों पर चर्चा हुई। बांसुरी स्वराज ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश महामंत्री दीप्ती रावत भारद्वाज ने भी कार्यकर्ताओं से सक्रियता और एकजुटता के साथ कार्य करने की अपील की।*

राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में 150 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

उत्तराखंड जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में बेटियों का शानदार प्रदर्शन

अनिल थपलियाल

देहरादून। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में रविवार, 25 अक्टूबर को 15वीं उत्तराखंड राज्य स्तरीय आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। जिम्नास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में जिम्नास्टिक एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों और जिम्नास्टिक अकादमियों के 150 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग की ट्रॉफी दून जिम्नास्टिक अकादमी, बालक वर्ग की ट्रॉफी सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी और ओवरऑल टीम ट्रॉफी शेरवुड कॉलेज नैनीताल ने अपने नाम की। व्यक्तिगत प्रदर्शन में सब-जूनियर वर्ग की समृद्धि शर्मा ने तीन स्वर्ण पदक जीते।



विभिन्न संस्थानों के खिलाड़ियों ने दिखाया खेल कौशल

जिम्नास्टिक एसोसिएशन के महासचिव प्रमोद चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में बालकों के मुकाबले बालिकाओं की भागीदारी अधिक रही। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी, दून इंटरनेशनल स्कूल, सेंट जोसेफ्स अकादमी, द एशियन स्कूल, शेरवुड कॉलेज नैनीताल और दून जिम्नास्टिक अकादमी सहित कई संस्थानों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

समारोह यूपीईएस के 24वें दीक्षांत समारोह में 5129 विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान

यूपीईएस के दीक्षांत समारोह में 126 शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान

अनिल थपलियाल

देहरादून। यूपीईएस विश्वविद्यालय में 24वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 22 से 27 अक्टूबर तक किया गया। छह दिवसीय समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 5129 विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों सहित कुल 126 शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें 15 स्वर्ण पदक, 82 रजत पदक, एक कांस्य पदक और 28 प्रशंसा पत्र शामिल रहे। समारोह के उद्घाटन अवसर पर 121 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में नियमित और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक यात्रा पूरी की। कुल 5129 स्नातक विद्यार्थियों में 4140 नियमित पाठ्यक्रमों और 989 ऑनलाइन कार्यक्रमों से जुड़े रहे। इनमें 3024 विद्यार्थियों ने स्नातक तथा 2105 ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई पूरी की। समारोह विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मान देने के साथ उनके भविष्य की नई शुरुआत का अवसर भी बना।

इस अवसर पर स्कूल ऑफ लॉ के वीरेंद्र प्रताप सिंह राठौड़ को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। स्कूल ऑफ डिजाइन की सौम्या गुप्ता ने विश्वविद्यालय रजत पदक प्राप्त किया, जबकि स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के पारितोष जुयाल को विश्वविद्यालय कांस्य पदक प्रदान किया गया। इन विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले अन्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों को भी समारोह में सराहा गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील राय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तेजी से बदलते तकनीकी परिवेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और नए कौशल का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

डॉ. राय बोले, तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय संवेदनाएं भी जरूरी

डॉ. राय ने विद्यार्थियों को अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय संवेदनाओं और मजबूत चरित्र का होना भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और क्षमताओं का उपयोग समाज की बेहतरी के लिए करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों की उपलब्धियों के साथ उच्च शिक्षा, शोध और व्यावहारिक कौशल के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

यूपीईएस ने मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण रजत और कांस्य पदक से नवाजा



विश्वविद्यालय की उपाधियों से रोजगार और शोध के नए अवसर

विश्वविद्यालय की ओर से प्रदान की गई उपाधियां विद्यार्थियों के लिए रोजगार, उद्यमिता और शोध के नए अवसरों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। समारोह ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, नई चुनौतियों का सामना करने और बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ने का संदेश दिया।

घुम्मन ने मजीठिया को भेजा मानहानि का नोटिस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) राजबीर सिंह घुम्मन ने शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को कानूनी नोटिस भेजा है। घुम्मन ने मजीठिया की इंटरनेट मीडिया पोस्ट में लगाए गए आरोपों को निराधार, झूठा और मानहानिकारक बताते हुए 24 घंटे के भीतर पोस्ट हटाने, सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने और भविष्य में ऐसे आरोप नहीं लगाने का लिखित आश्वासन देने की मांग की है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आपराधिक कार्रवाई के साथ नागरिक मानहानि का मुकदमा भी दायर किया जाएगा।

27 अक्टूबर 2026 को जारी नोटिस के अनुसार, मजीठिया ने 26 अक्टूबर को अपने सत्यापित एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा की थी। इसमें घुम्मन का नाम लेते हुए उन्हें कथित ड्रग्स नेटवर्क और नशा मुक्ति केंद्रों से जुड़े मामलों से जोड़कर सवाल उठाए गए थे। पोस्ट में आम आदमी पार्टी सरकार के कथित ड्रग्स कनेक्शन का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया गया था कि पंजाब में नशा मुक्ति केंद्रों की आड़ में नशा कारोबार फल-फूल रहा है।

नोटिस में घुम्मन ने कहा है कि उनका सुमन आर्बर ग्रुप, किसी निजी नशा मुक्ति केंद्र या अवैध दवा कारोबार के नेटवर्क से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मजीठिया ने बिना दस्तावेजी या कानूनी साक्ष्य के उनके खिलाफ आरोप लगाए और राजनीतिक दुर्भावना के चलते उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। हालांकि, इन दावों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

नोटिस के मुताबिक, मजीठिया ने अपनी पोस्ट की पहुंच बढ़ाने के लिए दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मीडिया संस्थानों, पत्रकारों तथा अन्य आधिकारिक हैंडल को टैग किया था। घुम्मन का कहना है कि इसके बाद उन्हें रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों के फोन आने लगे, जिससे उन्हें मानसिक परेशानी और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

घुम्मन ने मजीठिया से संबंधित पोस्ट और उससे जुड़ी सामग्री 24 घंटे के भीतर हटाने, अपने सत्यापित एक्स हैंडल पर सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने और प्रमुख मीडिया संस्थानों के माध्यम से भी माफी जारी करने की मांग की है। इसके साथ ही भविष्य में ऐसे आरोप प्रकाशित या प्रसारित नहीं करने का लिखित आश्वासन देने को कहा गया है। नोटिस में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 356 के तहत मानहानि और धारा 351 के तहत आपराधिक धमकी से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख किया गया है। घुम्मन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में मांगें पूरी नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



सीएम मान के ओएसडी राजबीर घुमन और अकाली नेता बिक्रम मजीठिया।

घुम्मन का मजीठिया को कानूनी नोटिस

इस मामले ने पंजाब की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज कर दी है। मुख्यमंत्री के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन ने अपने नोटिस के माध्यम से स्पष्ट किया है कि वह अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुंचाने वाले कथित आरोपों के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाएंगे। वहीं, बिक्रम सिंह मजीठिया की पोस्ट में पंजाब में नशा तस्करी और नशा मुक्ति केंद्रों से जुड़े मुद्दों को उठाया गया था। इस विवाद के बीच नशे के कारोबार पर नियंत्रण, नशा मुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली और संबंधित मामलों की पारदर्शी जांच जैसे विषय भी चर्चा में हैं। कानूनी नोटिस में पोस्ट हटाने, सार्वजनिक माफी मांगने और भविष्य में ऐसे आरोप नहीं लगाने का लिखित आश्वासन देने के लिए 24 घंटे की समयसीमा तय की गई है। अब आगे की स्थिति इस बात पर निर्भर करेगी कि संबंधित पक्ष नोटिस पर क्या कदम उठाते हैं और मामला कानूनी प्रक्रिया तक पहुंचता है या नहीं। फिलहाल, दोनों पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि और आगे की कार्रवाई की जानकारी सामने आना बाकी है।

सीएचबी मकानों का नियमितीकरण अटका, हजारों परिवार परेशान

टाउन प्लानिंग विंग की आपत्तियों से योजना रुकी, 62 हजार परिवारों को राहत का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (सीएचबी) के मकानों में जरूरत के अनुसार किए गए निर्माण और ढांचागत बदलावों को नियमित करने की योजना एक बार फिर अटक गई है। इससे करीब 62 हजार परिवारों को राहत मिलने की उम्मीदों को झटका लगा है। सीएचबी की ओर से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की तर्ज पर मकानों में किए गए बदलावों को नियमित करने के विकल्प तलाशे जा रहे थे, लेकिन टाउन प्लानिंग विंग ने कई तरह के निर्माण पर आपत्ति जताई है। इनमें मकानों के पीछे की तरफ किए गए अतिरिक्त निर्माण प्रमुख हैं।

टाउन प्लानिंग विंग का मानना है कि मकानों के जिन हिस्सों को मूल रूप से खुले स्थान, हवा के आवागमन और रोशनी के लिए निर्धारित किया गया था, वहां कमरे बनाना, पूरे पिछवाड़े को ढक देना या पक्की दीवारें खड़ी करना भवन नियोजन के नियमों के अनुरूप नहीं है। ऐसे निर्माणों को नियमित करने से शहर की नियोजित संरचना और मास्टर प्लान के प्रावधान प्रभावित हो सकते हैं। इसी कारण सभी प्रकार के बदलावों को एक साथ नियमित करने की राह आसान नहीं दिख रही है। परिवार की जरूरतों के अनुसार किए निर्माण चंडीगढ़ में सीएचबी के 62 हजार से अधिक फ्लैट हैं। इनमें बड़ी संख्या में आवंटियों ने समय के साथ परिवार की जरूरतों के अनुसार बदलाव किए हैं। परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़ने और सीमित जगह के कारण कई लोगों ने मकानों के आंगन को ढककर अतिरिक्त कमरे, बड़ी रसोई या शौचालय बना लिए हैं। कुछ स्थानों पर भूतल पर किए गए निर्माण के ऊपर पहली मंजिल पर भी अतिरिक्त कमरे बनाए गए हैं। इन बदलावों से परिवारों को अतिरिक्त जगह तो मिली, लेकिन कई निर्माण निर्धारित भवन नियमों के दायरे से बाहर हो गए। अब आवंटियों को उम्मीद थी कि प्रशासन नियमितीकरण की नीति बनाकर उन्हें राहत देगा।

सीएचबी दिल्ली विकास प्राधिकरण की तर्ज पर जरूरत के मुताबिक किए गए निर्माणों को नियमित करने की संभावनाएं तलाश रहा था। हालांकि, चंडीगढ़ की अपनी भवन नियोजन व्यवस्था और मास्टर प्लान होने के कारण दिल्ली की नीति को यहां सीधे लागू करना आसान नहीं है। टाउन प्लानिंग विंग की आपत्तियों के बाद यह तय करना चुनौतीपूर्ण हो गया है कि किन बदलावों को नियमों के दायरे में लाया जा सकता है।

मकानों में किए गए अतिरिक्त निर्माणों को लेकर आवंटियों और प्रशासन के बीच लंबे समय से समाधान की उम्मीद बनी हुई है। आवंटियों का तर्क है कि सीमित जगह और परिवार की बढ़ती जरूरतों के कारण उन्हें अतिरिक्त निर्माण करना पड़ा। वहीं, प्रशासन के सामने खुले स्थानों, हवा और रोशनी की व्यवस्था तथा भवन नियोजन के नियमों को बनाए रखने की जिम्मेदारी है।

ऐसे में नियमितीकरण की नीति बनाते समय निर्माण की प्रकृति, खुले स्थानों पर उसके प्रभाव और भवन नियमों के अनुरूप होने जैसे पहलुओं पर विचार करना होगा। फिलहाल टाउन प्लानिंग विंग की आपत्तियों के कारण नियमितीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ने में अड़चन आ रही है। हजारों आवंटियों को अब इस बात का इंतजार है कि प्रशासन कोई ऐसा समाधान निकाले, जिससे नियमों का पालन भी हो और पात्र परिवारों को राहत भी मिल सके।



अमृतसर में हथियार-हेरोइन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियारों और नशा तस्करी से जुड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 14 पिस्तौल और 20 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में इस नेटवर्क के विदेश में बैठे एक हैंडलर से जुड़े होने की बात सामने आई है। आरोप है कि विदेशी हैंडलर संगठित नेटवर्क के माध्यम से अवैध हथियारों की आपूर्ति करवाता था और उन्हें आगे आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस अब नेटवर्क के अन्य सदस्यों और हथियारों तथा नशीले पदार्थों की आपूर्ति से जुड़े संपर्कों की जांच कर रही है। इस मामले में थाना घरिंडा और थाना कत्थूनंगल में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस बरामद हथियारों और हेरोइन के स्रोत का पता लगाने के साथ आरोपियों के अन्य तस्करों और आपराधिक गिरोहों से संबंधों की भी जांच कर रही है। पंजाब पुलिस के अनुसार, राज्य में अवैध हथियारों की तस्करी, नशे के कारोबार और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

त्योहारी सीजन में दुकानों की रेकी, ब्लैकमेलिंग की शिकायतों से विभाग सतर्क

स्वास्थ्य विभाग के नाम पर दुकानदारों को धमकाने वालों पर होगी कार्रवाई

बाहरी व्यक्तियों को जांच का अधिकार नहीं, शिकायत पर होगी कानूनी कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

त्योहारी सीजन शुरू होते ही मिठाइयों, बेकरी उत्पादों, डेयरी वस्तुओं और अन्य खाद्य पदार्थों का कारोबार करने वाले दुकानदारों को कथित तौर पर डराने और परेशान करने का मामला सामने आया है। शिकायतों के अनुसार, कुछ लोग दुकानों पर जाकर तस्वीरें खींच रहे हैं और दुकानदारों को स्वास्थ्य विभाग से कार्रवाई करवाने की धमकी दे रहे हैं। मामला ध्यान में आने के बाद जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनजीत सिंह रटोल ने स्पष्ट किया है कि विभाग के नाम का दुरुपयोग करके किसी भी दुकानदार को धमकाने, परेशान करने या ब्लैकमेल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, त्योहारी सीजन को देखते हुए स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा विभाग जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान चला रहा है। इस दौरान कुछ दुकानदारों ने शिकायत की है कि अज्ञात व्यक्ति दुकानों पर पहुंचकर तस्वीरें खींचते हैं और उन्हें विभाग में शिकायत करने या कार्रवाई करवाने की बात कहकर डराते हैं। इससे कारोबारियों में चिंता का माहौल है। हालांकि, तस्वीरें खींचने वाले व्यक्तियों की पहचान और उनके वास्तविक उद्देश्य की जांच की जा रही है।

विभाग की अपनी आधिकारिक टीम, बाहरी व्यक्ति को जांच का अधिकार नहीं : जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनजीत सिंह रटोल ने कहा कि उनके ध्यान में भी इस तरह की शिकायत आई है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा से संबंधित जांच और कार्रवाई करने के लिए विभाग की अपनी आधिकारिक टीम है। जिले में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियमों के अनुसार दुकानों और कारोबारी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हैं।

उन्होंने बताया कि विभाग की टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतनाम सिंह, रजनी, अमनप्रीत सिंह और कमलदीप कौर सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत की जाती है। किसी बाहरी व्यक्ति को विभाग के नाम पर दुकानदारों को डराने या परेशान करने का अधिकार नहीं है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने कारोबारियों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति विभाग के नाम पर उन्हें धमकाता है या कार्रवाई का डर दिखाकर परेशान करता है, तो वे तुरंत संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि विभाग की पहचान का दुरुपयोग करके स्वयं को अधिकारी बताना गंभीर मामला है। विभाग खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई जारी रखेगा, लेकिन किसी भी व्यक्ति को इसके नाम पर दुकानदारों का शोषण करने की छूट नहीं दी जाएगी।

दुकानदारों को डराया तो होगी कानूनी कार्रवाई

डॉ. रटोल ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति खुद को स्वास्थ्य या खाद्य सुरक्षा विभाग से जुड़ा बताकर दुकानदारों पर दबाव बनाता है, तस्वीरें खींचकर डराता है या कार्रवाई का भय दिखाकर उन्हें परेशान करता है, तो शिकायत मिलने पर मामले की जांच करवाई जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में लोगों को सुरक्षित और मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाना विभाग की प्राथमिकता है। मिलावट और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के खिलाफ जांच अभियान जारी रहेगा। हालांकि, विभागीय कार्रवाई के नाम पर किसी दुकानदार का शोषण या ब्लैकमेलिंग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जाखड़ ने पंजाब में नशा तस्करी की एनआईए जांच की मांग उठाई

पंजाब में नशा और हथियार तस्करी की एनआईए जांच के लिए जाखड़ ने अमित शाह को लिखा पत्र

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने राज्य में नशा तस्करी, गैंगस्टर गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी के कथित नेटवर्क की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दो मामलों की समयबद्ध जांच कराने का आग्रह किया है। जाखड़ ने आशंका जताई कि इन मामलों के तार पाकिस्तान से भारत में नशे और हथियारों की तस्करी से जुड़े हो सकते हैं।

26 अक्टूबर को लिखे पत्र में जाखड़ ने बठिंडा जिले के नथाना थाने में वर्ष 2023 में दर्ज एक मामले का उल्लेख किया। उनके अनुसार, इस मामले में कुछ लोगों से चार किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। जाखड़ ने दावा किया कि जांच में सामने आया था कि यह खेप फिरोजपुर जेल में बंद हैरी के कहने पर मंगवाई गई थी। हैरी हत्या के मामले में 20 साल की सजा काट रहा था और उसके खिलाफ सात अन्य मामले भी दर्ज थे।

जाखड़ ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के कुछ लोगों ने फाजिल्का के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त के साथ कथित मिलीभगत कर हैरी को पैरोल पर रिहा करवाने में मदद की। उन्होंने दावा किया कि हैरी अब दुबई से कथित तौर पर नशा तस्करी, फिरौती वसूली और गैंगस्टर गतिविधियां संचालित कर रहा है। ये गतिविधियां अबोहर से लुधियाना तक फैली होने का आरोप है। जाखड़ ने यह भी आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने इस मामले की फाइल बंद कर दी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पत्र में जाखड़ ने एक अन्य मामले का उल्लेख करते हुए पंजाब सरकार की एंटी-ड्रोन यूनिट में तैनात कांस्टेबल करम सिंह की गिरफ्तारी और उससे 25 किलोग्राम हेरोइन बरामद होने की बात कही। उनके अनुसार, करम सिंह ने कथित तौर पर ऐसी 24 अन्य खेपों की व्यवस्था करने की जानकारी भी दी थी। जाखड़ ने आरोप लगाया कि इस नेटवर्क से जुड़े लोग पाकिस्तान से हेरोइन के साथ हथियार भी मंगवा रहे थे।



समयबद्ध जांच कराने की मांग

जाखड़ ने कहा कि दोनों मामलों में सीमा पार से नशे और हथियारों की तस्करी के साथ फिरौती तथा गैंगस्टर गतिविधियों के संभावित संबंधों की गहन जांच जरूरी है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इन मामलों की जांच एनआईए को सौंपी जाए और इसे निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसी की जांच से कथित नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनकी भूमिका स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है। जाखड़ ने मांग की कि दोनों मामलों के सभी पहलुओं की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अमृतसर में 'आप' नेता के भाई की गोली मारकर हत्या, दोस्त घायल

अमृतसर में रंजिश ने लिया खूनी रूप, 'आप' नेता के भाई की गई जान

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब के अमृतसर ग्रामीण क्षेत्र के गांव झिते कलां में सोमवार रात पुरानी रंजिश के चलते आम आदमी पार्टी (आप) के नेता कराज सिंह के भाई तिरथ सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हमले में उनका दोस्त रणजीत सिंह भी गोली लगने से घायल हो गया। दोनों गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद घर लौट रहे थे, तभी हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने वारदात के दौरान करीब सात से आठ राउंड फायरिंग की। गोलियां लगने से तिरथ सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल रणजीत सिंह का अस्पताल में उपचार चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।

अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से रंजिश चली आ रही थी। गुरदित सिंह की कराज सिंह और उनके परिवार के साथ पहले से अनबन बताई जा रही है। इससे पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था, लेकिन गांव के लोगों ने हस्तक्षेप कर मामले को सुलझा दिया था। इसके बावजूद दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था।



चार आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज

एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि मामले में गुरदित सिंह, हरकीरत सिंह, गुरजंट सिंह और गोरा निवासी गांव झिते कलां के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर छापेमारी की जा रही है। पुलिस घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और वारदात के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक तिरथ सिंह के भाई कराज सिंह ब्लॉक समिति के सदस्य हैं, जबकि उनकी मां आम आदमी पार्टी से जुड़ी गांव की सरपंच हैं। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों के बयानों के आधार पर चाटीविंड थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

ट्रांसपोर्ट नगर में कैंटीन खुलेगी सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत



भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-26 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रक चालकों और यहां आने वाले लोगों को जल्द कैंटीन की सुविधा मिलेगी। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने सोमवार को ट्रांसपोर्ट नगर का दौरा कर विकास कार्यों, सुरक्षा व्यवस्था और जनसुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कैंटीन खोलने की घोषणा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। प्रशासक ने ट्रांसपोर्ट नगर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाने तथा प्रवेश और निकास द्वारों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए। उनका उद्देश्य यहां आने वाले ट्रक चालकों, व्यापारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने वेब्रिज यानी धर्मकांटा सहित विभिन्न विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों से उनकी प्रगति की जानकारी ली।

पराली जलाने पर रोक के लिए पंजाब में किसानों को मिलेगी विशेषज्ञों की सलाह

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने और किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष टेलीफोन हेल्पलाइन शुरू की गई है। क्लीन एयर पंजाब, एयरकेयर सेंटर और सांझ पंजाब से जुड़ी पहल सांझा मित्र किसान सहायता केंद्र के माध्यम से किसान अब फोन पर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। हेल्पलाइन नंबर 79737-27514 है। इस सेवा का लाभ सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक उठाया जा सकता है।

धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच कम समय मिलने के कारण किसानों को पराली प्रबंधन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार उचित मशीनरी और तकनीकी जानकारी उपलब्ध नहीं होने से किसान पराली जलाने का विकल्प चुन लेते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए हेल्पलाइन के माध्यम से किसानों को फसल अवशेषों के प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों, कृषि मशीनरी की उपलब्धता और उसके सही इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जाएगा। राज्य जलवायु कार्रवाई की निदेशक सनम ने कहा कि सांझा मित्र पहल किसानों के साथ संवाद के दौरान सामने आई उनकी जरूरतों और सुझावों के आधार पर तैयार की गई है।



ये प्रतीकात्मक तस्वीर है।

चंडीगढ़-मोहाली के स्कूलों, विधानसभा और कॉन्सर्ट को बम धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ और मोहाली में स्कूलों, पंजाब विधानसभा तथा पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के आगामी कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल और संदेश सामने आने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। वायरल स्क्रीनशॉट में कई शैक्षणिक संस्थानों और आयोजनों को निशाना बनाने की बात कही गई है। संदेशों के अनुसार, चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित एसआर किड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-44 के सेंट जेवियर स्कूल और मोहाली के कुछ स्कूलों को धमकी दी गई है। कुछ ईमेल में 27 नवंबर तक सिलसिलेवार धमाके करने, विधानसभा परिसर में विस्फोटक रखने और स्कूलों को दोपहर के समय निशाना बनाने का दावा किया गया है। दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का भी उल्लेख किया गया है। संदेशों में कुछ प्रतिबंधित संगठनों के नाम इस्तेमाल किए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, ईमेल में किसी संगठन का नाम होने मात्र से उसकी संलिप्तता साबित नहीं होती।

चंडीगढ़ निगम में संयुक्त आयुक्तों के लगातार तबादलों से कामकाज प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। नगर निगम चंडीगढ़ में अधिकारियों के लगातार तबादलों के कारण प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होने की स्थिति सामने आ रही है। अधिकारियों को विभागीय प्रक्रियाएं और जिम्मेदारियां समझने में कई महीने लग जाते हैं, लेकिन व्यवस्था से पूरी तरह परिचित होने से पहले ही उनका तबादला हो जाता है या वे अपने मूल कैडर में लौट जाते हैं। इसका असर निगम के कामकाज और शहरवासियों की समस्याओं के समाधान पर पड़ने की आशंका है। डॉ. इंदर जीत के हरियाणा लौटने के बाद संयुक्त आयुक्त का एक पद खाली था। अब प्रशासन ने एचसीएस अधिकारी गौरव कुमार को इस पद पर नियुक्त किया है। वहीं, करीब एक साल से निगम में कार्यरत हिमांशु गुप्ता का तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर अविकेश गुप्ता को संयुक्त आयुक्त नियुक्त किया गया है। नए बदलावों के बाद बलबीर राज सिंह, गौरव कुमार और अविकेश गुप्ता तीनों ही निगम में नए अधिकारी हैं। ऐसे में उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को समझने, विभागीय प्रक्रियाओं से तालमेल बैठाने और लंबित मामलों की जानकारी हासिल करने में समय लग सकता है। संयुक्त आयुक्तों के पास वित्तीय, प्रशासनिक और विभागीय कार्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होती हैं। बार-बार तबादलों से फाइलों की निरंतरता, लंबित मामलों की समीक्षा और अधिकारियों के बीच समन्वय प्रभावित हो सकता है।



◆ चंडीगढ़ निगम में अधिकारियों के तबादलों से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित

गिरफ्तारी फर्जी पहचान से कनाडा में रह रहा था बाठ, भारत वापसी की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी

कनाडा में गैंगस्टर अमृतपाल बाठ गिरफ्तार, भारत लाने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर अमृतपाल सिंह बाठ को कनाडा में गिरफ्तार किए जाने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह कथित तौर पर फर्जी पासपोर्ट और बदली हुई पहचान के सहारे कनाडा में रह रहा था। पंजाब पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल बाठ पर 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी है। उसे पंजाब में ए-कैटेगरी का गैंगस्टर माना जाता है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, उसकी गिरफ्तारी और उससे जुड़े घटनाक्रम के सभी विवरणों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

सूत्रों के अनुसार, अमृतपाल सिंह बाठ ने कनाडा में अपनी पहचान कथित तौर पर हरप्रीत के नाम से बना रखी थी। बताया जा रहा है कि कनाडा में सीमा क्षेत्र के पास एक वाहन को रोके जाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान संबंधित व्यक्ति से पहचान के दस्तावेज मांगे गए, तो उसने कथित तौर पर हरप्रीत के नाम से पहचान पत्र दिखाया। इसके बाद दस्तावेजों की गहन जांच की गई, जिसमें उसकी असली पहचान अमृतपाल सिंह बाठ के रूप में सामने आने का दावा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पहचान उजागर होने के बाद उसे हिरासत में लेकर संबंधित सीमा सुरक्षा एजेंसी के सुपुर्द कर दिया गया।



फर्जी पहचान उजागर होने पर कनाडा में पकड़ा गया गैंगस्टर

तरनतारन में आप कार्यकर्ता की हत्या के बाद आया था चर्चा में

सूत्रों के अनुसार, अमृतपाल सिंह बाठ का नाम तरनतारन में आम आदमी पार्टी के एक कार्यकर्ता की हत्या के मामले के बाद भी चर्चा में आया था। इस मामले में उसकी कथित भूमिका और अन्य आपराधिक घटनाओं से जुड़े तथ्यों की पुष्टि जांच एजेंसियों के आधिकारिक बयानों तथा न्यायिक दस्तावेजों के आधार पर की जानी जरूरी है। किसी मामले में नाम सामने आने मात्र से अपराध में संलिप्तता साबित नहीं होती। तरनतारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरिंदर कुमार लांबा के अनुसार, अमृतपाल सिंह बाठ को भारत वापस लाने के लिए कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय और जरूरी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी।

विधानसभा में भी उठ चुका है मामला

अमृतपाल सिंह बाठ को भारत लाने का मुद्दा पंजाब में कानून-व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहले तरनतारन के विधायक हरमीत सिंह संधू विधानसभा सत्र के दौरान इस मामले से संबंधित जानकारी साझा कर चुके हैं। अब कनाडा में उसकी कथित गिरफ्तारी की खबर के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई, पहचान की आधिकारिक पुष्टि और भारत वापसी की प्रक्रिया पर नजर बनी हुई है। संबंधित एजेंसियों की ओर से औपचारिक जानकारी सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जम्मू में मेडटेक कॉन्क्लेव, सेना की आधुनिक चिकित्सा सेवाओं और तकनीकों पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने जम्मू स्थित मिलिट्री अस्पताल में आयोजित मेडटेक कॉन्क्लेव का दौरा किया। इस दौरान उन्हें आधुनिक सैन्य स्वास्थ्य सेवाओं, उन्नत चिकित्सा उपकरणों और तकनीक आधारित मरीजों की देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। कॉन्क्लेव का उद्देश्य सैन्य चिकित्सा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और युद्धक्षेत्र में घायल सैनिकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए नवीन तकनीकों को प्रोत्साहित करना था। व्हाइट नाइट कॉर्प्स के तत्वावधान में 25 और 26 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से चिकित्सा विशेषज्ञों, स्वास्थ्यकर्मियों और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें सैन्य स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे बदलाव, युद्धक्षेत्र में मरीजों की सुरक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने विभिन्न कंपनियों की ओर से लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल का निरीक्षण किया। यहां उन्हें आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, नई स्वास्थ्य तकनीकों और सैन्य अस्पतालों में उपयोगी संभावित समाधानों के बारे में बताया गया। इन तकनीकों का उद्देश्य सैनिकों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना और आपात परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाओं की क्षमता बढ़ाना है। कॉन्क्लेव में अगली पीढ़ी की सैन्य स्वास्थ्य सेवाओं और तकनीक आधारित मरीजों की देखभाल पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम के तहत लाइव प्रदर्शन, तकनीकी संगोष्ठियां और विशेषज्ञों के बीच परिचर्चाएं आयोजित की गईं। इनमें युद्धक्षेत्र में घायल सैनिकों की सुरक्षा, चिकित्सा सहायता की उपलब्धता और उपचार के दौरान आधुनिक तकनीक के उपयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इस आयोजन ने चिकित्सा उपकरण बनाने वाली कंपनियों और सैन्य चिकित्सा विशेषज्ञों को एक मंच पर आने का अवसर दिया। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने अपने उत्पादों और तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन किया। साथ ही, सैन्य बलों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप चिकित्सा तकनीक विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

मेडटेक कॉन्क्लेव में युद्धक्षेत्र में बेहतर उपचार और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों पर जोर

उमर मंत्रिमंडल विस्तार में कश्मीर का दबदबा, जम्मू की सियासी हिस्सेदारी घटी

चार नए मंत्रियों के शामिल होने से घाटी का प्रतिनिधित्व बढ़ा, जम्मू के आठ जिले मंत्रिमंडल से बाहर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



शपथ ग्रहण समारोह के दौरान चार नए कैबिनेट मंत्री।

जम्मू-कश्मीर की उमर अब्दुल्ला सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को लेकर बहस तेज हो गई है। मंगलवार को लोकभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चार नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। चारों मंत्री कश्मीर घाटी से हैं। वहीं, जम्मू संभाग से सतीश शर्मा को हटाए जाने के बाद क्षेत्रीय संतुलन पर सवाल उठने लगे हैं।

नए मंत्रियों में सात बार के विधायक अली मोहम्मद सागर, शमीमा फिरदौस, मीर सैफुल्ला और अल्ताफ अहमद वानी उर्फ अल्ताफ कालू शामिल हैं। अली मोहम्मद सागर और मीर सैफुल्ला पहले भी मंत्री रह चुके हैं। इन नियुक्तियों के जरिए घाटी के विभिन्न क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। शमीमा फिरदौस के शामिल होने से मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों की संख्या भी दो हो गई है।

सतीश शर्मा को हटाए जाने के बाद जम्मू संभाग के मंत्रियों की संख्या घटकर दो रह गई है। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और जावेद अहमद राणा राजौरी-पुंछ क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में जम्मू, सांबा, कठुआ, उधमपुर, रियासी, रामबन, डोडा और किश्तवाड़ जिलों का मंत्रिमंडल में प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व नहीं है। छंब से निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा के मंत्री रहने से जम्मू के मैदानी क्षेत्र की आवाज भी सरकार में मौजूद थी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 90 सदस्य हैं और मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद में अधिकतम नौ सदस्य हो सकते हैं। उमर अब्दुल्ला ने सरकार गठन के समय पांच सदस्यीय मंत्रिमंडल बनाया था और कुछ पद रिक्त रखे थे। अब चार नए मंत्रियों को शामिल करने और सतीश शर्मा को हटाने के बाद मंत्रिपरिषद में नौ सदस्य हैं। इनमें मुख्यमंत्री सहित सात मंत्री कश्मीर संभाग से और दो जम्मू संभाग से हैं।

विस्तार में घाटी के विभिन्न क्षेत्रों और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेताओं को शामिल करने की कोशिश दिखाई देती है। हालांकि, नए मंत्रियों में शिया समुदाय के किसी नेता को जगह नहीं मिली। इससे समुदाय के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

कश्मीर में ठंड बढ़ी, शोपियां में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर घाटी में तापमान में लगातार गिरावट के कारण ठंड का असर बढ़ने लगा है। कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे पहुंच गया है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि न्यूनतम तापमान गिरकर माइनस 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट के चलते लोगों को सुबह और शाम के समय कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं और सर्दियों की तैयारियां भी तेज कर दी हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस बार ठंड का असर अपेक्षाकृत जल्दी महसूस होने लगा है। शोपियां निवासी मोहम्मद अब्दुल्लाह भट ने बताया कि तापमान में गिरावट के कारण सुबह और शाम घर से बाहर निकलना मुश्किल होने लगा है। लोगों ने ऊनी कपड़े खरीदने शुरू कर दिए हैं। खासकर उन लोगों को अधिक परेशानी हो रही है, जिन्हें कामकाज के सिलसिले में लंबे समय तक घर से बाहर रहना पड़ता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुई ताजा बर्फबारी और इसके बाद चल रही ठंडी हवाओं के कारण घाटी में ठंड बढ़ी है। निवासी फिरोज अहमद के अनुसार, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद ठंडी हवाओं का असर मैदानी क्षेत्रों में भी महसूस किया जा रहा है। सुबह के समय ठंड अधिक रहती है, जिससे लोगों को अपने दैनिक कामकाज के लिए घर से निकलने में परेशानी हो रही है। सेब के बागों और ऊंचाई पर स्थित गांवों के लिए प्रसिद्ध शोपियां में सर्दियां सामान्यत: लंबी और कठोर होती हैं। सर्दियों के दौरान तापमान अक्सर जमाव बिंदु से नीचे चला जाता है। पाला पड़ने और बर्फबारी के कारण खेती-बाड़ी, यातायात तथा रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। ऐसे में लोग मौसम के बदलते मिजाज पर नजर रख रहे हैं। इस वर्ष अक्टूबर की शुरुआत से ही घाटी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने लगी थी।

ताजा बर्फबारी और ठंडी हवाओं से घाटी में बढ़ी ठिठुरन, जल्द शुरू हुई सर्दियां

एटीएम धोखाधड़ी में 9.5 लाख बरामद, दो महिलाएं हुईं गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कुलगाम



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में एटीएम धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने 9.5 लाख रुपये की पूरी रकम बरामद कर दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। मामले के दो मुख्य आरोपित अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, अखरान निवासी मुनीरा रेशी ने 15 अक्टूबर को मीर बाजार पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि पांच अक्टूबर को मीर बाजार स्थित एक एटीएम पर अज्ञात व्यक्ति ने धोखे से उनका एटीएम कार्ड बदल लिया। इसके बाद खाते से अनधिकृत लेनदेन के माध्यम से 9.5 लाख रुपये निकाल लिए गए। शिकायत के आधार पर काजीगुंड थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपितों की पहचान हरियाणा के हिसार जिले के विनींदर सिंह उर्फ शीनू और मुकेश सिंह के रूप में की। पुलिस दल उनकी तलाश में हरियाणा पहुंचा, लेकिन दोनों अपने घरों पर नहीं मिले। उनके ठिकाने का पता लगाने और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस ने इस मामले में शांति देवी और राजपति देवी को गिरफ्तार किया है। दोनों हरियाणा के हिसार जिले की निवासी हैं और आरोपितों की रिश्तेदार बताई गई हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों पर धोखाधड़ी से प्राप्त रकम लेने का आरोप है। उनके कब्जे से पूरी 9.5 लाख रुपये की राशि बरामद कर ली गई है। मामले में आगे की जांच जारी है। कुलगाम पुलिस ने फरार आरोपितों के बारे में विश्वसनीय जानकारी देने की अपील की है। सूचना निकटतम पुलिस थाने, मीर बाजार पुलिस चौकी, काजीगुंड थाने या पुलिस नियंत्रण कक्ष के नंबर 7051510660 पर दी जा सकती है।

उमर सरकार पर सुनील शर्मा ने कसा सियासी तंज

नए मंत्रियों को जनहित में काम करने की नसीहत, असंतुष्ट विधायकों की नाराजगी दूर करें उमर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मंत्री पद से वंचित विधायकों की नाराजगी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने इस मुद्दे पर चुटकी लेते हुए कहा कि वह असंतुष्ट विधायकों के आंसू पोंछेंगे, लेकिन उनकी नाराजगी दूर करना मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने नए मंत्रियों को राजनीतिक खींचतान छोड़कर जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने की नसीहत भी दी।

नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने सभी नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मंत्री अपने पद की जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएंगे और जम्मू-कश्मीर के लोगों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगे। उनके अनुसार, मंत्रियों को जनता की सेवा के लिए पूरी मेहनत करनी चाहिए तथा राजनीतिक विवादों से ऊपर उठकर काम करना चाहिए।

सुनील शर्मा बोले- नए मंत्री जनहित साधें, नाराज विधायकों को मनाएं उमर

सुनील शर्मा ने कहा कि मंत्रियों का ध्यान सरकार के भीतर चल रही राजनीतिक खींचतान के बजाय आम लोगों की परेशानियों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर होना चाहिए। कैबिनेट विस्तार के बाद सरकार के सामने जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती है। ऐसे में नए मंत्रियों को अपने कामकाज से लोगों का विश्वास जीतना चाहिए। मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने वाले विधायकों की नाराजगी पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भी असंतुष्ट नेताओं की शिकायतें दूर करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं उनके आंसू पोंछूंगा, लेकिन उन आंसुओं को पोंछना उमर साहब की जिम्मेदारी है। हम भी उनके आंसू पोंछेंगे।'

हालांकि, शर्मा ने किसी विधायक का नाम लेकर यह स्पष्ट नहीं किया कि कौन नाराज है या किसे मंत्री पद मिलने की उम्मीद थी। उनके बयान से कैबिनेट विस्तार के बाद पार्टी के भीतर असंतोष और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को लेकर चल रही चर्चाओं को फिर हवा मिली है। सरकार के भीतर मतभेदों और सरकार गिरने की अटकलों से जुड़े सवालों पर शर्मा ने जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह को अभी मुश्किल से एक घंटा हुआ है।

जम्मू के शिव मार्केट में भीषण आग, दुकानदारों ने दमकल विभाग पर उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू रेलवे स्टेशन के सामने स्थित शिव मार्केट में लगी भीषण आग से कई दुकानों में रखा सामान जलकर राख हो गया। इस घटना से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। दुकान नंबर 47 के मालिक विकास गुप्ता ने दमकल विभाग पर देरी से पहुंचने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

विकास गुप्ता के अनुसार, उनकी दुकान में सर्दियों के कपड़ों का काफी सामान रखा था। दिवाली और सर्दियों का मौसम कारोबार के लिहाज से महत्वपूर्ण होता है, लेकिन आग ने उनकी वर्षों की कमाई खत्म कर दी। उन्होंने दावा किया कि दमकल विभाग को कई बार फोन करने के बावजूद तत्काल सहायता नहीं मिली। इसके बाद वह स्कूटी से दमकल कार्यालय पहुंचे और गाड़ियां भेजने की गुहार लगाई। उनके मुताबिक, करीब सवा से डेढ़ घंटे बाद छोटी दमकल गाड़ी पहुंची, जिसमें पानी का दबाव भी कम था।

आग से कारोबार तबाह, व्यापारियों ने मुआवजे और पुनर्निर्माण की अनुमति मांगी

गुप्ता का कहना है कि यदि समय पर दमकल गाड़ियां पहुंचतीं तो आसपास की अन्य दुकानों को नुकसान से बचाया जा सकता था। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। हालांकि, दमकल विभाग का पक्ष सामने आने के बाद ही देरी के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जम्मू के प्रधान अरुण गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा कर प्रभावित दुकानदारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन से पीड़ित व्यापारियों को तत्काल आर्थिक सहायता देने तथा दुकानों के पुनर्निर्माण की अनुमति जल्द देने की मांग की।

उन्होंने बताया कि आग से कपड़े, सूखे मेवे, यात्रा संबंधी सामान और अन्य वस्तुओं का कारोबार करने वाले व्यापारियों को नुकसान हुआ है। कई छोटे व्यापारी अपनी आजीविका के लिए इन्हीं दुकानों पर निर्भर हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी करने की अपील की। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी की जान नहीं गई। चैंबर ने प्रभावित व्यापारियों की मांगें अधिकारियों के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया।

मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने से आहत अब्दुल मजीद लारवी ने जताई निराशा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान जगह नहीं मिलने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक अब्दुल मजीद लारवी ने निराशा व्यक्त की है। अनंतनाग पश्चिम से विधायक लारवी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें मंत्री बनाए जाने की उम्मीद थी और वह इस पद के हकदार भी थे। हालांकि, उन्होंने पार्टी नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करते हुए संगठन के लिए काम जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। लारवी ने कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की उन्हें भी उम्मीद थी, लेकिन मंत्रियों के चयन का अधिकार पार्टी नेतृत्व के पास है। उन्होंने कहा कि यह ईश्वर और नेतृत्व का निर्णय है तथा नेतृत्व इस मामले को बेहतर समझता है। उन्होंने मंत्रिमंडल में शामिल किए गए चारों विधायकों को स्वीकार करने की बात कही, लेकिन खुद को मौका नहीं मिलने पर दुख भी जताया। विधायक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं और उन्होंने संगठन के प्रति ईमानदारी, निष्ठा तथा समर्पण के साथ काम किया है। इसी कारण उन्हें उम्मीद थी कि मंत्रिमंडल विस्तार में उन्हें भी जिम्मेदारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह भी इंसान हैं और नजरअंदाज किए जाने से उनका दिल आहत हुआ है। हालांकि, लारवी ने स्पष्ट किया कि इस फैसले के बावजूद वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के सिपाही हैं और संगठन के लिए काम करते रहेंगे। उनके मुताबिक, राजनीति में इस तरह की परिस्थितियां आती रहती हैं।

रामबन में गोवंश तस्करी पर कार्रवाई, पांच दिन में 263 पशु मुक्त

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में गोवंश की तस्करी और पशुओं के साथ क्रूरता के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। 21 से 25 अक्टूबर के बीच चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने गोवंश तस्करी से जुड़े 17 मामले दर्ज किए और कुल 263 गोवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस के अनुसार, जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से गोवंश के परिवहन की शिकायतों और सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई की गई। इस दौरान दर्ज किए गए सभी मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंधित मामलों की जांच कानून के प्रावधानों के अनुसार की जा रही है, ताकि अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। रामबन पुलिस ने स्पष्ट किया है कि गोवंश का अवैध परिवहन करने और पशुओं के साथ क्रूरता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।



पुलिस ने 17 मामले दर्ज किए, अवैध परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

लद्दाख सिविल सर्विसेज बोर्ड में बदलाव, मुख्य सचिव को अहम जिम्मेदारी

भारतेंदु संवाददाता, लेह



लद्दाख प्रशासन ने सिविल सर्विसेज बोर्ड के संगठनात्मक ढांचे में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत उपराज्यपाल के सलाहकार की जगह मुख्य सचिव और प्रधान सचिव के स्थान पर आयुक्त/सचिव को बोर्ड में शामिल किया गया है। प्रशासन का यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस बदलाव का उद्देश्य प्रशासनिक अधिकारियों के तबादलों और तैनातियों से जुड़ी प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाना है।

तबादलों में पारदर्शिता पर जोर, उपराज्यपाल के पास रहेगा अंतिम निर्णय

लद्दाख के महाप्रशासनिक विभाग की ओर से जारी आदेश में 13 अगस्त 2024 को जारी उस आदेश में संशोधन किया गया है, जिसके माध्यम से केंद्र शासित प्रदेश में सिविल सर्विसेज बोर्ड का गठन किया गया था। हालांकि, बोर्ड के कामकाज से संबंधित शर्तों और नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

संशोधित व्यवस्था के अनुसार, मुख्य सचिव बोर्ड में पहले क्रम पर और आयुक्त/सचिव दूसरे क्रम पर रहेंगे। गृह तथा वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग के प्रतिनिधियों को भी बोर्ड में शामिल किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रशासनिक सचिव को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस और वन सेवाओं से जुड़े मामलों में संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों की भागीदारी का भी प्रावधान है। बोर्ड की प्रमुख जिम्मेदारी प्रशासनिक अधिकारियों के तबादलों, तैनातियों और सेवा संबंधी मामलों में सिफारिशें करना है। इसके दायरे में अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के अलावा जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा और वन सेवा के अधिकारी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारियों तथा गैर-प्रशासनिक सेवाओं के विभागाध्यक्षों के मामलों पर भी बोर्ड विचार करता है।

नियमों के अनुसार, अधिकारियों के तबादलों और तैनातियों पर सिफारिश करते समय उनके निर्धारित न्यूनतम कार्यकाल का ध्यान रखना होगा। कार्यकाल पूरा होने से पहले तबादले की सिफारिश किए जाने पर उसके आधारों की समीक्षा कर कारणों को लिखित रूप में दर्ज करना आवश्यक है।

कश्मीर में स्तन कैंसर के अधिकांश मामले तीसरी अवस्था में चिन्हित



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर में स्तन कैंसर महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि यहां करीब 70 से 73 प्रतिशत मरीजों में बीमारी का पता तीसरी अवस्था में चलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, शुरुआती चरण में कैंसर की पहचान होने पर उपचार अधिक प्रभावी हो सकता है। इसलिए लक्षणों को पहचानना, समय पर जांच कराना और चिकित्सकीय सलाह लेना बेहद जरूरी है। न्यू सिटी अस्पताल, टेंगपोरा बाईपास की सर्जिकल ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. शबनम बशीर के अनुसार, जागरूकता की कमी और जांच में देरी के कारण कई मरीजों को बीमारी बढ़ने के बाद उपचार शुरू कराना पड़ता है। स्तन कैंसर तब विकसित होता है, जब स्तन की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं। यह महिलाओं में अधिक पाया जाता है, हालांकि पुरुष भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। स्तन या बगल में नई गांठ, स्तन के आकार में बदलाव, त्वचा पर गड्ढे या लालिमा, निप्पल का अंदर की ओर मुड़ना और उससे असामान्य या खून मिला स्राव इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं। हर गांठ कैंसर नहीं होती, लेकिन किसी नए या लगातार बने बदलाव की जांच कराना आवश्यक है। परिवार में कैंसर का इतिहास, कुछ आनुवंशिक बदलाव, मोटापा और शारीरिक गतिविधि की कमी जोखिम बढ़ा सकते हैं। हालांकि, बिना किसी स्पष्ट जोखिम कारक के भी स्तन कैंसर हो सकता है।

गांठ और त्वचा में बदलाव पहचानें, समय पर जांच से बढ़ेगा उपचार का असर

डॉ. बशीर ने संतुलित आहार, स्वस्थ वजन और नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाने की सलाह दी। संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। चिकित्सकीय जरूरत के अनुसार मैमोग्राफी, अल्ट्रासाउंड और बायोप्सी से बीमारी की पुष्टि की जा सकती है।

हीरानगर में 278 हेक्टेयर भूमि पर लहलहा रही तोरी-सरसों की फसल



भारतेंदु संवाददाता, हीरानगर। जम्मू-कश्मीर के हीरानगर उपमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों का रुझान पारंपरिक फसलों के साथ तिलहन की खेती की ओर भी बढ़ रहा है। क्षेत्र में करीब 278 हेक्टेयर भूमि पर तोरी और सरसों की फसल लहलहा रही है। खेतों में खिले पीले फूल ग्रामीण परिवेश की सुंदरता बढ़ाने के साथ कृषि क्षेत्र में आ रहे बदलाव को भी दर्शा रहे हैं। खाद्य तेलों की बढ़ती मांग और बाजार में उनकी कीमतों को देखते हुए किसान तिलहन की खेती को लाभकारी विकल्प मान रहे हैं। तोरी की फसल कम समय में तैयार हो जाती है। इसके बाद उसी खेत में गेहूं की बुआई भी की जा सकती है। इससे किसानों को फसल चक्र का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलती है। क्षेत्र के किसानों भगवान दास, पवन कुमार, मनोहर लाल और जनक राज का कहना है कि खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच तोरी और सरसों की खेती आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण हो गई है। सरसों के बीज से तेल प्राप्त होता है, जबकि इसकी खली पशुओं के चारे के रूप में उपयोगी होती है।

उमर कैबिनेट विस्तार से नेशनल कॉन्फ्रेंस में असंतोष, डैमेज कंट्रोल में जुटे फारूक



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर असंतोष सामने आने लगा है। मंगलवार को चार नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद मंत्री पद की उम्मीद लगाए बैठे कई वरिष्ठ विधायक मायूस हो गए। नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करने की बात कही, लेकिन उनके समर्थकों की नाराजगी पार्टी मुख्यालय में नारेबाजी के रूप में सामने आई। हालात संभालने के लिए पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को हस्तक्षेप करना पड़ा। सात बार विधायक रह चुके मुबारक गुल को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने से सबसे अधिक निराशा हुई। फारूक अब्दुल्ला ने उनसे बातचीत कर उन्हें पार्टी का महासचिव नियुक्त किया। इसे नाराज वरिष्ठ नेता को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर संतुष्ट करने की कोशिश माना जा रहा है। हालांकि, गुल ने अभी तक इस पद को स्वीकार नहीं किया है। 16 अक्टूबर 2024 को सत्ता संभालने वाले उमर अब्दुल्ला के लिए मंत्रिमंडल विस्तार केवल नए मंत्रियों को शामिल करने तक सीमित नहीं था। उनके सामने वरिष्ठ नेताओं की अपेक्षाओं को पूरा करने, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का संतुलन बनाए रखने और सरकार को समर्थन दे रहे विधायकों को साथ लेकर चलने की चुनौती भी थी। मंत्री पद की दौड़ में बशीर अहमद वीरी, अब्दुल मजीद लारमी, हसनैन मसूदी, हिलाल अकबर लोन, नजीर गुरेजी, फारूक शाह, जावेद मिर्चल और मुबारक गुल समेत कई वरिष्ठ नेताओं के नाम चर्चा में थे। निर्दलीय विधायक एजाज जान और अर्जुन सिंह राजू को भी मंत्रिमंडल में जगह मिलने की उम्मीद थी। उमर ने पहली बार विधायक बने किसी नेता को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया और अनुभवी चेहरों पर भरोसा जताया।

मुबारक गुल की नाराजगी उजागर, असंतुष्ट नेताओं को मनाने में जुटे फारूक

जल शक्ति विभाग के 21 जूनियर असिस्टेंट के नियमितीकरण पर फिलहाल रोक



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर संभाग में जल शक्ति विभाग के इंचार्ज जूनियर असिस्टेंट के रूप में कार्यरत 21 कर्मचारियों को नियमित करने का मामला फिलहाल खारिज कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित पदोन्नति कोटे में रिक्त पद उपलब्ध नहीं होने के कारण मौजूदा भर्ती नियमों के तहत इन कर्मचारियों के नियमितीकरण का आधार नहीं बनता है। इस संबंध में विभाग ने भर्ती नियमों, कैडर की स्थिति, पदोन्नति कोटे और केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के निर्देशों पर विचार करने के बाद निर्णय लिया है। ये 21 कर्मचारी पहले विभाग में अर्दली के पदों पर कार्यरत थे। इनमें से 12 कर्मचारियों को 16 मई 2023 के आदेश के तहत इंचार्ज जूनियर असिस्टेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जबकि नौ कर्मचारियों को 31 जुलाई 2025 के आदेश से यह जिम्मेदारी मिली। सभी कर्मचारियों ने 28 दिसंबर 2022 को आयोजित टाइपराइटिंग परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इसके बावजूद निर्धारित पदोन्नति कोटे में रिक्तियां उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें नियमित करने का रास्ता फिलहाल बंद हो गया है। विभाग में जूनियर असिस्टेंट के कुल 200 पद स्वीकृत हैं। भर्ती नियमों के अनुसार, इनमें से 75 प्रतिशत यानी 150 पद सीधी भर्ती और 25 प्रतिशत यानी 50 पद पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने निर्धारित हैं। पदोन्नति के लिए संबंधित श्रेणी में पात्रता, आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, निर्धारित सेवा अवधि और टाइपिंग में न्यूनतम 30 शब्द प्रति मिनट की गति अनिवार्य है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी 2023 को पदोन्नति कोटे के मुकाबले 96 कर्मचारी कार्यरत थे, जबकि इस कोटे के तहत केवल 50 पद निर्धारित हैं।

हिमाचल की

सांस्कृतिक आत्मा, त्योहारों की विरासत और विकेन्द्रित पर्यटन

ठाकुर दीक्षित धलारिया

हिमाचल प्रदेश त्योहारों व नृत्यों की विशेष भूमि है, पर्यटन विकास की संभावनाओं की दृष्टि से विचार करें तो महत्वपूर्ण पहलू ध्यान देने योग्य है कि हिमाचल की अपनी विलक्षण संस्कृति है, जिसके बारे में जानने के लिए लोग लालायित रहते हैं, चाहे वो देव संस्कृति हो, हिमाचली धाम सहित अनेक अनोखे व्यंजन हो,नाटी हो,टोपी हो यहां की वेशभूषा हो या प्रसिद्ध देवी-देवताओं के मंदिर व यहां मनाएं जाने वाले प्रसिद्ध मेले एवं त्योहार।

हिमाचल प्रदेश के अधिकांश मेले और त्योहार जीवन का उत्सव हैं इनका धार्मिक या कृषि से जुड़ाव है। हर त्योहार की अपनी एक अलग पहचान है। हिमाचल प्रदेश में लगभग दो हजार देवी-देवताओं की पूजा की जाती है और उनके सम्मान में कई मेले और त्योहार आयोजित किए जाते हैं। ऋतुओं से लेकर खेलों तक, धर्म से लेकर संस्कृति तक, यहां जीवन के प्रत्येक रंग आनंदमयी रूप में विद्यमान है। हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मंडी, कुल्लू दशहरा,मिंजर मेला, लवी मेला और विंटर कार्निवाल ऐसे कुछ प्रमुख आयोजन हैं ,जिनकी लोकप्रियता देश-विदेशों तक है, इनके बारे में और अधिक प्रचार-प्रसार कर हम पर्यटकों को सांस्कृतिक पर्यटन की दृष्टि से आमंत्रित कर सकते हैं।

प्रदेश में पर्यटन के नाम पर हो-हल्ला, दारूबाजी, स्टंट, फूहड़ता से संबंधित गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई कर सांस्कृतिक पर्यटन की ओर बढ़ावा दिया जा सकता है।

आंग्ल नव वर्ष व क्रिसमस के अवसर पर शिमला, कसौली, मनाली डलहौजी व धर्मशाला जैसे शहर पर्यटकों की आमद से अक्सर गुलजार रहते हैं। इन मौकों पर पर्यटकों को लुभाने के लिए सांस्कृतिक स्पर्शता की आवश्यकता है। किन्नौर-लाहौल व स्पीति जिलों में सांस्कृतिक विलक्षणता विद्यमान है, किन्नौर में रूलाणे जैसे त्योहार सोशल मीडिया पर वायरल रहते हैं,भावा वैली, जसपा, चितकुल, शिपकी लॉ जैसे क्षेत्रों में पर्यटन की गहरी अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन का अधिकांश भार आज भी शिमला, मनाली, धर्मशाला और डलहौजी जैसे उन स्थलों पर है, जो अंग्रेजी शासन काल से ही प्रसिद्ध रहे हैं। इससे एक ओर इन क्षेत्रों पर पर्यावरणीय और बुनियादी ढांचे का अत्यधिक दबाव बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के अनेक ऐसे क्षेत्र पर्यटन की मुख्यधारा से बाहर रह गए हैं, जहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसे में समय की मांग है कि हिमाचल में पर्यटन को विकेन्द्रित करते हुए अनछुए और कम चर्चित क्षेत्रों को स्पर्शता प्रदान की जाए।



कालका-शिमला विश्व धरोहर रेलवे लाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार, कांगड़ा घाटी टॉय ट्रेन का सुचारु संचालन तथा कुल्लू के बंजार क्षेत्र में जिभी और शांघड़ जैसे शांत और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थलों को लोकप्रिय बनाया जा सकता है। मंडी जिले का सराज क्षेत्र, पराशर झील, जंजैहली, करसोग और कमलाह गढ़ किला-धर्मपुर जैसे स्थल भी पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान पाने के योग्य हैं। इन क्षेत्रों में सड़क, पार्किंग और सार्वजनिक परिवहन की बेहतर व्यवस्था से पर्यटकों की संख्या में संतुलित वृद्धि संभव है। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल अत्यंत समृद्ध है। ज्वालाजी, बज्रेश्वरी, चामुंडा देवी, नयना देवी,



एआई निर्मित चित्र।

छिन्नमस्तिका, बैजनाथ शिवधाम, मणिकरण और पांवटा साहिब जैसे तीर्थस्थलों को रेल व सड़क नेटवर्क से जोड़कर धार्मिक पर्यटन को सशक्त किया जा सकता है। साथ ही गोबिंद सागर और पौंग झील में जल क्रीड़ाओं, तथा स्पीति, सोलंग और रोहतांग में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

अकादमिक, विरासत और सिनेमा पर्यटन भी हिमाचल के लिए नई संभावनाएं खोलते हैं। हालांकि, इन सभी प्रयासों के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति और पहाड़ी पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभावों का संतुलित मूल्यांकन आवश्यक है। विवेकपूर्ण और सतत विकास ही हिमाचल पर्यटन को स्थायी पहचान दिला सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लिव-इन संबंधों को लेकर युवाओं की सोच और सामाजिक दृष्टिकोण

भारत सांस्कृतिक मूल्यों और रीति-रिवाजों का देश है। आज भी भारत कृषि प्रधान देशों की श्रेणी में आता है। यहां की लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है, जहां पर नितांत शिक्षा का अभाव है, परंतु संचार माध्यमों से एवं यहां की विकसित होती अर्थव्यवस्था व वैश्वीकरण ने लोगों को अधिकाधिक जागरूक किया है। अत्यंत खेद का विषय है की भारत लिव-इन रिलेशनशिप की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लिव-इन रिलेशनशिप एक जोड़े द्वारा शादी किए बिना साथ रहने के निर्णय की अभिव्यक्ति है। युवा वर्ग द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप को अब शादी के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा है, लेकिन आज भी समाज इसे गंभीरता से नहीं लेता है। आजकल युवा पीढ़ी अधिक भौतिकवादी हो गई है। लिव इन में रहने वाले भागीदारों के बीच नैतिक मूल्य एवं भावनात्मक संबंधों में कई गुना गिरावट आई है।

कोई भी साथी दूसरे साथी की जिम्मेदारी उठाने और जीवनभर उसके प्रति प्रतिबद्ध होने को तैयार नहीं होता है। किशोरावस्था में अनेक जोड़े यह मान लेते हैं कि लिव-इन संबंध उन्हें अधिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और भावनात्मक निकटता प्रदान करेंगे। कहीं न कहीं उन्हें यह विश्वास होता है कि लगातार साथ रहने से रिश्ता और मजबूत होगा, लेकिन वैज्ञानिक शोधों के वास्तविक निष्कर्ष इस धारणा को सही नहीं ठहराते। कम उम्र में बना दांपत्य जीवन का निर्वहन चाहे उसका स्वरूप लिव-इन रिलेशनशिप ही क्यों न हो अक्सर सुरक्षा का भ्रम पैदा करता है, जबकि भीतर ही भीतर यह भावनात्मक अस्थिरता, मानसिक दबाव और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभावों को जन्म दे सकता है।

किशोरावस्था में लिव-इन रिलेशनशिप के मामले निर्विवादित रूप से व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हुए हैं, परंतु प्राप्त अधिकार सदैव हितकर हो यह आवश्यक नहीं। न्यायालय का दरवाजा खटखटाना और अपने अधिकारों की बात करना एक अलग मुद्दा है, परंतु वास्तविकता के धरातल पर किशोरावस्था चुनौतियों से भरी हुई है। ध्यान देने योग्य तथ्य है यह कि



एआई निर्मित चित्र।



डॉ. अंकिता चौधरी

विवाहित जीवन सदैव से ही परिपक्वता, संयम, दायित्व निर्वहन और आर्थिक सुदृढ़ता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है और इसमें से किसी एक का भी अभाव विवाहित जीवन के मार्ग को कठिन कर देता है।

किशोरावस्था में परिपक्वता और आर्थिक सुदृढ़ता दूर की कौड़ी है। इस बात को युवा पीढ़ी जितनी जल्दी समझ ले बेहतर होगा। किशोर संबंधों में अनुभव होने वाली निकटता और हम एक-दूसरे को पूरी तरह समझते हैं, वाली धारणा अक्सर सतही होती है। अध्ययन में यह पाया गया कि वही संबंध जिनमें किशोर सुरक्षित महसूस करते हैं, वास्तव में अविश्वास, गलतफहमियों और भावनात्मक निर्भरता से भरे रहते हैं। सुरक्षित महसूस करना और वास्तव में सुरक्षित होना दोनों अलग बातें हैं।

भारत ऐसा देश नहीं है जहां राज्य बेरोजगारों और अशिक्षितों को कोई भत्ता देता हो। इसलिए, यदि आप अपने माता-पिता पर निर्भर नहीं हैं, तो आपको अपनी और अपने साथी की आजीविका स्वयं अर्जित करनी होगी और इससे स्वाभाविक रूप से स्कूल या कॉलेज जाने की संभावना समाप्त हो जाएगी। यदि आप अपनी इच्छा से कम उम्र में ही जीवन के इस संघर्ष में उतर जाते हैं, तो न केवल जीवन के अन्य अवसरों का आनंद लेने की आपकी संभावनाएं बुरी तरह प्रभावित होती हैं, बल्कि समाज में आपकी स्वीकृति भी कम हो जाती है। हालांकि, भारत में इसे सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) के तहत वैध माना है

किशोरावस्था में गर्भधारण केवल युवा माता और पिता के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसके गंभीर सामाजिक और आर्थिक परिणाम पूरे समाज पर पड़ते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

महापुरुषों के विचारों में छिपा समानता और सद्भाव का संदेश

संपूर्ण विश्व को 'वसुधैव कुटुंबकम्' का दिव्यता से परिपूर्ण संदेश देने वाले राष्ट्र और समाज में यदि जातीय आधार पर विभाजन और नियमों की व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हो तो यह निस्संदेह बेहद चिंताजनक और चिंतन का विषय है जो हमारी भावी पीढ़ी को एक ऐसी दिशा में ले जाएगी,जो संवाद और सद्भाव से नहीं, बल्कि विवाद और विरोधाभास पर आधारित होगी।

राष्ट्र में जातिगत नहीं, सौहार्द और सद्भाव की आवश्यकता



एआई निर्मित चित्र।

स्वतंत्रता प्राप्ति के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर राष्ट्र में अभी भी ये हालात और नजरिया है तो निस्संदेह मानसिकता और प्रतिबद्धता में कुछ कमी है। भारत विविधताओं का देश है-भाषा, संस्कृति, परंपरा, वेशभूषा और जीवनशैली में अनेक रंग दिखाई देते हैं, किंतु इन विविधताओं के बीच एकता ही इस राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति रही है। दुर्भाग्य से समय-समय पर जाति आधारित भेदभाव ने समाज को कमजोर करने का प्रयास किया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ें और समाज में सौहार्द, सद्भाव तथा समानता की भावना को मजबूत करें।

भारत के महान पुरुषों ने सदैव मानवता को जाति से ऊपर रखा। महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूं, जहां ऊंच-नीच का कोई भेद न हो और हर व्यक्ति को समान सम्मान मिले।' उन्होंने हरिजन सेवा के माध्यम से समाज में समानता और आत्मसम्मान की भावना जगाने का प्रयास किया। उनका मानना था कि समाज तभी आगे बढ़ सकता है जब सबसे कमजोर व्यक्ति को भी बराबरी का अवसर मिले।

इसी प्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए। उनका स्पष्ट संदेश था कि सामाजिक समानता के बिना लोकतंत्र अधूरा है। उन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा साधन बताया और कहा, 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।' यह संदेश आज भी युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागृत करते हुए कहा था, 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको।' उनका मानना था कि हर मनुष्य के भीतर दिव्यता है और किसी को भी जन्म के आधार पर छोटा या बड़ा नहीं समझा जाना चाहिए। उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, सेवा और राष्ट्रप्रेम की ओर प्रेरित करते हैं।

जाति आधारित भेदभाव केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि विकास की गति को भी धीमा करता है। जब समाज का एक वर्ग पीछे रह जाता है, तो पूरे राष्ट्र की प्रगति प्रभावित होती है। इसलिए आवश्यक है कि हर नागरिक को शिक्षा, रोजगार और सम्मान के समान अवसर मिलें।



विक्रम वर्मा

समाज में समानता और भाईचारे का वातावरण ही सच्चे विकास की नींव है।

आज की युवा पीढ़ी इस परिवर्तन की सबसे बड़ी आशा है। आज की युवा पीढ़ी किसी भी शर्त पर इस विभेद को स्वीकार नहीं करती। वह जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर नई सोच को अपनाने में सक्षम हैं। सोशल मीडिया, शिक्षा और जागरूकता के कारण नई पीढ़ी समानता और मानवता को अधिक महत्व दे रही है। यदि युवाओं को सही दिशा और प्रेरणा मिले तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। युवाओं को चाहिए कि वे मित्रता, सहयोग और परस्पर सम्मान की भावना को बढ़ावा दें। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल और सामूहिक गतिविधियां युवाओं को जाति से परे एक-दूसरे को समझने का अवसर देती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विकसित भारत 2047 के संकल्प में पत्रकारिता के 'पंच प्रण'

भारत की आजादी के 75वें वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की घोषणा की। 2022 से 2047 तक का यह काल भारत के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी अवधि में देश स्वतंत्रता की शताब्दी मनाते हुए पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करेगा।



एआई निर्मित चित्र।

इस यात्रा की नींव हैं-पंच प्रण, यानी पांच संकल्प: विकसित भारत का संकल्प, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, और नागरिक कर्तव्य का पालन। ये केवल सरकारी नीति तक सीमित नहीं, बल्कि हर क्षेत्र और विशेषकर पत्रकारिता के लिए दिशा-निर्देश हैं। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह समाज का दर्पण और परिवर्तन का माध्यम है। आज मीडिया विश्वसनीयता संकट, फेक न्यूज, सूचना की अधिकता, सनसनीखेजता और स्वतंत्रता पर दबाव जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में पंच प्रण पत्रकारिता को पुनर्निर्माण और जिम्मेदार भूमिका निभाने का अवसर देते हैं। पहला प्रण-विकसित भारत का संकल्प : 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर, समावेशी और वैश्विक नेतृत्व वाला राष्ट्र बनाना है। पत्रकारिता को विकासोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सॉल्यूशन जर्नलिज्म के जरिए न केवल समस्याओं को दिखाना, बल्कि उनके समाधान और सफल मॉडल भी प्रस्तुत करना आवश्यक है।



डॉ. अवधेश कुमार

इससे जनता में विकास की भावना जागेगी।

दूसरा प्रण-गुलामी की मानसिकता से मुक्ति : विदेशी मॉडल को सर्वोत्तम मानना और स्वदेशी उपलब्धियों को कमतर आंकना हमारी सोच पर आज भी असर डालता है। पत्रकारिता को आत्मविश्वासी और स्वतंत्र होना होगा। भारत की उपलब्धियों पर गर्व के साथ रिपोर्टिंग करना और विदेशी मीडिया के भारत-विरोधी नैरेटिव को तथ्यों से चुनौती देना इस प्रण की पूर्ति करेगा।

तीसरा प्रण-अपनी विरासत पर गर्व : योग, आयुर्वेद, कला, दर्शन और ऐतिहासिक धरोहर हमारी पहचान हैं। पत्रकारिता को पश्चिमी जीवनशैली पर जोर देने के बजाय भारतीय संस्कृति, त्योहार, लोककथाएं और ऐतिहासिक स्थलों की सकारात्मक कहानी पेश करनी होगी। इससे नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ेगी।

चौथा प्रण—एकता और एकजुटता : भारत की विविधता उसकी ताकत है, लेकिन विभाजनकारी खबरें और अफवाहें समाज को कमजोर कर सकती हैं। पत्रकारिता को समावेशी और संवेदनशील बनना होगा। हाशिए के समुदायों की आवाज को मुख्यधारा में लाना, तथ्य-जांच को मजबूत करना और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देना आवश्यक है। पांचवां प्रण-नागरिक कर्तव्य का पालन : पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य, निष्पक्षता और जवाबदेही है। पेड न्यूज, पक्षपात और सनसनीखेजता इस कर्तव्य को चुनौती देती हैं। स्व-नियमन, नैतिकता और पारदर्शिता अपनाकर मीडिया अपनी जिम्मेदारी निभा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

साहित्य

मेले

हरिराम धीमान, नालागढ़
मोबाइल

लोगों के दिलों
को मिलाते हैं मेले
संस्कृति को समृद्ध
बनाते हैं मेले।
संस्कृति व समाज का
दर्पण होते हैं ये मेले
सदियों से इस बोझ
को ढो रहे हैं ये मेले।
गौरवमई अतीत की
याद दिलाते हैं मेले
संस्कृति को
समृद्ध बनाते हैं मेले।
एक स्वर पांव उठते,
एक स्वर गान होते
गीत गुंजित स्वरों से
जाग उठते लोग सोते।
नित्य नई सुबह का आभास देते हैं मेले
संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं मेले।
धर्म में नित्य प्रति घट रही है आस्था
क्लब प्रधान फिल्म प्रधान हो रही है व्यवस्था।
बहाने से तीर्थाटन कर आते हैं मेले,
संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं मेले।
लोगों के दिलों को मिलाते हैं मेले
संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं मेले।

संपादकीय

बदलेगा आमजन का जीवन

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने फरवरी 2006 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर कहा था कि समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार विज्ञान है। लगभग दो दशक बाद उनके विचार भारत की विकास यात्रा में प्रासंगिक दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक महत्व केवल नई खोजों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे आम नागरिक के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव, समस्याओं के समाधान और रोजगार के नए अवसरों से भी जुड़ा है।

भारत का विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास, आधुनिक सड़कों और बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है। इसमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, मजबूत औद्योगिक व्यवस्था, युवाओं के लिए रोजगार और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल है। इन लक्ष्यों को हासिल करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका निर्णायक है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का आयोजन महत्वपूर्ण है। सम्मेलन का दूसरा संस्करण वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को आगे बढ़ाते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

आज भारत के सामने कई महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान किसानों की उत्पादकता कैसे बढ़ा सकता है? स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने में नई तकनीक किस तरह योगदान दे सकती है? भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए आयात पर निर्भरता कैसे घटा सकते हैं? युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर कैसे विकसित किए जा सकते हैं? इन चुनौतियों का समाधान केवल प्रयोगशालाओं या किसी एक संस्थान के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए विज्ञानियों, शोधकर्ताओं, उद्योग जगत, उद्यमियों और नीति-निर्माताओं के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है। अनुसंधान को वास्तविक जरूरतों से जोड़ना और नई तकनीकों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना समय की मांग है।

ईएसटीआईसी 2026 में उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान, समुद्री प्रौद्योगिकी, क्वांटम संचार, सेमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है। ये क्षेत्र भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ आर्थिक विकास को भी नई दिशा दे सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति से देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ सकती है। जैव प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य सेवाओं और औद्योगिक उत्पादन में नए अवसर पैदा कर सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स विनिर्माण प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। वहीं, कृषि और ऊर्जा क्षेत्र में वैज्ञानिक नवाचार उत्पादन बढ़ाने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और टिकाऊ विकास को गति देने में सहायक हो सकते हैं।

हालांकि, इन संभावनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीकें आम लोगों तक पहुंचेंगी। भारत की वैज्ञानिक प्रगति में युवाओं की भागीदारी भी बेहद महत्वपूर्ण है। देश के युवा शोधकर्ताओं के पास नए विचार और समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण है। उन्हें अपने अनुसंधान को प्रस्तुत करने, अनुभवी विज्ञानियों से मार्गदर्शन प्राप्त करने और उद्योग जगत के साथ जुड़ने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। ईएसटीआईसी का 'नेक्स्ट-जेन डिस्कवरी एक्सपो' देश की अनुसंधान क्षमताओं और उभरते गहन प्रौद्योगिकी तंत्र को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है। वहीं, 'इनोवेशन एक्सचेंज हब' नई तकनीकों और संभावित साझेदारियों पर संवाद को प्रोत्साहित करता है।

वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्यमिता के बीच सहयोग को मजबूत करना भी आवश्यक है। अनुसंधान संस्थानों के पास वैज्ञानिक ज्ञान और विशेषज्ञता होती है, स्टार्टअप नए विचारों को व्यावसायिक रूप देने की क्षमता रखते हैं, जबकि उद्योग जगत उत्पादन और बाजार की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझता है। निवेशक इन प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराते हैं। इन सभी पक्षों के बीच प्रभावी साझेदारी स्थापित होने से नई खोजों को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में बदलना आसान हो सकता है। इससे स्वदेशी तकनीकों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा, उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान में निवेश बढ़ाने के साथ उसकी गुणवत्ता, उपयोगिता और पहुंच पर भी ध्यान देना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाना, किसानों को वैज्ञानिक समाधानों से जोड़ना, स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देना और युवाओं को अनुसंधान के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। साथ ही, नई तकनीकों के विकास में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक आवश्यकताओं और आम नागरिक के हितों को प्राथमिकता देना भी जरूरी है।

- शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

कन्नड़ सिनेमा में बनाई पहचान

शर्मिला मांद्रे भारतीय अभिनेत्री और फिल्म निर्माता हैं, जो मुख्य रूप से कन्नड़ सिनेमा में काम करती हैं। उनका जन्म 28 अक्टूबर 1987 को कर्नाटक के बेंगलुरु में हुआ था। उनका परिवार लंबे समय से फिल्म और मनोरंजन जगत से जुड़ा रहा है। उनके पिता दयानंद मांद्रे व्यवसायी हैं और कार रेसिंग में भी रुचि रखते हैं। उनके दादा रमानंद नारायणराव मांद्रे फिल्म निर्माता एवं वितरक थे। उन्होंने बेंगलुरु में संगम टॉकीज की स्थापना की थी। उनकी बुआ सुनंदा मुरली मनोहर भी फिल्म निर्माता रही हैं। शर्मिला ने अपनी स्कूली शिक्षा बेंगलुरु के सोफिया हाई स्कूल से पूरी की। पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण उन्हें बचपन से ही फिल्म जगत के बारे में जानने और अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला।



शर्मिला मांद्रे
जन्म : 28 अक्टूबर 1987

शर्मिला मांद्रे ने वर्ष 2007 में कन्नड़ फिल्म सजनी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्होंने ध्यन के साथ कॉलेज की छात्रा की भूमिका निभाई। उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद गणेश के साथ आई फिल्म कृष्णा ने उन्हें व्यावसायिक सफलता दिलाई और कन्नड़ सिनेमा में उनकी पहचान मजबूत की। वर्ष 2008 में वह नवग्रह और मस्त मजा माड़ी जैसी फिल्मों में नजर आईं। वर्ष 2009 में उन्होंने शिवमणि और वेंकट इन संकट में अभिनय किया। इसके बाद स्वयंवर, करी चिरथे और धन धना धन जैसी फिल्मों के माध्यम से उन्होंने अपने अभिनय का दायरा बढ़ाया।

कन्नड़ फिल्मों में पहचान बनाने के बाद शर्मिला ने अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं के सिनेमा में भी कदम रखा। वर्ष 2012 में उन्होंने तमिल फिल्म मिरट्टल से तमिल सिनेमा में पदार्पण किया। इसके अगले वर्ष तेलुगु फिल्म केव्वु केका में अभिनय कर उन्होंने तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत की। इस फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन मिला। वर्ष 2015 में प्रदर्शित फिल्म मुमताज भी उनके करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शामिल रही।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

मिलेट्स उत्सव में एफपीओ उत्पादों की धूम लोगों ने जमकर की खरीदारी

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय हमीरपुर में आयोजित मिलेट्स उत्सव में एफपीओ धर्मपुर के उत्पादों की खूब सराहना हुई। बिक्री की मांग इतनी अधिक रही कि कोदरे के लड्डू, चाय, आटा, पपीते के पेड़े, शुगर कंट्रोल आटा, अचार और हल्दी पाउडर सहित सभी उत्पाद दोपहर के भोजन तक बिक गए। एफपीओ ने तीन नवंबर को उत्सव के अंतिम दिन दोबारा उत्पादों की बिक्री करने का निर्णय लिया है। उत्सव में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी, पद्मश्री खादर वली और मिलेट्स मैन ऑफ हिमाचल नेकराम शर्मा ने भाग लिया। नेकराम शर्मा ने पारंपरिक बीजों के संरक्षण और खेती बढ़ाने पर जोर दिया। खादर वली ने मिलेट्स के सेवन को प्रोत्साहित किया। मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार मोटे अनाज, हल्दी उत्पादन और जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। एफपीओ सचिव भूपेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव शर्मा से धर्मपुर के गांवों को मिलेट्स उत्पादन के लिए सहयोग देने का आग्रह किया।

देव ब्राडता स्कूल के चार खिलाड़ियों ने कराटे में जीते पदक, तीन का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देव ब्राडता, मंडी के खिलाड़ियों ने सत्र 2026-27 की राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इनमें तीन खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। अंडर-19 छात्रा वर्ग में दसवीं कक्षा की सानवी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंडर-17 छात्रा वर्ग में जमा एक की अलंकृति डोगरा ने स्वर्ण पदक हासिल किया। दोनों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। मंडी में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित अंडर-19 छात्र वर्ग में चंदन कुमार ने स्वर्ण और मनीष कुमार ने रजत पदक जीता। चंदन भी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रधानाचार्य महेश कुमार ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई दी।

रिवालसर स्कूल में दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा दिखी, हस्तनिर्मित उत्पादों ने मोहा मन

योगराज शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रिवालसर। त्रिसंगम पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिवालसर में दीपावली के उपलक्ष्य में साकार स्पेशल स्कूल सुंदरनगर की ओर से हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार घरेलू और सजावटी वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक खरीदारी कर बच्चों का हौसला बढ़ाया। विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबंधक बीडी शर्मा ने साकार स्पेशल स्कूल की प्रभारी पवना कुमारी, स्टाफ, संस्थापक महेश शर्मा और सचिव सुनील कुमार वालिया का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर दिव्यांग बच्चे भी अपनी प्रतिभा से नई उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सहयोग, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

जिला में 26 से 31 अक्तूबर तक चलाया जा रहा सुरक्षित बचपन अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला बिलासपुर में 26 से 31 अक्टूबर तक सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जकातखाना, चांदपुर और डंगार में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रतीक गुप्ता ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और बाल शोषण की रोकथाम के प्रति जागरूक करना है। शिविरों में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, ऑनलाइन अपराधों से बचाव, बाल विवाह की रोकथाम और कानूनी सहायता की जानकारी दी जाएगी। बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नालसा हेल्पलाइन 15100 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी बताया जाएगा।

बिलासपुर में रास्ता रोककर मारपीट और जान से मारने की धमकी, दो मुकदमे दर्ज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के पुलिस थाना भराड़ी और तलाई में रास्ता रोककर मारपीट, गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी देने के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में घुमारवीं तहसील के सलाओं निवासी सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने सलाओं चौक पर बोलेरो कैंपर सड़क के बीच खड़ी कर उनका रास्ता रोका। इसके बाद गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। दूसरे मामले में झंडूता तहसील के सलवाड़ निवासी जयदेई ने धन्नड़ निवासी एक व्यक्ति और उसके साथियों पर रास्ता रोकने, गाली-गलौच, धक्का-मुक्की और धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

राजकीय आदर्श विद्यालय संसाल में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

भारतेन्दु संवाददाता, संसाल। राजकीय आदर्श विद्यालय संसाल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। समारोह में संसाल के बीडीसी सदस्य राज कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रधानाचार्य मनोज उपाध्याय के साथ स्वयंसेवियों को अनुशासन, सामूहिक भावना और सेवाभाव से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी विनय आचार्य और पल्लवी जोशी ने बताया कि शिविर के दौरान विद्यालय परिसर और गोद लिए गांव मंत्रूह में स्वच्छता अभियान चलाया गया। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। स्वयंसेवी कशिश ने शिविर के अनुभव साझा किए। समारोह में उपप्रधान शेर सिंह, एसएमसी प्रधान कृष्णा देवी और विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत स्कूली विद्यार्थियों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के निर्देशानुसार बच्चों के अधिकारों की रक्षा और बाल यौन शोषण की रोकथाम के लिए सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), कांगड़ा ने वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बगली, मंदल और खनियारा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। डीएलएसए कांगड़ा के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि अभियान 27 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, 2012, बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, ऑनलाइन सुरक्षा और बाल शोषण की रोकथाम की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित-असुरक्षित व्यवहार की पहचान करने, दुर्व्यवहार की स्थिति में बिना डर सहायता मांगने और उपलब्ध कानूनी सहायता एवं बाल संरक्षण सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगें खडगे नहीं तो करेंगे कानूनी कार्रवाई: विश्व चक्षु

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा हिमाचल प्रदेश के मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने खरगे से प्रधानमंत्री और उनके परिवार के प्रति की गई टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग की। चक्षु ने चेतावनी दी कि माफी नहीं मांगने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी के दिवंगत पिता और परिवार को निशाना बनाना भारतीय संस्कृति, सामाजिक मर्यादाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपना जीवन राष्ट्रसेवा और देश के विकास के लिए समर्पित किया है। उनके परिवार के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस की संकीर्ण सोच और हताशा दर्शाता है। चक्षु ने कहा कि राजनीति में विचारों और नीतियों का विरोध होना चाहिए, व्यक्तिगत अपमान नहीं। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से सार्वजनिक जीवन में शालीनता बनाए रखने और कथित टिप्पणी पर स्थिति स्पष्ट कर माफी मांगने की मांग की।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पिछले 40 वर्षों में सबसे अधिक सुधार हो रहा है: मुख्यमंत्री

नए अकादमिक ब्लॉक से मेडिकल छात्रों को मिलेंगी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर के नए अकादमिक ब्लॉक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार कर रही है। सरकार का लक्ष्य हिमाचल प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी बनाना है, ताकि आने वाले दस वर्षों में देश के अन्य राज्यों से भी लोग उपचार के लिए यहां आएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में एमआरआई, 3 टेस्ला एमआरआई सहित अत्याधुनिक उपकरण स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश के चार चिकित्सा महाविद्यालयों में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की गई है। इसके अलावा, प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में लगभग



हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में नए अकादमिक ब्लॉक का शुभारंभ।

30 करोड़ रुपये की लागत से ऑटोमेटेड लैब स्थापित की जा रही हैं। इससे मरीजों को घर के नजदीक बेहतर उपचार सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। सरकार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने वाले चिकित्सकों के बॉन्ड संबंधी प्रावधानों में छूट देने पर विचार कर रही है। बीएससी नर्सिंग और रेडियोग्राफर प्रशिक्षण की सीटों में भी वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से आधुनिक तकनीक के साथ संवेदनशील और मरीज-केंद्रित व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीएमसी शिमला और टांडा के बाद अब हमीरपुर और नेरचैक चिकित्सा महाविद्यालयों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर ध्यान दिया जा रहा है।

एमबीबीएस विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने के लिए 60-60 के बैच में पढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि हमीरपुर में देश का पहला एलाइड एंड हेल्थकेयर कॉलेज शुरू किया गया है। इस वर्ष चार पाठ्यक्रम शुरू हुए हैं, जबकि अगले वर्ष चार और पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। कार्यक्रम में विधायक सुरेश कुमार, सुनील शर्मा बिट्टू, डॉ. मोहन लाल, राम चंद्र पठानिया, कुलदीप सिंह पठानिया, अजय शर्मा, नरेश ठाकुर, संजय भारद्वाज, सुमन भारती, पुष्पेंद्र वर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भंद्रेला में 25 करोड़ से बनेगा परमार्थ इको विलेज: केवल सिंह पठानिया

◆ शाहपुर में 8.50 करोड़ के ग्रामीण विकास कार्य प्रगति पर

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने भरूपलाहड़ में 46 लाख रुपये की लागत से निर्मित पंचायत भवन की पहली मंजिल का लोकार्पण किया। पंचायत भवन पर कुल 1.14 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण विकास विभाग के तहत करीब 8.50 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। पठानिया ने कहा कि भंद्रेला में गुरु श्री चिदानंद सरस्वती के सानिध्य में 25 करोड़ रुपये की लागत से परमार्थ इको विलेज का निर्माण किया जा रहा है।

इसमें वैदिक परंपराओं, जैविक खेती और गरीब बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विलेज में 31 अक्टूबर को राज्यपाल का आगमन प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि लंज में 3.39 करोड़ रुपये से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण जारी है। लंज स्वास्थ्य संस्थान में अल्ट्रासाउंड मशीन पहुंच गई है, जिसे जल्द शुरू किया जाएगा। राजकीय प्राथमिक स्कूल मनेई की मरम्मत के लिए सात लाख रुपये जारी किए गए हैं। इससे पहले विधायक ने अप्पर लंज



पंचायत के कौड़ियां में निजी बस सेवा को हरी झंडी दिखाई। इससे हारचक्कियां, सलाड़ी, कौड़ियां, कल्लर, घाड़, अंबी, संध और हार सहित आसपास के गांवों को परिवहन सुविधा मिलेगी।

उन्होंने स्कूल भवन का निरीक्षण करने, हरिजन बस्ती में पांच लाख रुपये से रास्ता बनाने और सरकारी बस का रूट बढ़ाने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में पंचायत प्रधान रेणु बाला, जिला परिषद सदस्य मीना राणा और विभिन्न विभागों के अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पठानिया ने संबंधित विभागों को विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

प्रधानमंत्री के पिता पर टिप्पणी कांग्रेस की राजनीतिक सोच का प्रमाण: इंद्र सिंह गांधी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के संदर्भ में की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति, संस्कारों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की।

इंद्र सिंह गांधी ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन किसी के दिवंगत परिजनों के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं है। उनके अनुसार, कांग्रेस नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री और उनके परिवार पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करना राजनीतिक मर्यादाओं पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों, विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर बहस करनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप करने चाहिए। उन्होंने खरगे



से प्रधानमंत्री और देश की जनता से माफी मांगने की मांग की।

हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए विधायक ने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास, रोजगार और जनसमस्याओं पर जवाब देने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा विचारधारा, नीतियों और जनहित के आधार पर होनी चाहिए। इंद्र सिंह गांधी ने कांग्रेस नेतृत्व से भाषा की मर्यादा बनाए रखने और अपनी राजनीतिक कार्यशैली में सुधार लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जनता व्यक्तिगत अपमान और नकारात्मक राजनीति स्वीकार नहीं करती। कांग्रेस को विकास, रोजगार और जनहित के मुद्दों पर जवाब देना चाहिए।

धर्मशाला में भाजपा का कांग्रेस पर हमला, 30 अक्तूबर को निकलेगी पदयात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने बताया कि भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ और अराजकता हटाओ' के नारे के साथ प्रदेश के चार स्थानों पर पदयात्राएं निकालेगी। धर्मशाला में 30 अक्तूबर, शिमला में एक नवंबर तथा मंडी और हमीरपुर में चार नवंबर को पदयात्राएं होंगी। इनमें चिकित्सक, इंजीनियर, खिलाड़ी, अधिकारी, पत्रकार और धर्मगुरु भी भाग लेंगे। परमार ने आरोप लगाया कि चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ईवीएम, चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय पर सवाल उठाती है। उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कांग्रेस से पूछा कि उस समय लोकतंत्र खतरे में क्यों नहीं दिखा। उन्होंने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का समर्थन करते हुए मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों वाले मतदाताओं की पहचान को जरूरी बताया।

कुल्लू दशहरा: कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के मेहमानों की विदाई पर भावुक हुए सुंदर ठाकुर

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहने वाले कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के कलाकारों की विदाई का पल भावुक कर गया। दशहरा उत्सव कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने विदेशी कलाकारों को सम्मानित कर उनकी सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं, कलाकारों ने भी सुंदर सिंह ठाकुर को अपने-अपने देशों के उपहार भेंट किए।

सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान से आए कलाकार अब अपने घर लौट रहे हैं, ऐसे में विदाई के क्षण भावुक करने वाले हैं। उत्सव के दौरान कई दिनों तक साथ रहने से उनके बीच पारिवारिक रिश्ता बन गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों के साथ बिताए गए पल हमेशा याद रहेंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा केवल



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि विभिन्न देशों की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को समझने का अवसर भी प्रदान करता है।

विदेशी कलाकारों की भागीदारी से उत्सव की अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत हुई है। ऐसे आयोजनों से आपसी सौहार्द, मित्रता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है। सुंदर सिंह ठाकुर ने भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच पुराने ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन समय में सिल्क रूट के माध्यम से व्यापार और संपर्क के रिश्ते कायम थे। हिंदी सिनेमा के प्रति इन देशों के लोगों का लगाव भी दोनों क्षेत्रों की संस्कृतियों को जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने बताया कि कुल्लू दशहरा समिति भविष्य में कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) की संभावनाओं पर विचार कर रही है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना और आगामी आयोजनों में भी विदेशी कलाकारों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। दशहरा कमेटी अध्यक्ष ने सभी विदेशी कलाकारों और मेहमानों का आभार जताया।

बच्चों को शोषण से बचाने के लिए पुलिस की भूमिका अहम: डॉ मदन कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से मंडी पुलिस के लिए बाल संरक्षण कानूनों पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन कुमार ने की। कार्यशाला में जिले के करीब 50 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य बच्चों की देखभाल और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों तथा उनमें हुए बदलावों की जानकारी देना था।

कार्यशाला में जिला बाल संरक्षण अधिकारी एनआर ठाकुर, अधिवक्ता मुकेश सैनी और प्रोबेशन अधिकारी रमा कुमारी ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। डॉ. मदन कुमार ने कहा कि कानून से जुड़े अधिकारियों के लिए ऐसी कार्यशालाएं जरूरी हैं, ताकि बच्चों के अधिकारों की रक्षा और



उन्हें शोषण से बचाने के लिए कानूनी प्रावधानों की सही जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि पुलिस की निष्पक्ष और संवेदनशील कार्यप्रणाली बच्चों का भविष्य संवारने में अहम भूमिका निभाती है। एनआर ठाकुर ने बाल अधिकारों, किशोर न्याय अधिनियम, बाल शोषण और बाल तस्करी की रोकथाम में पुलिस की भूमिका पर जानकारी दी। उन्होंने लापता बच्चों से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर भी चर्चा की।

अच्छे-बुरे स्पर्श की पहचान और हेल्पलाइन 1098 पर जोर

बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और साइबर सुरक्षा पर बच्चों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार मंगलवार को हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, विकास नगर में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम और कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ थाना प्रभारी निर्मल सिंह, साइबर सेल एवं महिला पुलिस स्टेशन से राज कुमार, बाल कल्याण समिति के सदस्य अश्वनी कुमार, पैनल अधिवक्ता स्नेह लता और सब-इंस्पेक्टर संजीव कुमार भी मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, अच्छे और बुरे स्पर्श की पहचान तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान निजी जानकारी साझा न करने और अनजान लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही, किसी असहज परिस्थिति में चुप रहने के बजाय अभिभावकों, शिक्षकों या किसी विश्वसनीय वयस्क से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के तहत मिलने वाले कानूनी संरक्षण और शिकायत दर्ज करवाने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

ओलंपियन दिव्या शर्मा ने राजाराम युवा क्लब के मेहंदी उत्सव का किया शुभारंभ



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजाराम युवा क्लब की ओर से करवा चौथ के अवसर पर गांधी चौक में आयोजित तीन दिवसीय मेहंदी उत्सव का शुभारंभ ओलंपियन दिव्या शर्मा ने किया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र अत्री विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशाल शर्मा ने की।

नरेंद्र अत्री ने कहा कि क्लब की यह पहल भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसे आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देते हैं।

उन्होंने कहा कि करवा चौथ पर मेहंदी का विशेष महत्व है। उत्सव के माध्यम से महिलाओं को सामान्य शुल्क पर मेहंदी लगवाने की सुविधा मिलेगी, वहीं स्थानीय युवतियों को अपनी कला दिखाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिलेगा। क्लब अध्यक्ष दीक्षित गौतम ने बताया कि उत्सव में करीब 80 प्रशिक्षित युवतियां महिलाओं को मेहंदी लगाएंगी।

प्रकृति हिमाचल में सड़क किनारे नदी-नालों के ऊपर मकान बनाने की होड़, जिम्मेदार कौन?

विकास की अंधी दौड़ में हिमाचल की प्राकृतिक सुंदरता पर मंडराया खतरा

विजय शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऊंचे पहाड़ों, हरे-भरे जंगलों और कल-कल बहती नदियों के लिए पूरे देश प्रदेश में प्रसिद्ध है, लेकिन आज विकास और आधुनिकता की दौड़ में यही खूबसूरत पहाड़ इंसानी लालच और लापरवाही का बोझ उठाने को मजबूर हो गए हैं। प्रदेश में सड़क किनारे, नदी-नालों के ऊपर एवं आसपास कई जगहों पर मकान, दुकानें, होटल व बहुमंजिला इमारतें बनाने की होड़ लगातार बढ़ती ही जा रही है।

सवाल यह है कि जब प्रकृति बार-बार अपने रौद्र रूप की चेतावनी लगातार दे रही है, तो आखिर इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है? वैसे भी हिमाचल में बरसात का मौसम आते ही भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने जैसी अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। नदियां और नाले उफान पर आ जाते हैं, सड़कें टूट जाती हैं और कई बार घरों तथा दुकानों को भारी मात्रा में नुकसान पहुंचता है।

इन घटनाओं के पीछे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, लेकिन मानवीय गतिविधियां भी नुकसान को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। नदी-नालों के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में निर्माण करना, पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से काटना और मलबे को सीधे जलधाराओं में फेंकने के खतरे को कई गुना बढ़ जाते हैं। अब सवाल उठता है कि लोग आखिर नदी-नालों के ऊपर या किनारे ही मकान व दुकानें बनाने के लिए क्यों आकर्षित हो रहे हैं, इसका मुख्य कारण है बढ़ती आबादी एवं सड़कों के आसपास जमीन की बढ़ती कीमतें और व्यावसायिक लाभ। सड़क किनारे दुकान, होटल या मकान बनाने से कारोबार बढ़ने की उम्मीद ज्यादा होती है। कुछ लोग अपनी सुविधा और मुनाफे के लिए प्राकृतिक जलधाराओं की सीमाओं को नजरअंदाज कर देते हैं।

धीरे-धीरे छोटी-छोटी नदियों और नालों के किनारे कंक्रीट का जंगल खड़ा हो जाता है। लेकिन इस स्थिति के लिए केवल आम नागरिकों को दोषी ठहराना भी उचित नहीं होगा। शासन- प्रशासन, संबंधित विभागों और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि किसी क्षेत्र में नदी-नालों के ऊपर अवैध निर्माण हो रहा है, तो सवाल उठता है कि निर्माण की अनुमति किसने दी, यदि अनुमति नहीं दी गई, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई, निर्माण कार्यों की निगरानी करने वाले विभागों की जवाबदेही तय होना बहुत जरूरी है। नियम कायदे कानून केवल कागजों तक ही सीमित रह जाएं और जमीन पर उनका पालन न हो, तो हादसों का खतरा बनना स्वाभाविक ही है।

हादसों के बाद मुआवजा नहीं, आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत

दूसरी ओर, समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। प्रकृति के नियमों को चुनौती देकर सुरक्षित भविष्य की उम्मीद नहीं की जा सकती। नदी और नाले केवल पानी बहने के रास्ते नहीं हैं, बल्कि वे पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता जल निकासी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जब इनके रास्ते संकरे कर दिए जाते हैं या उन पर निर्माण कार्य कर दिया जाता है, तो तेज बारिश के दौरान पानी अपना रास्ता तलाशता है। ऐसे में आसपास के घरों, दुकानों, सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। समस्या का समाधान केवल हादसे के बाद मुआवजा देने या कुछ दिनों तक कार्रवाई करने से नहीं निकलेगा। इसके लिए नदी-नालों के बहाव क्षेत्र का वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जोखिम वाले क्षेत्रों में निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण, अवैध निर्माण के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई और भवन निर्माण नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। साथ ही, लोगों को सुरक्षित निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी जरूरी है।

हिमाचल में सुरक्षित विकास जरूरी, नदी-नालों पर अवैध निर्माण रोकने की जवाबदेही तय हो

हिमाचल की पहचान उसके पहाड़, नदियां और प्राकृतिक सुंदरता हैं, न कि नदी-नालों पर खड़ी इमारतें। विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा विकास किस काम का जो लोगों की जान और पर्यावरण दोनों को ही खतरे में डाल दे। आखिर जिम्मेदार कौन, जो नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य कर रहे हैं, या उन जिम्मेदार अधिकारियों का है जो लापरवाही बरतते हैं और उस व्यवस्था की भी जो समय रहते गलतियों को रोकने में विफल रहती है। अब समय आ गया है कि सरकार, प्रशासन और आम जनता मिलकर इस समस्या का समाधान करें। क्योंकि जब नदी अपना रास्ता वापस मांगती है, तब कंक्रीट की दीवारें तो क्या पहाड़ भी उसका रास्ता नहीं रोक पाते। सवाल केवल मकान बनाने का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य का भी है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी और पीडब्ल्यूडी की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है यदि यह दोनों विभाग समय रहते अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाएं तो किसी की मजाल नहीं की कोई अवैध निर्माण कर सके।

न्यूज ब्रीफ

करनाल में रिटायर्ड क्लर्क की मौत पर बवाल, सड़क पर उतरा परिवार

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल में बीएसएनएल के सेवानिवृत्त क्लर्क रामेश्वर की मौत के बाद परिजनों का आक्रोश भड़क उठा। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग को लेकर परिवार की महिलाएं सड़क पर धरने पर बैठ गईं और कुछ महिलाएं सड़क पर लेट गईं। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से लाठी भी छीन ली। परिजन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। रामेश्वर की हत्या कुल्हाड़ी से काटकर किए जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद परिवार में गहरा रोष है। घटना के विरोध में परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं और आरोपियों के एनकाउंटर की मांग उठा रहे हैं। मामले को लेकर क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

बिश्नोई महासभा अध्यक्ष बोले, लॉरेंस हमारा बच्चा, सलमान मुकाम धाम आकर मांगें माफी

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया ने लॉरेंस के समर्थन में बयान देते हुए कहा कि लॉरेंस उनका बच्चा है। उन्होंने अभिनेता सलमान खान से बीकानेर स्थित बिश्नोई समाज के पवित्र धाम मुकाम में आकर माफी मांगने की बात कही। बुड़िया के अनुसार, यदि सलमान खान मुकाम धाम आकर माफी मांगते हैं, तो समाज उन्हें माफ कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सलमान खान डरे हुए हैं और यदि वह मुकाम धाम आते हैं, तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी समाज उठाएगा। उनके इस बयान के बाद मामला चर्चा में आ गया है। यह बयान बिश्नोई समाज और सलमान खान के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद के संदर्भ में सामने आया है।

एचटेट-2026 दिसंबर में कराने की तैयारी शिक्षा बोर्ड ने सरकार को भेजा प्रस्ताव

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (बीएसईएच) की ओर से आयोजित की जाने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 को इसी साल दिसंबर में कराने की तैयारी की जा रही है। परीक्षा के आयोजन को लेकर शिक्षा बोर्ड ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है। सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। एचटेट हरियाणा में शिक्षक बनने के लिए जरूरी पात्रता परीक्षाओं में शामिल है। ऐसे में परीक्षा की तारीखों को लेकर अभ्यर्थियों को घोषणा का इंतजार है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा कार्यक्रम और अन्य जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं। इसके अलावा, आरएलवी अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी करने का अवसर देने की भी बात सामने आई है। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी बोर्ड की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में स्पष्ट होगी।

गुरुग्राम में ईश्वर नैन की मौत का मामला उलझा, बेटे के बयान से बदली कहानी

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। हरियाणा के जींद निवासी कृषक समाज के अध्यक्ष ईश्वर सिंह नैन की मौत के मामले में नया खुलासा हुआ है। 52 वर्षीय ईश्वर नैन का 16 अक्टूबर को निधन हो गया था। शुरुआत में उनकी मौत का कारण ब्रेन स्ट्रोक बताया गया था, लेकिन अब उनके बेटे के बयान से मामले में नया मोड़ आ गया है। गुरुग्राम पुलिस को दिए बयान में बेटे ने बताया कि उनके पिता दोस्त के फ्लैट की बालकनी से गिर गए थे। इस बयान के बाद उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ईश्वर नैन कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के करीबी माने जाते थे। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बेटे के बयान ने मौत के कारण को लेकर पहले सामने आई जानकारी से अलग स्थिति पेश की है। मामले में पुलिस की जांच और आधिकारिक तथ्यों के सामने आने के बाद ही घटना की परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

हरियाणा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की नई सूची जारी, 27 जिलों-महानगरों में अध्यक्ष नियुक्त

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की नई सूची जारी कर दी गई है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अवनीत बडैच ने 27 जिलों और महानगरों में अध्यक्षों की नियुक्तियां की हैं। नई सूची में जैन और सिख समुदाय के कार्यकर्ताओं को प्रमुखता दी गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सूची में करीब 70 प्रतिशत कार्यकर्ता इन दोनों समुदायों से शामिल हैं। इन नियुक्तियों के जरिए पार्टी ने संगठन को मजबूत करने और जिला स्तर पर गतिविधियों को गति देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रदेश पदाधिकारियों के साथ जिलाध्यक्षों की नई टीम को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई सूची जारी होने के बाद अब नियुक्त पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में मोर्चा की गतिविधियों को आगे बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने की अपेक्षा रहेगी।

करनाल में घोड़ी चराते युवक पर हमला, लोहे की रॉड से हाथ-पैर तोड़े

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। हरियाणा के करनाल जिले के मुखाला गांव में घोड़ी चराने गए 25 वर्षीय युवक पर पांच लोगों ने कथित तौर पर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। हमले में युवक के दोनों हाथ-पैर टूट गए। घटना शेरगढ़-निठोड़ी पुल के पास खाली खेतों में हुई। घायल सावन ने पुलिस को बताया कि वह अपने 19 वर्षीय भाई दिनेश के साथ दो घोड़ियों को चरा रहा था। इसी दौरान घोड़ी चराते हुए वीडियो बनाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि पांच लोगों ने उस पर हमला कर दिया और शरीर के कई हिस्सों पर चोटें मारीं। घायल को पहले इंद्री के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे करनाल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका सरला देवी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम में सवा करोड़ का गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने ट्रक की तलाशी में प्लास्टिक के कट्टों के बीच गांजा बरामद किया

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



हरियाणा के गुरुग्राम में नशा तस्करी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश हुआ है। गुरुग्राम क्राइम ब्रांच की टीम ने सुभाष चौक के पास नाकेबंदी के दौरान एक ट्रक से 673 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, जब्त गांजे की बाजार में कीमत सवा करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साथ ही गांजा ले जाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस की इस कार्रवाई में तस्करी के लिए अपनाए गए तरीके का भी खुलासा हुआ है। आरोपित ट्रक में प्लास्टिक दाना ले जाने की आड़ में गांजे की खेप छिपाकर ले जा रहे थे। ट्रक की बिल्टी में प्लास्टिक दाना होने का उल्लेख किया गया था, ताकि वाहन को सामान्य मालवाहक ट्रक के रूप में दिखाया जा सके। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस को चालक की गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद ट्रक की गहन तलाशी ली गई।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात गुरुग्राम क्राइम ब्रांच की टीम सुभाष चौक के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक ट्रक को रोककर जांच की गई। ट्रक चालक ने पुलिस को बिल्टी दिखाई, जिसमें माल को प्लास्टिक दाना बताया गया था। दस्तावेजों के अनुसार, ट्रक में प्लास्टिक दाना ओडिशा से लादकर बहादुरगढ़ ले जाया जा रहा था।

शुरुआत में ट्रक में सामान्य माल होने की जानकारी दी गई, लेकिन चालक की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया। इसके बाद ट्रक में रखे सामान की बारीकी से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान प्लास्टिक दाने के कट्टों के बीच गांजे के कट्टे छिपे मिले। पुलिस ने गांजे की मात्रा 673 किलो बताई है। जांच में सामने आया कि गांजे को प्लास्टिक दाने की खेप के बीच इस तरह रखा गया था कि सामान्य जांच में उस पर आसानी से ध्यान न जाए। ट्रक की बिल्टी में भी प्लास्टिक दाने का ही उल्लेख था। पुलिस को शक होने के बाद जब पूरे वाहन की तलाशी ली गई, तब गांजे की बड़ी खेप बरामद हुई। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। बरामद गांजे की बाजार कीमत सवा करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है।

इतनी बड़ी मात्रा में गांजा मिलने के बाद मामले को नशा तस्करी से जुड़ी अहम कार्रवाई माना जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रक में प्लास्टिक दाना ओडिशा से लादकर बहादुरगढ़ ले जाने की बात कही गई थी। पुलिस अब बरामद गांजे की खेप से जुड़े पूरे मामले की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के जरिए तस्करी के नेटवर्क और खेप के स्रोत से संबंधित जानकारी जुटाई जा सकती है। पुलिस की जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था।

हरियाणा की बिजली कंपनियों को शेयर बाजार में उतारने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, हरियाणा। राज्य की बिजली कंपनियों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने और कॉरपोरेट गवर्नेंस में सुधार के लिए केंद्र सरकार ने पहल तेज कर दी है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को अर्ध-सरकारी पत्र भेजकर बिजली कंपनियों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर जोर दिया है। इस योजना के तहत हरियाणा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (एचवीपीएनएल) को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की तैयारी है। इसके लिए जरूरी प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं को पूरा करना होगा। हालांकि, दोनों कंपनियों में कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया अटकी हुई है। कंसल्टेंट की नियुक्ति सूचीबद्धता की दिशा में अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसके माध्यम से आवश्यक औपचारिकताओं और तकनीकी पहलुओं पर काम किया जा सकेगा।

पानीपत की फैक्ट्री में आग, 20 वर्षीय श्रमिक की मौत

राजनगर की फैक्ट्री में तड़के अग्निकांड, करीब 100 कर्मचारी बाल-बाल बचे

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



दीपावली की तैयारियों के बीच पानीपत के राजनगर में मंगलवार तड़के एक फैक्ट्री में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। मशीन में शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी आग में 20 वर्षीय श्रमिक रिशु की जलकर मौत हो गई, जबकि एक अन्य श्रमिक घायल हो गया। हादसे के दौरान फैक्ट्री में मौजूद करीब 100 कर्मचारी बाल-बाल बच गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, राजनगर में स्थित फैक्ट्री में मंगलवार तड़के मशीन में शॉर्ट सर्किट होने से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इस दौरान फैक्ट्री में काम कर रहे श्रमिकों के बीच हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से 20 वर्षीय रिशु गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौत हो गई। हादसे में एक अन्य श्रमिक भी घायल हो गया। आग लगने की घटना ने दीपावली से पहले एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। जिस घर में त्योहार की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब अपनों को खोने का दुख छा गया है।

रिशु की मौत की खबर मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कम उम्र में उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे के दौरान फैक्ट्री में मौजूद करीब 100 अन्य कर्मचारियों की जान बच गई। हालांकि, आग लगने से फैक्ट्री में काम कर रहे लोगों में दहशत फैल गई। त्योहार के समय हुए इस हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह मशीन में हुआ शॉर्ट सर्किट बताई गई है। हादसे में एक श्रमिक की मौत और दूसरे के घायल होने से फैक्ट्री में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठते हैं। घटना ने दीपावली से ठीक पहले श्रमिक परिवार की खुशियों को गहरे दुख में बदल दिया। पानीपत के राजनगर की फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से आग लगने पर 20 वर्षीय श्रमिक रिशु की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ। हादसे में करीब 100 कर्मचारी बाल-बाल बच गए।

रेवाड़ी में लव मैरिज करने वाली युवती का शव फंदे पर मिला

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में सोमवार देर शाम प्रेम विवाह करने वाली एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका मिला। घटना का पता उस समय चला, जब युवती का पति कंपनी में ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौटा। घर पहुंचने पर उसने पत्नी को छत के पाइप से बंधी चुन्नी के सहारे लटका हुआ पाया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर आगे की कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक और युवती दोनों उत्तराखंड के रहने वाले थे और उन्होंने कुछ समय पहले ही प्रेम विवाह किया था। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवती ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोहतक में तेज रफ्तार वरना का कहर मॉर्निंग वॉक पर निकली मां-बेटी को रौंदा



सीसीटीवी में कैद हुई वारदात।

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। रोहतक के अर्बन एस्टेट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वरना कार ने सुबह की सैर पर निकली मां-बेटी को टक्कर मार दी। हादसे में मां कृष्णा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनकी बेटी नीलम उछलकर सड़क किनारे जा गिरी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पुलिस ने मामले में एक आरोपी सुमित को गिरफ्तार किया है। राम गोपाल कॉलोनी निवासी नीलम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 अक्टूबर को सुबह करीब 4:30 बजे वह अपनी मां कृष्णा देवी के साथ रोजाना की तरह सैर करने के लिए देवीलाल पार्क जा रही थीं। इसी दौरान अर्बन एस्टेट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वरना कार ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नीलम उछलकर सड़क के किनारे गिर गई। वहीं, कार चालक ने कृष्णा देवी के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने महिला को बचाने के लिए काफी मशक्कत की और उन्हें कार के नीचे से बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल कृष्णा देवी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

◆ रोहतक में तेज रफ्तार कार ने मां-बेटी को रौंदा, सीसीटीवी में कैद हादसा

गुरुग्राम की सफाई पर खर्च होंगे 647 करोड़, नवंबर से शुरू होगा काम

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

साइबर सिटी गुरुग्राम की सड़कों और गलियों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। निगम ने सफाई की जिम्मेदारी बीवीजी कंपनी और रामकी ग्रुप को सौंपी है। दोनों कंपनियां पांच साल तक शहर में सफाई व्यवस्था संभालेंगी। इस परियोजना पर करीब 647 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और काम नवंबर से शुरू करने की तैयारी है। बीवीजी और रामकी ग्रुप को देश की प्रमुख सरकारी इमारतों और बड़े परिसरों में सफाई एवं प्रबंधन संबंधी काम करने का अनुभव है।

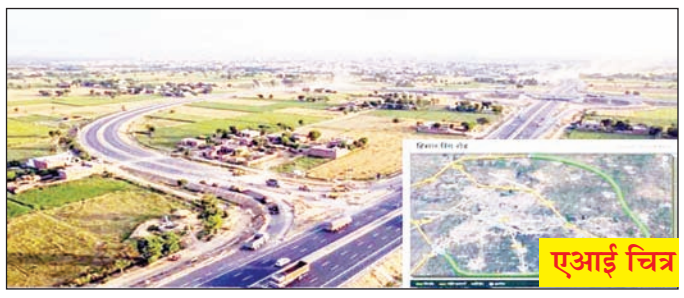
अब गुरुग्राम में भी इनके माध्यम से सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित और आधुनिक बनाने की योजना है। परियोजना के तहत सफाई कार्यों के लिए जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने सोमवार देर शाम दोनों कलस्टरों में बनाए जा रहे बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। सफाई कार्य शुरू करने से पहले जरूरी व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि निर्धारित समय पर काम शुरू हो सके। परियोजना का उद्देश्य शहर की सड़कों, गलियों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इसके लिए सफाई कार्यों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल करने पर जोर दिया जाएगा।

पांच साल के अनुबंध के तहत दोनों कंपनियों की जिम्मेदारी सफाई व्यवस्था को नियमित रूप से संचालित करना होगी। हालांकि, परियोजना के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में काम का विस्तृत तरीका और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी संबंधित विभाग की ओर से स्पष्ट की जाएगी। नगर निगम को उम्मीद है कि इस पहल से गुरुग्राम में सफाई व्यवस्था को सुधारने में मदद मिलेगी। नवंबर से काम शुरू होने के बाद परियोजना के क्रियान्वयन पर नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था की निगरानी और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी अहम रहेगा। नगर निगम की ओर से दोनों कंपनियों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी, ताकि तय मानकों के अनुसार सफाई हो सके। परियोजना के प्रभावी संचालन से शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण मिलने की उम्मीद है।

हिसार के चारों तरफ रिंग रोड बनने से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा

हिसार के चारों तरफ बनेगी 41 किलोमीटर लंबी रिंग रोड

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हरियाणा के हिसार शहर के चारों तरफ रिंग रोड बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना अब अहम मोड़ पर पहुंच गई है। करीब 41 किलोमीटर लंबी इस रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण पर लगभग 1500 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। हरियाणा सरकार दीपावली के आसपास इस परियोजना को लेकर बड़ी घोषणा कर सकती है। इससे शहर में भारी वाहनों का दबाव कम करने और दूसरे राज्यों से आने-जाने वाले वाहन चालकों का सफर आसान बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

परियोजना के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती भूमि अधिग्रहण के लिए जरूरी धनराशि की व्यवस्था करना है। इस संबंध में सरकार के सामने दो विकल्प रखे गए हैं। पहले विकल्प के तहत केंद्र और राज्य सरकार मिलकर जमीन अधिग्रहण की लागत वहन कर सकती हैं। इसमें दोनों सरकारों की ओर से 750-750 करोड़ रुपये दिए जाने का प्रस्ताव है। दूसरे विकल्प के तहत जमीन की रजिस्ट्री से मिलने वाले कर राजस्व का दो प्रतिशत हिस्सा 15 साल तक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को देने पर विचार किया जा रहा है।

इन दोनों विकल्पों पर मंथन करने के लिए गठित चार सदस्यीय कमेटी अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। अब सरकार को इन प्रस्तावों में से किसी एक पर निर्णय लेना है। हिसार में रिंग रोड बनने से शहर के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों को बाहर से निकालने का रास्ता मिल सकेगा। इससे प्रमुख सड़कों पर यातायात का दबाव कम होने और जाम की समस्या से राहत मिलने की संभावना है। साथ ही दूसरे राज्यों से आने-जाने वाले वाहन चालकों को शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों से गुजरने की जरूरत कम पड़ेगी। रिंग रोड परियोजना से हिसार की सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है।

शहर के आसपास के क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों के बीच आवागमन सुगम होने से लोगों को लाभ मिल सकता है। यातायात व्यवस्था में सुधार होने से व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। फिलहाल परियोजना की दिशा भूमि अधिग्रहण के लिए वित्तीय व्यवस्था पर निर्भर है। चार सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद सरकार के सामने दोनों विकल्प मौजूद हैं। दीपावली के आसपास होने वाली संभावित घोषणा से परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो सकता है। हालांकि, अंतिम निर्णय सरकार की ओर से लिया जाना बाकी है।

करवा चौथ की खरीदारी करने निकली शिक्षिका का पर्स छीना, 16 घंटे में फोन बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत



आर्य नगर थाना क्षेत्र में करवा चौथ की खरीदारी करने जा रही एक शिक्षिका से बाइक सवार युवक ने पर्स छीन लिया। पीड़िता दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल की पत्नी हैं। वारदात के बाद महिला के पति ने स्थानीय पुलिस की मदद से करीब 16 घंटे के भीतर उनका फोन बरामद कर लिया। वहीं, आरोपित की तस्वीर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

पीड़िता योगिता गुरुग्राम के सोहना की निवासी हैं और पेशे से शिक्षिका हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 अक्टूबर को वह रोहतक के मकड़ौली खुर्द गांव में अपनी ननद के पास आई थीं। शाम करीब 5:30 बजे वह अपनी ननद के साथ स्कूटी पर सवार होकर दिल्ली बाइपास से किला मार्केट की ओर जा रही थीं। दोनों करवा चौथ की खरीदारी करने के लिए बाजार जा रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार युवक ने उनका पर्स छीन लिया और मौके से फरार हो गया। अचानक हुई इस घटना से दोनों महिलाएं घबरा गईं।

पर्स में मोबाइल फोन सहित अन्य सामान था। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। वारदात के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें संदिग्ध युवक की तस्वीर सामने आई। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपित की पहचान करने और उसे पकड़ने के प्रयास में जुटी है। पीड़िता के पति दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल हैं।

उन्होंने स्थानीय पुलिस की सहायता से मोबाइल फोन तलाशने के प्रयास किए। करीब 16 घंटे की मशक्कत के बाद फोन बरामद कर लिया गया। फोन मिलने से पीड़िता को राहत मिली, हालांकि पर्स छीनने वाले युवक की गिरफ्तारी और बाकी सामान की बरामदगी को लेकर जांच जारी है। त्योहारों के दौरान बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं।

क्रिकेटस्टेडियम आधुनिक सुविधाओं से लैस स्टेडियम में क्रिकेट अकादमी, हॉस्टल और स्विमिंग पूल भी होंगे

झज्जर में बनेगा 222 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल



झज्जर में 222 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। दिल्ली सीमा के पास बादली क्षेत्र के लोहट गांव में बनने वाला यह स्टेडियम 50 हजार दर्शकों की क्षमता वाला होगा। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से प्रदेश में खेल सुविधाओं को बढ़ावा मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और क्रिकेट में आगे बढ़ने के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। लगभग 222.20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला यह खेल परिसर हरियाणा के खेल बुनियादी ढांचे को नई पहचान देगा। दिल्ली से नजदीकी के कारण यहां दर्शकों और खिलाड़ियों की पहुंच भी आसान होगी। परियोजना पूरी होने के बाद झज्जर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। लोहट गांव में बनने वाले इस स्टेडियम में एक साथ 50 हजार दर्शक बैठकर मैच का आनंद ले सकेंगे। यहां डे-नाइट मुकाबलों के आयोजन के लिए आधुनिक फ्लडलाइट्स की व्यवस्था की जा रही है। इससे रात के समय भी क्रिकेट मैच आयोजित किए जा सकेंगे। स्टेडियम को खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। खेल परिसर में 11 मुख्य क्रिकेट पिच और दो अभ्यास मैदान बनाए जाएंगे। इसके अलावा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए विश्वस्तरीय क्रिकेट अकादमी विकसित की जाएगी। इससे स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों की प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिल सकेंगी। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आधुनिक हॉस्टल की व्यवस्था भी परियोजना का हिस्सा है। स्टेडियम परिसर में खेल गतिविधियों के अलावा अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। यहां स्पोर्ट्स क्लब, स्विमिंग पूल और 30 कॉर्पोरेट बॉक्स बनाए जाने की योजना है। इन सुविधाओं से बड़े क्रिकेट आयोजनों के दौरान दर्शकों और अतिथियों को बेहतर अनुभव मिल सकेगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह परिसर खेल आयोजनों के साथ अन्य गतिविधियों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

इस परियोजना से हरियाणा के युवा क्रिकेटरों को अपने क्षेत्र के नजदीक ही प्रशिक्षण और अभ्यास की बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। अभी कई खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। क्रिकेट अकादमी और अभ्यास मैदान उपलब्ध होने से उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने में मदद मिल सकती है। स्टेडियम के निर्माण और संचालन से जुड़े विभिन्न कार्यों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। मैचों और बड़े आयोजनों के दौरान परिवहन, खानपान, होटल और अन्य सेवाओं की मांग बढ़ने से आसपास के कारोबार को भी लाभ मिलने की संभावना है। कुल मिलाकर, लोहट गांव में बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम झज्जर को खेल जगत में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके पूरा होने पर हरियाणा को एक बड़ा खेल परिसर मिलेगा, जहां आधुनिक सुविधाओं के बीच क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकेंगी।

झज्जर में बनेगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का नया केंद्र

स्टेडियम के निर्माण से झज्जर को खेल पर्यटन के क्षेत्र में भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है। बड़े मुकाबलों के आयोजन से स्थानीय कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह परियोजना हरियाणा में क्रिकेट सुविधाओं के विस्तार के साथ नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी।

ब्रिक्स संसदीय मंच में सीमापार आतंकवाद की निंदा, सुरक्षा परिषद में सुधारों का समर्थन

ओम बिरला ने वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए संवाद और शांति पर दिया जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

12वां ब्रिक्स संसदीय मंच मंगलवार को संयुक्त घोषणापत्र अंगीकृत किए जाने के साथ संपन्न हो गया। घोषणापत्र में सीमापार आतंकवाद, आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकवादियों को सुरक्षित ठिकाने मुहैया कराने की निंदा की गई। सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता अपनाने और इस मुद्दे पर दोहरे मापदंडों से बचने की अपील की। साथ ही, वैश्विक शासन व्यवस्था में ग्लोबल साउथ को अधिक प्रतिनिधित्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों का समर्थन किया गया।



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समापन भाषण में कहा कि वैश्विक चुनौतियों का स्थायी समाधान संघर्ष के बजाय संवाद, युद्ध के बजाय शांति और प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग में निहित है। उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता के सम्मान, अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और सभी देशों को समान विकास अवसर उपलब्ध कराने पर आधारित वैश्विक व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया।

बिरला ने कहा कि ब्रिक्स सदस्य और भागीदार देशों की पृष्ठभूमि तथा चुनौतियां अलग-अलग हैं, लेकिन मानवता के कल्याण, शांति और समृद्धि के प्रति साझा प्रतिबद्धता समूह की ताकत है। उन्होंने संसदीय संवाद को आपसी समझ मजबूत करने और साझा चुनौतियों के समाधान तलाशने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, संप्रभु समानता, परस्पर सम्मान और देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। इसमें विकासशील देशों, विशेषकर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त स्थान देने की जरूरत भी रेखांकित की गई।

संवाद, आम सहमति और जनविश्वास के केंद्र हैं संसदें : ओम बिरला

बिरला ने कहा कि संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि संवाद, आम सहमति, जवाबदेही और जनविश्वास का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने संसदों को पारदर्शी, प्रभावी और जन-केंद्रित संस्थानों के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। साथ ही, बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारी से इस्तेमाल संसदीय कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकता है और नागरिकों की भागीदारी बढ़ा सकता है। हालांकि, तकनीक का विकास मानवीय मूल्यों, नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के अनुरूप होना चाहिए। घोषणापत्र में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विस्तार और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए साझा प्रयासों पर भी जोर दिया गया।

कांग्रेस की महारैली से पहले दिल्ली में भाजपा निकालेगी पदयात्रा

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने लाल किले से टाउन हॉल तक पदयात्रा निकालने का किया एलान

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस की प्रस्तावित महारैली से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजधानी में पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकालने का एलान किया। इस पदयात्रा के जरिए भाजपा कांग्रेस की महारैली से पहले अपना राजनीतिक संदेश देने और कार्यकर्ताओं के बीच सक्रियता बढ़ाने की तैयारी में है।

जानकारी के अनुसार, भाजपा की यह पदयात्रा लाल किले से शुरू होकर टाउन हॉल तक निकाली जाएगी। पार्टी ने इसके लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' का नारा दिया है। पदयात्रा की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब कांग्रेस भी दिल्ली में बड़े राजनीतिक कार्यक्रम की तैयारी कर रही है। इससे राजधानी में दोनों प्रमुख दलों की गतिविधियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। कांग्रेस एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली आयोजित करने जा रही है।

इस कार्यक्रम में इंडिया ब्लॉक में शामिल विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस की ओर से महारैली के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की तैयारी की जा रही है। वहीं, भाजपा ने महारैली से पहले पदयात्रा का एलान कर अपनी रणनीति सामने रख दी है। पार्टी के अनुसार, पदयात्रा का मुख्य संदेश लोकतंत्र की रक्षा और अराजकता के विरोध से जुड़ा है। लाल किले से टाउन हॉल तक प्रस्तावित इस कार्यक्रम के जरिए भाजपा राजधानी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

दिल्ली में कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने पदयात्रा से बढ़ेगी सियासी गर्मी

भाजपा की इस पदयात्रा को कांग्रेस की महारैली से पहले राजधानी में राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों दल अपने-अपने कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच अपनी बात रखने और राजनीतिक समर्थन मजबूत करने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस की महारैली में विपक्षी दलों की भागीदारी से कार्यक्रम का दायरा बढ़ने की संभावना है, जबकि भाजपा की पदयात्रा का उद्देश्य पार्टी के संदेश को लोगों तक पहुंचाना है। दिल्ली में एक के बाद एक राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा से माहौल गरमा गया है। अब सबकी नजरें इस बात पर रहेंगी कि दोनों दलों के कार्यक्रमों में कितनी भागीदारी होती है और उनके जरिए जनता तक कौन-सा संदेश पहुंचता है। फिलहाल, भाजपा ने पदयात्रा की घोषणा कर कांग्रेस की महारैली से पहले अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। राजनीतिक जानकारों की नजर अब दोनों दलों की तैयारियों और कार्यक्रमों के स्वरूप पर रहेगी। भाजपा की पदयात्रा और कांग्रेस की महारैली के जरिए राजधानी में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। दोनों पार्टियां अपने समर्थकों को जुटाने के साथ जनता के बीच अपनी प्राथमिकताएं और विचार रखने का प्रयास करेंगी। इन कार्यक्रमों की सफलता का आकलन भागीदारी और जनसमर्थन के आधार पर किया जा सकता है। हालांकि, पदयात्रा और महारैली के वास्तविक प्रभाव का पता कार्यक्रम संपन्न होने के बाद ही चलेगा। फिलहाल, दिल्ली में दोनों दलों की गतिविधियों ने राजनीतिक माहौल को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पूर्वी दिल्ली एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार से मारपीट, दस वकीलों पर मुकदमा दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

गीता कॉलोनी स्थित एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। आरोप है कि दस वकीलों ने जबरन कार्यालय में घुसकर पटपड़गंज के तहसीलदार मनोज कुमार सिंह के साथ मारपीट की। घटना के बाद दिल्ली के तहसीलदारों में रोष है। विरोध में तहसीलदारों ने कामकाज ठप कर दिया और आरोपी वकीलों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

◆ तहसीलदार मनोज कुमार सिंह से मारपीट के विरोध में प्रदर्शन



पीड़ित तहसीलदार की शिकायत पर लक्ष्मी नगर थाना पुलिस ने वकील अभय वोहरा, उनके पिता और अन्य वकीलों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में सरकारी कामकाज के दौरान मारपीट करने, धमकी देने और काम में बाधा डालने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के विरोध में मंगलवार को दिल्ली के सभी तहसीलदार डीएम कार्यालय में एकत्र हुए। यहां उन्होंने वकीलों के खिलाफ प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग उठाई। तहसीलदारों के लामबंद होने से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हुआ। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्यालय में ड्यूटी के दौरान अधिकारी के साथ इस तरह की घटना गंभीर मामला है। इसके विरोध में तहसीलदारों ने एकजुटता दिखाते हुए कामकाज बंद रखा। गीता कॉलोनी स्थित एसडीएम कार्यालय में हुई इस घटना ने सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। तहसीलदार मनोज कुमार सिंह पटपड़गंज क्षेत्र में तैनात हैं। आरोप के मुताबिक, वकील कार्यालय में पहुंचे और उनके साथ मारपीट तथा गाली-गलौज की। हालांकि, घटना के पीछे की वजह और विवाद की शुरुआत को लेकर उपलब्ध जानकारी में विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है।

रेलवे यात्रियों की लापरवाही बढ़ी, ट्रेन में सामान भूलने के मामले 54 प्रतिशत बढ़े

एजेंसी, नई दिल्ली। ट्रेनों में सफर के दौरान सामान भूलने की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ट्रेन पकड़ने और स्टेशन पर उतरने की जल्दबाजी में यात्री अपना जरूरी सामान सीट पर ही छोड़ जा रहे हैं। कोई मोबाइल और चार्जर भूल रहा है, तो कोई जूते या टिफिन छोड़कर चला जाता है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) दिल्ली डिवीजन के आंकड़े इस समस्या में बढ़ोतरी की ओर इशारा कर रहे हैं। आरपीएफ के अनुसार, इस साल जनवरी से मई के बीच यात्रियों ने ट्रेन में छूटे या खोए सामान के संबंध में कुल 12,232 कॉल कीं।

◆ ट्रेन से उतरने की जल्दबाजी में मोबाइल, चार्जर और जरूरी सामान भूल रहे यात्री

पिछले साल इसी अवधि में ऐसी 7,922 कॉल आई थीं। इस तरह पांच महीनों में सामान भूलने से संबंधित शिकायतों में करीब 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। शिकायतों की बढ़ती संख्या से पता चलता है कि ट्रेन से उतरते समय यात्री अपने सामान की जांच करना भूल जाते हैं। सफर के दौरान मोबाइल फोन और चार्जर जैसी जरूरी वस्तुएं अक्सर सीट पर छूट जाती हैं। इसके अलावा जूते और टिफिन भी उन वस्तुओं में शामिल हैं, जिन्हें यात्री ट्रेन में भूल जाते हैं। बाद में सामान याद आने पर उन्हें उसे वापस पाने के लिए आरपीएफ से संपर्क करना पड़ता है। आरपीएफ यात्रियों की शिकायतों के आधार पर भूले हुए सामान को वापस दिलाने में मदद करती है।

मां के रहते दादा को नहीं मिलेगी पोते-पोती की कस्टडी, दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने पोते-पोती की कस्टडी मांगने वाले एक दादा की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मां को अयोग्य या लापरवाह साबित किए बिना उससे बच्चों की कस्टडी नहीं छीनी जा सकती। अदालत ने मां के प्राकृतिक अभिभावक होने के अधिकार को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उसे मनमाने तरीके से इससे वंचित नहीं किया जा सकता।

◆ आर्थिक रूप से स्वतंत्र आयकर अधिकारी मां की कस्टडी पर दादा की याचिका खारिज

◆ मां के रहते दादा को पोते-पोती की कस्टडी नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति रेनू भटनागर की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि संबंधित महिला आयकर अधिकारी है। वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र है और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन भी बखूबी कर रही है। ऐसे में केवल परिवार के किसी अन्य सदस्य की इच्छा के आधार पर मां के अधिकारों को समाप्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि बच्चों की



कस्टडी से जुड़े मामलों में मां की भूमिका और उसके अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मां की स्वाभाविक अभिभावकता को हटाने के लिए ठोस आधार होना आवश्यक है। जब तक मां को बच्चों की देखभाल के लिए अयोग्य या लापरवाह साबित नहीं किया जाता, तब तक उससे बच्चों को अलग करने का औचित्य नहीं बनता।

पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि मां को बच्चों से वंचित नहीं किया जा सकता और न ही बच्चों को उनकी मां से अलग किया जाना चाहिए। परिवार के अन्य सदस्यों की तुलना में मां के कानूनी अधिकारों को महत्व देते हुए अदालत ने कहा कि अभिभावकता के मामले में मनमाना निर्णय नहीं लिया जा सकता। दिल्ली हाई कोर्ट ने इन तथ्यों और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद दादा की पोते-पोती की कस्टडी पाने की याचिका खारिज कर दी। अदालत की टिप्पणी से स्पष्ट होता है कि बच्चों की कस्टडी का फैसला करते समय मां की योग्यता, जिम्मेदारी और बच्चों के साथ उसके संबंधों को अहमियत दी जानी चाहिए।

दिल्ली में सुबह की ठंड ने बढ़ाई ठिठुरन, पारा 15 .3 डिग्री

मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में मौसम धीरे-धीरे करवट ले रहा है। सुबह और शाम के समय ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। मंगलवार को राजधानी में पिछले तीन वर्षों की अक्टूबर महीने की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से नीचे है। मौसम में आए इस बदलाव के साथ ही लोगों को सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होने लगी है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सफदरजंग मौसम केंद्र में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम है। इससे पहले 27 अक्टूबर 2023 को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। इस लिहाज से मंगलवार की सुबह पिछले तीन वर्षों में अक्टूबर की सबसे ठंडी सुबह रही। राजधानी के अन्य मौसम केंद्रों पर भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। पालम में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम है। लोधी रोड में पारा 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.4 डिग्री कम रहा। रिज क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.3 डिग्री नीचे है। वहीं, आयानगर में न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम है। तापमान में गिरावट के बीच दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। समीर ऐप के अनुसार, मंगलवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 168 रहा।



एआई चित्र।

दिल्ली में पारा 31 डिग्री पहुंचेगा

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 तक संतोषजनक और 101 से 200 के बीच मध्यम श्रेणी में माना जाता है। वहीं, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी होती है। दिल्ली में मंगलवार को एक्यूआई 168 रहने से वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में बनी रही। मौसम विभाग ने दिन के समय आसमान में मुख्य रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की उड़ान में देरी से यात्री परेशान

एजेंसी, नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की उड़ान में देरी के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट सात घंटे से अधिक विलंबित होने पर यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया और एयरलाइन के खिलाफ नाराजगी जताई। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली उड़ान सोमवार दोपहर 3:40 बजे रवाना होनी थी। इसके लिए यात्री दोपहर एक बजे ही एयरपोर्ट पहुंच गए थे। यात्रियों को उम्मीद थी कि वे निर्धारित समय पर अपनी यात्रा शुरू कर सकेंगे, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी विमान रवाना नहीं हुआ। एयरलाइन की ओर से उड़ान के समय में बार-बार बदलाव किया गया।

जामिया में तनाव बढ़ा, पुलिस ने धारा 163 लगाई, छात्रों ने मार्च का किया एलान

एजेंसी, नई दिल्ली

जामिया मिलिया इस्लामिया परिसर में छात्रों के प्रदर्शन के बीच मंगलवार को तनाव बढ़ गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने विश्वविद्यालय के आसपास नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत इलाके में भीड़ जुटाने पर पाबंदी लगाई गई है। वहीं, प्रदर्शनकारी छात्रों ने आंदोलन जारी रखते हुए दोपहर तीन बजे मार्च निकालने का एलान किया है। पुलिस की कार्रवाई और जबरन हटाए जाने की आशंका के बीच भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने खुद को पॉलिटेक्निक भवन में बंद कर लिया है। वहीं, धरनास्थल पर मौजूद अन्य छात्र भी वहां से तितर-बितर हो गए हैं।

छात्रों के भवन में खुद को बंद करने और मार्च की घोषणा के बाद परिसर के आसपास स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने दोपहर तीन बजे ओखला हेड से कुलगुरु आवास तक मार्च निकालने की घोषणा की है। ऐसे में पुलिस के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती है। धारा 163 लागू होने के बाद इलाके में भीड़ जुटाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि, छात्रों के मार्च निकालने के एलान से प्रदर्शन को लेकर हलचल बढ़ गई है।



जामिया परिसर में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने का आदेश भी सामने आया है। इससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और छात्र आंदोलन के बीच स्थिति पर ध्यान केंद्रित हो गया है।

फिलहाल भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों का पॉलिटेक्निक भवन में बंद रहना और मार्च की घोषणा इस पूरे घटनाक्रम के अहम पहलू हैं। पुलिस की ओर से धारा 163 लागू किए जाने के बाद आगे की स्थिति पर नजर बनी हुई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने का निर्देश दिया गया है। ऐसे में छात्रों के विरोध और शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू बनाए रखने के बीच संतुलन कायम करना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है।

कांग्रेस की रामलीला मैदान रैली को मंजूरी, सीईसी के खिलाफ जन-महाभियोग पर अनुमति नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को रामलीला मैदान में महारैली आयोजित करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक 'जन-महाभियोग' कार्यक्रम को अभी मंजूरी नहीं मिली है। पुलिस इस कार्यक्रम की अनुमति देने के संबंध में विचार कर रही है।

कांग्रेस ने जन-महाभियोग कार्यक्रम के आयोजन के लिए तीन नवंबर तक की अनुमति मांगी थी। पार्टी की योजना 30 अक्टूबर को अशोका होटल में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सांकेतिक महाभियोग कार्यक्रम आयोजित करने और एक नवंबर को रामलीला मैदान में महारैली करने की थी। फिलहाल रामलीला मैदान में रैली के आयोजन को हरी झंडी मिल गई है, जबकि अशोका होटल में कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं दी गई है। इस कारण कांग्रेस के दोनों प्रस्तावित कार्यक्रमों की स्थिति अलग-अलग बनी हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रमों को



लेकर सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जा रहा है। रामलीला मैदान में रैली की अनुमति मिलने से कांग्रेस की महारैली का रास्ता साफ हो गया है। वहीं, जन-महाभियोग कार्यक्रम पर अंतिम निर्णय अभी बाकी है।

कांग्रेस की महारैली मंजूर अशोका होटल में रोक

कांग्रेस की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित जन-महाभियोग कार्यक्रम को लेकर पुलिस की अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। पार्टी ने इस आयोजन के लिए तीन नवंबर तक की अनुमति मांगी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम से जुड़े सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। रामलीला मैदान में महारैली को मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस की तैयारियां आगे बढ़ सकेंगी। वहीं, अशोका होटल में 30 अक्टूबर को होने वाले सांकेतिक महाभियोग कार्यक्रम को अनुमति नहीं मिलने से पार्टी की योजना प्रभावित हुई है।

आदेश दिल्ली हाई कोर्ट ने एफआईआर रद करने की याचिका पर पुलिस से मांगा जवाब

एसीपी विवेक भगत मामले में हाई कोर्ट ने राहत देने से किया इन्कार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एसीपी विवेक भगत की शिकायत पर महिला पत्रकार के खिलाफ दर्ज एससी/एसटी एक्ट के मामले में जांच पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। अदालत ने महिला पत्रकार की ओर से एफआईआर रद करने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता एसीपी विवेक भगत को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मामले में अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने मंगलवार को मामले की सुनवाई की। यह मामला जंतर-मंतर के पास एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारी पर कथित रूप से जातिसूचक टिप्पणी करने और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के आरोपों से जुड़ा है। महिला पत्रकार ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद करने की मांग करते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर याचिका पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया जा रहा है।



पीठ ने कहा कि वह फिलहाल किसी भी प्रार्थना को खारिज नहीं कर रही, बल्कि मामले पर विचार करने के लिए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर रही है। हालांकि, अदालत ने जांच रोकने का आदेश भी नहीं दिया। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और मामले के शिकायतकर्ता एसीपी विवेक भगत को अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत के अनुसार, मामले के तथ्यों और उठाए गए कानूनी सवालों पर विचार करने की आवश्यकता है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 नवंबर की तारीख निर्धारित की है।

महिला पत्रकार की याचिका पर हाई कोर्ट ने पुलिस से जवाब मांगा

अदालत ने स्पष्ट किया कि महिला पत्रकार की याचिका पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। फिलहाल केवल संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर उनका पक्ष जानने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। दिल्ली पुलिस और एसीपी विवेक भगत को अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब दाखिल करना होगा। इसके बाद अदालत मामले के तथ्यों और दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करेगी। यह मामला जंतर-मंतर के पास हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित जातिसूचक टिप्पणी और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के आरोपों से संबंधित है। महिला पत्रकार ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद करने की मांग की है। हालांकि, हाई कोर्ट ने फिलहाल न तो एफआईआर रद करने का आदेश दिया है और न ही जांच पर रोक लगाई है। ऐसे में पुलिस की जांच जारी रहेगी। अदालत ने मामले को विचार योग्य मानते हुए अगली सुनवाई 16 नवंबर को तय की है।

न्यूज ब्रीफ

जोगिंद्रनगर की खस्ताहाल सड़कों पर पंकज ने दी प्राथमिकी दर्ज करवाने की चेतावनी

जितेंद्र कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता पंकज जमवाल ने जोगिंद्रनगर शहर की खस्ताहाल सड़कों पर चिंता जताते हुए संबंधित विभागों को एक सप्ताह के भीतर सुधार करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पठानकोट चौक और मंदिर मार्ग की समस्याएं दूर नहीं हुईं तो दोनों विभागों के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करवाई जाएगी। जमवाल ने बताया कि पठानकोट चौक पर बंद पड़े नाले के कारण गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। इससे बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और दुर्गंध के कारण राहगीरों तथा कारोबारियों को परेशानी हो रही है। गड्ढों से वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है और जाम की समस्या बनी रहती है। उन्होंने मंदिर मार्ग की खराब हालत के लिए लोक निर्माण विभाग को जिम्मेदार ठहराया। जमवाल के अनुसार, उन्होंने दोनों समस्याओं से एसडीएम मनीश चौधरी को अवगत करवा दिया है।

ढुबल स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ढुबल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर की अध्यक्षता बीपीईओ धर्मपुर बालम राम ने की। इसमें 25 स्वयंसेवी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर बालम राम ने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और अच्छे संस्कार विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार ने स्वयंसेवियों से समाज सेवा की भावना के साथ कार्य करने और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार और मंजू देवी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर के दौरान स्वयंसेवी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर सेवा, अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व के गुण विकसित करेंगे।

घागस बिजली अनुभाग के कई क्षेत्रों में 29 अक्तूबर को बिजली बंद रहेगी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिजली उपमंडल-एक के सहायक अभियंता सन्नी जगोता ने बताया कि 29 अक्तूबर को बिजली अनुभाग घागस के अंतर्गत बिजली की लाइनों के साथ लगते पेड़ों की टहनियों की कटाई-छंटाई की जाएगी। इस दौरान सीहड़ा, काहवी, चैहड़, छतोल जटा, सुंगल, मलाघाट, बिनोला, घागस, नोग, ढली, दयोली, कुड्डी, भराथू सहित आसपास के क्षेत्रों में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि बिजली बंद रहने की अवधि मौसम पर निर्भर करेगी। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से सहयोग की अपील की है।

बच्चों को नशे और मोबाइल की लत से दूर रखें अभिभावक : राम सरन चौहान



भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी और छोटा भंगाल घाटी के समाजसेवक एवं बरोट पंचायत के थुजी गांव निवासी पूर्व सूबेदार राम सरन चौहान ने अभिभावकों से बच्चों को नशे और मोबाइल की लत से बचाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बच्चों की पहली पाठशाला परिवार होता है, इसलिए उनमें अच्छे संस्कार विकसित करना माता-पिता की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से भी सभी प्रकार के नशों से दूरी बनाए रखने और अपने उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और मोबाइल के अनियंत्रित उपयोग पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। राम सरन चौहान ने अभिभावकों को बच्चों के साथ प्रेमपूर्वक संवाद बनाए रखने, उनकी समस्याएं समझने और मोबाइल के उपयोग की समय-सीमा निर्धारित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

जग सेऊ पैदल पुल के पुनर्निर्माण के लिए 18 लाख रुपए स्वीकृत

भागमल ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। छोटा भंगाल और चौहार घाटी में अप्रैल माह में आई भीषण बाढ़ से उहल नदी पर बना सदियों पुराना जग सेऊ पैदल पुल बह गया था। इससे रूलिंग गांव सहित कोठी कोहड़ और बड़ा ग्रां पंचायत के लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों और राशन लेने के लिए लकड़ी की अस्थायी पुलिया से जोखिम उठाकर नदी पार करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने विधायक किशोरी लाल और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से पुल के पुनर्निर्माण की मांग उठाई थी। लोगों के प्रयासों के बाद सरकार ने पुल के निर्माण के लिए 18 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। ग्रामीणों सुरजीत सिंह, रोशन लाल और प्रेम सिंह सहित अन्य लोगों ने विधायक का आभार जताया है। उन्होंने जल्द निविदा प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है। विधायक किशोरी लाल ने भी जल्द निविदा करवाने का आश्वासन दिया है।

लाहौल-स्पीति में आपदा प्रबंधन ऐप पर 207 लोगों को दिया प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जिला लाहौल-स्पीति में आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 'आपदा रक्षक मोबाइल ऐप' एवं 'व्हेयर टू प्लांट बॉट' पर वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इनमें विभिन्न विभागों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संगठनों और आपदा प्रबंधन स्वयंसेवकों सहित कुल 207 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान एजीआईएसएसी, हिमाचल प्रदेश के डॉ. मनोज शर्मा ने दोनों डिजिटल पहलों की कार्यप्रणाली और उपयोगिता की जानकारी दी। तीन सत्रों में क्रमशः 56, 71 और 80 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सहायक आयुक्त कुनिका ऐकर्स ने अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता से आपदा रक्षक मोबाइल ऐप डाउनलोड कर नियमित उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर सटीक जानकारी साझा करने से आपदा के दौरान त्वरित कार्रवाई और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

खुफिया इनपुट के बाद पठानकोट में हाई अलर्ट, 35 स्थानों पर नाकेबंदी

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। दीपावली और त्योहारी सीजन के मद्देनजर खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद पठानकोट पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जिले में 35 से अधिक स्थानों पर नाके लगाए गए हैं और एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा तथा जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से सटे होने के कारण जिले में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। नौ अंतरराज्यीय नाकों पर चौबीसों घंटे वाहनों की जांच की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा मजबूत करने के लिए पांच विशेष नाके भी बनाए गए हैं। पठानकोट एयरबेस के आसपास कमांडो, डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते की टीमें गश्त कर रही हैं। पुलिस ने अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बलों की मांग भी की है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से यात्रा के दौरान जरूरी दस्तावेज साथ रखने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

मैक्लोडगंज में 10 और 11 दिसंबर को होगा 30वां हिमालय उत्सव



भारतेन्दु संवाददाता, मैक्लोडगंज। भारत-तिब्बत मैत्री संघ की महत्वपूर्ण बैठक अजीत नैहरिया की अध्यक्षता में तिब्बती कम्युनिटी हॉल, मैक्लोडगंज में आयोजित हुई। बैठक में 30वें हिमालय उत्सव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस वर्ष उत्सव 10 और 11 दिसंबर को मैक्लोडगंज बस अड्डा परिसर में आयोजित होगा। वर्ष 1995 से आयोजित यह उत्सव परम पावन दलाई लामा को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के उपलक्ष्य में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य हिमालयी संस्कृति और लोक परंपराओं को बढ़ावा देना है। आयोजन समिति इस बार स्थानीय सांस्कृतिक दलों को विशेष प्राथमिकता देगी। उत्सव में तिब्बती, नेपाली, कांगड़ी और अन्य हिमाचली सांस्कृतिक दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में केतन कल्याण, कुंजुक, दिनेश कपूर, संजीव राणा, सुरेश शर्मा और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए अगली बैठक 14 नवंबर को होगी।

सात दिन बाद अपने मंदिर लौटे भगवान रघुनाथ, लंका दहन के साथ दशहरा उत्सव संपन्न

हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान रघुनाथ का रथ, माता हिडिंबा की अगुवाई में निभाई गई सदियों पुरानी देव परंपरा

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव का मंगलवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों और देव परंपराओं के निर्वहन के साथ समापन हो गया। सात दिनों तक ढालपुर मैदान में विराजमान रहे भगवान रघुनाथ लंका दहन की रस्म पूरी होने के बाद अपने स्थायी मंदिर लौट गए।

इसके साथ ही देवभूमि कुल्लू में आयोजित देव-मिलन के महाकुंभ का समापन हो गया और अगले वर्ष तक के लिए ढालपुर मैदान एक बार फिर सूना पड़ गया। मंगलवार को लंका दहन की रस्म के दौरान ढालपुर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान रघुनाथ के रथ को खींचते हुए लंका बेकर तक पहुंचाया। इस पारंपरिक रथयात्रा में माता हिडिंबा सहित अन्य देवी-देवताओं ने भी विशेष रूप से भाग लिया। लंका बेकर में निर्धारित देव परंपराओं के अनुसार अष्टांग बलि की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके साथ ही सात दिनों तक चले उत्सव के समापन की औपचारिकताएं पूरी हुईं। लंका दहन की रस्म संपन्न होने के बाद माता हिडिंबा का रथ सबसे पहले पीछे की ओर मुड़ा और माता अपने देवालय की ओर रवाना हुईं। इसके बाद भगवान रघुनाथ का रथ ढालपुर स्थित रथ मैदान पहुंचा। यहां से भगवान रघुनाथ, माता सीता और हनुमान जी की मूर्तियों को पालकी में विराजमान कर ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच रघुनाथपुर स्थित मंदिर ले जाया गया। मंदिर पहुंचने पर भगवान रघुनाथ फिर से अपने स्थायी स्थान पर विराजमान हो गए।



अपने-अपने देवालयों को लौटने लगे देवी-देवता

अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव संपन्न होने के साथ ही ढालपुर में पहुंचे सैकड़ों देवी-देवता भी अपने अस्थायी शिविरों से विदा लेकर अपने-अपने देवालयों की ओर रवाना होने लगे हैं। मंगलवार को भी विभिन्न देवी-देवताओं के बीच देव-मिलन की प्रक्रिया जारी रही। आपसी मिलन और विदाई की रस्मों के बाद देवी-देवताओं ने अगले वर्ष फिर से ढालपुर में एकत्र होने की परंपरा को आगे बढ़ाया। देवता कुई कांडा नाग के गूर विनोद ठाकुर और देवता कोट भझारी के कारदार भागे राम राणा ने बताया कि दशहरा उत्सव संपन्न होने के बाद देवी-देवता अब अपने-अपने देवालयों की ओर लौट रहे हैं। अगले वर्ष फिर से ढालपुर मैदान में देव-मिलन का भव्य आयोजन होगा और श्रद्धालुओं को सैकड़ों देवी-देवताओं के दर्शन करने का अवसर मिलेगा।

माता हिडिंबा की अगुवाई में निभाई जाती है देव परंपरा

कुल्लू दशहरा उत्सव में माता हिडिंबा की भूमिका विशेष मानी जाती है। माता सात दिनों तक ढालपुर में अपने अस्थायी शिविर में विराजमान रहती हैं और लंका दहन की रस्म पूरी होने के बाद ही अपने देवालय लौटती हैं। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में लंका दहन के लिए निकलने वाली रथयात्रा में माता हिडिंबा का रथ सबसे आगे चलता है। लंका बेकर में अष्टांग बलि की परंपरा के दौरान माता के गूर, पुजारी, घंटी और धड़च्छ के साथ देवविधि पूरी की जाती है, जबकि माता का रथ कुछ दूरी पर रहता है। बलि की प्रक्रिया पूरी होने के बाद माता का रथ पीछे मुड़कर देवालय की ओर रवाना हो जाता है। इस परंपरा को दशहरा उत्सव के समापन से जोड़कर देखा जाता है। देव परंपराओं के अनुसार माता हिडिंबा की अगुवाई में देव महाकुंभ की सभी प्रमुख रस्में संपन्न होती हैं।

अर्की में अंडर-19 राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का विधायक ने किया आगाज

प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी अर्की के लिए गौरव की बात : विधायक अवस्थी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की के ऐतिहासिक चौगान मैदान में मंगलवार को छात्र-छात्राओं की अंडर-19 राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ।

प्रतियोगिता के आयोजन से अर्की क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों को अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा, रचनात्मकता और कला का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच मिल रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन छात्राओं के लिए भाषण, लोक नृत्य और वाद्य यंत्र प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अंडर-19 राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता की मेजबानी करना अर्की क्षेत्र के लिए गौरव का



विषय है। इस प्रकार के आयोजनों से क्षेत्र को प्रदेश स्तर पर पहचान मिलती है और स्थानीय लोगों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर भी प्राप्त होता है। विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी उतना ही आवश्यक है। सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत करने का हुनर विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की लोक संस्कृति, लोक नृत्य, संगीत और पारंपरिक वाद्य यंत्र हमारी समृद्ध विरासत के अभिन्न अंग हैं।

युवा पीढ़ी को इस विरासत से जोड़ना समय की आवश्यकता है, ताकि हमारी परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंच सकें। इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को जानने-समझने का अवसर भी प्रदान करती हैं। विधायक ने प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंची सभी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण सहभागिता, सीखने की भावना और अपनी प्रतिभा को बेहतर बनाने का प्रयास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी प्रतिभागी खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे तथा अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ जगदीश चंद नेगी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेशभर के लगभग 750 छात्र व 750 ही छात्राएं भाग ले रहे है। उन्होंने मुख्यतिथि को आज हुई व अन्य होने वाली प्रतियोगिताओं के बारे में अवगत करवाया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष सतीश कश्यप, नगर पंचायत की अध्यक्ष सीमा शर्मा ,संयुक्त निदेशक शिक्षा डा. जगदीश नेगी शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी, प्रधानाचार्य हेमराज गौर, राजकुमार गौतम, मनीष कंवल व सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे ।

हिमाचल के युवाओं के भविष्य की चिंता करे सरकार : श्रीकांत शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के प्रभारी एवं विधायक श्रीकांत शर्मा ने प्रदेश में चिट्टे की समस्या को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों में प्रदर्शन करने वाले आम आदमी पार्टी और अन्य राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें हिमाचल में बढ़ते नशे के खिलाफ भी आवाज उठानी चाहिए।

श्रीकांत शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और संबंधित राजनीतिक दल भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन करने में सक्रिय रहते हैं, लेकिन युवाओं के भविष्य से जुड़े नशे के गंभीर मुद्दे पर उनकी भूमिका सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन युवाओं को नशे से बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार से सवाल किया कि चिट्टा तस्करी के बड़े नेटवर्क को तोड़ने, नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोकने और नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने सरकार से नशे के विरुद्ध



◆ कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और कॉकरोच पार्टी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे

कार्रवाई का तथ्यात्मक विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। भाजपा प्रभारी ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान तभी सफल होगा, जब उसके परिणाम धरातल पर दिखाई देंगे। उन्होंने तस्करी से जुड़े नेटवर्क की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए युवाओं के उपचार एवं पुनर्वास के साथ स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाना भी जरूरी है। श्रीकांत शर्मा ने नशामुक्त हिमाचल के लिए प्रभावी कदम उठाने और युवाओं के भविष्य की रक्षा करने का आह्वान किया।

'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत स्कूली विद्यार्थियों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के निर्देशानुसार बच्चों के अधिकारों की रक्षा और बाल यौन शोषण की रोकथाम के उद्देश्य से 'सुरक्षित बचपन अभियान' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), कांगड़ा द्वारा आज वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बगली, मंदल व खनियारा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीएलएसए कांगड़ा के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने बताया कि यह अभियान 27 से 31 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, 2012, बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, ऑनलाइन सुरक्षा तथा बाल शोषण की रोकथाम के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान करने, दुर्व्यवहार की स्थिति में बिना भय सहायता मांगने तथा उपलब्ध विधिक सहायता एवं बाल संरक्षण सेवाओं की जानकारी प्रदान करना है।

कांगड़ा में 17 .50 ग्राम चिट्टे के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम और धर्मशाला पुलिस ने चिट्टे के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से कुल 17.50 ग्राम हेरोइन और एक लाख रुपए नकद बरामद किए हैं।

पहले मामले में खनियारा के एक निजी होटल में छापेमारी कर पंजाब के 2 युवकों को पकड़ा गया। इनकी पहचान सुनील कुमार निवासी जलालाबाद, फाजिल्का और मनजीत सिंह निवासी मुंडी खरड़, पंजाबके रूप में हुई है। इनके पास से 10.36 ग्राम चिट्टा और एक लाख रुपए नकद मिले। दूसरे मामले में धर्मशाला पुलिस टीम ने तपोवन रोड पर गश्त के दौरान धर्मशाला के एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 7.14 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान गौरव वर्मा (37), निवासी वार्ड नंबर 6, श्यामनगर, धर्मशाला के रूप में हुई है। उसके



खिलाफ पुलिस थाना धर्मशाला में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशीला पदार्थ कहां से लाया था और इसे किसे सप्लाई किया जाना था। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर नशे की सप्लाई के स्रोत और नेटवर्क का पता लगा रही है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि कांगड़ा पुलिस दोनों मामलों में आगामी कानूनी कार्रवाई कर रही है। पहले मामले में होटल के मालिक, संचालक और स्टाफ की ओर से पुलिस को दिए गए सहयोग की सराहना की गई है।

हिमाचल में लगातार पांच दिन बारिश-बर्फबारी के आसार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम लगातार पांच दिन खराब रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 29 अक्तूबर से 2 नवंबर तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश और ऊंचे पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। 29 और 30 अक्तूबर को कई जिलों में आंधी, बिजली और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ने की संभावना है। मंगलवार को प्रदेश में मौसम साफ रहा और शिमला व मनाली में दिनभर धूप खिली रही। अगले 24 घंटे यानी 28 अक्तूबर को भी मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 29, 30 और 31 अक्तूबर को प्रदेश के सभी हिस्सों में मौसम खराब रहने की संभावना है। पहली नवंबर को मध्य पर्वतीय और ऊंचे पर्वतीय इलाकों में बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं, 2 नवंबर को मौसम का असर केवल ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित रह सकता है। इस दिन मैदानी और मध्य पर्वतीय इलाकों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। इस बीच मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में सामान्य के मुकाबले 0.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। लाहौल-स्पीति जिले के कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। मंगलवार को प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान कुकुमसेरी में -2.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद ताबो में 0.2 डिग्री सेल्सियस और केलांग में 0.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।



29 और 30 अक्तूबर को येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने 29 अक्टूबर को कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में आंधी, बिजली और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 30 अक्टूबर को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों के लिए येलो अलर्ट रहेगा। इन जिलों में मौसम बिगड़ने के साथ तेज हवाएं चलने, बिजली चमकने और बारिश होने की आशंका है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के ऊंचे पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने का अनुमान है। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में मौसम का असर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग रहेगा।

किरण भड़ाना ने संभाला बिलासपुर के उपायुक्त का कार्यभार, विकास कार्यों पर रहेगा फोकस

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा की वर्ष 2017 बैच की अधिकारी किरण भड़ाना ने मंगलवार को बिलासपुर के उपायुक्त का कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वह लाहौल-स्पीति की उपायुक्त के रूप में सेवाएं दे रही थीं।

किरण भड़ाना ने जिला में चल रही रेलवे और फोरलेन परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूरा करवाने को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय, परियोजनाओं की नियमित समीक्षा और निर्माण कार्यों में आने वाली बाधाओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा पात्र लाभार्थियों तक उनका लाभ पारदर्शिता के साथ पहुंचाने पर भी जोर दिया। आम जनता की समस्याओं और शिकायतों का त्वरित समाधान करना भी जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में रहेगा।

◆ पर्यटन विकास और सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन रहेंगी प्राथमिकताएं



बिलासपुर में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए गोबिंद सागर झील सहित अन्य प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की संभावनाओं को विकसित करने, जल पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा पर्यटन सुविधाओं में सुधार पर ध्यान दिया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी। किरण भड़ाना इससे पहले विशेष सचिव, बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा, निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा निदेशक अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के पदों पर सेवाएं दे चुकी हैं। इसके अतिरिक्त वह अतिरिक्त उपायुक्त शिमला तथा उपमंडलाधिकारी सलूणी और नादौन के पदों पर भी कार्य कर चुकी हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मिले ज्वॉइंट पेंशनर्स फैडरेशन ने उठाई पांच प्रमुख मांगें

लंबित महंगाई राहत व मेडिकल बिलों के लिए बजट जारी करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश ज्वॉइंट पेंशनर्स फैडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस मौहल में मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और कर्मचारियों एवं पेंशनरों को पांच प्रतिशत महंगाई भत्ते की किस्त जारी करने पर आभार जताया। इस दौरान फैडरेशन ने पांच सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर पेंशनरों की लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग उठाई। फैडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन और प्रदेश महासचिव खुशहाल चंद नेगी ने मुख्यमंत्री के समक्ष संशोधित वेतनमान के एरियर सहित सेवानिवृत्ति लाभों के बकाया भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मांग की कि 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 तक तथा इसके बाद सेवानिवृत्त हुए 58 से 65 वर्ष आयु वर्ग के पेंशनरों को



संशोधित वेतनमान के एरियर के साथ रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, पेंशन कम्यूटेशन और लीव इनकैशमेंट के लंबित एरियर का भुगतान किया जाए। उन्होंने कहा कि संशोधित वेतनमान के एरियर का भुगतान लंबे समय से लंबित होने के कारण पेंशनरों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार को इस दिशा में जल्द कदम उठाकर उन्हें राहत प्रदान करनी चाहिए। फैडरेशन ने पेंशनरों को 1 जुलाई 2024 से जनवरी 2026 तक देय महंगाई राहत (डीआर) की चार लंबित किस्तों का एकमुश्त भुगतान करने की मांग की। इसके अलावा 1 जनवरी 2022 से 30 सितंबर 2026 तक देय महंगाई भत्ते की छह किस्तों के बकाया भुगतान के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने कहा कि बुजुर्ग और बीमार पेंशनरों के करोड़ों रुपये के मेडिकल बिल लंबे समय से लंबित पड़े हैं। उन्होंने सरकार से इन बिलों के भुगतान के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान कर जल्द राशि जारी करने की मांग की, ताकि इलाज के खर्च से जूझ रहे पेंशनरों को आर्थिक राहत मिल सके।

कुल्लू में पेंशनर भवन के लिए भूमि देने की उठाई मांग

फैडरेशन ने जिला मुख्यालय कुल्लू में पेंशनर भवन के निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। एलआर गुलशन ने कहा कि जिले में पेंशनरों के पास बैठकों और अन्य गतिविधियों के आयोजन के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि दूरदराज के क्षेत्रों से उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू आने वाले पेंशनरों, वरिष्ठ नागरिकों और उनके तीमारदारों को ठहरने के लिए निजी होटलों में काफी पैसा खर्च करना पड़ता है। यदि कुल्लू में पेंशनर भवन का निर्माण किया जाता है, तो इससे बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों को ठहरने के साथ-साथ आपसी मेलजोल और संगठनात्मक गतिविधियों के लिए भी सुविधा मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

घुमारवीं में 3.4 किलो चरस सहित युवक काबू



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत घुमारवीं में बड़ी कार्रवाई की है। कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन के मल्यावर संपर्क मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक गाड़ी से 3.4 किलोग्राम चरस बरामद की है। मामले में हरियाणा निवासी तीस वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, घुमारवीं थाना पुलिस की टीम मल्यावर संपर्क मार्ग पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से चरस की खेप बरामद हुई। पुलिस ने मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान उमेश निवासी गढ़वाल, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस थाना घुमारवीं में मामला संख्या 220/2026 के तहत स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 20 में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चरस कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी।

अर्की की 11 वर्षीय दिव्यंका ठाकुर ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत दावटी के सावग गांव की 11 वर्षीय दिव्यंका ठाकुर ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डीएवी अंबुजा निकेतन की छात्रा दिव्यंका ने ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में यह उपलब्धि हासिल की। कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतना दिव्यंका की मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनकी इस सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। दिव्यंका की उपलब्धि क्षेत्र के उन बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो खेलों में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर अभ्यास से छोटी उम्र में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उनकी सफलता बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी भाग लेने और अपनी प्रतिभा निखारने का संदेश देती है। दिव्यंका की इस उपलब्धि से क्षेत्रवासियों को भविष्य में उनसे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

विद्यार्थियों ने किया चंडीगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के राजकीय माध्यमिक पाठशाला सानण के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में चंडीगढ़ का एकदिवसीय शैक्षणिक व मनोरंजक भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना रहा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध रॉक गार्डन का अवलोकन किया। यहां उन्होंने अनुपयोगी वस्तुओं से बनाई गई आकर्षक कलाकृतियां देखीं। शिक्षकों ने उन्हें रॉक गार्डन के निर्माता नेकचंद के योगदान के साथ कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। इसके बाद विद्यार्थियों ने सुखना झील का भ्रमण किया और प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता तथा प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने नौकायन का भी आनंद लिया। भ्रमण के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने ट्रैंपोलिन पार्क में विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, ऐसे भ्रमण बच्चों में नई चीजें सीखने, टीम भावना विकसित करने और व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने में सहायक होते हैं। विद्यार्थियों ने इस यात्रा को ज्ञानवर्धक और यादगार बताया।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 29 को पहुंचेंगे मंडी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर मंडी जिला के प्रवास पर आ रहे हैं। जारी प्रवास कार्यक्रम के अनुसार वह 29 अक्तूबर को सायंकाल मंडी के बिजणी पहुंचेंगे, जहां उनका रात्रि ठहराव रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा मंत्री 30 अक्तूबर को प्रातः करीब 10:30 बजे बल्ह विधानसभा क्षेत्र के बड़सु स्थित दि विजय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 21वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान वह संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे। कार्यक्रम के उपरांत शिक्षा मंत्री दोपहर बाद सोलन के लिए रवाना होंगे। शिक्षा मंत्री के मंडी प्रवास को लेकर जारी कार्यक्रम में उनके आगमन, रात्रि ठहराव और अगले दिन के कार्यक्रम की जानकारी दी गई है।

कुल्लू दशहरा में 'एक था गधा उर्फ अलादाद खान' का शानदार मंचन



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा के तहत दशहरा कमेटी द्वारा आयोजित नाट्य प्रस्तुतियों के तीसरे दिन अटल सदन में एक्टिव मोनाल कल्चरल एसोसिएशन ने प्रसिद्ध नाटक 'एक था गधा उर्फ अलादाद खान' का मंचन किया। प्रसिद्ध रंगकर्मी केहर सिंह ठाकुर के निर्देशन में शरद जोशी द्वारा लिखित इस नाटक ने दर्शकों को कभी हंसाया तो कभी व्यवस्था की सच्चाई से रूबरू करवाया। नाटक की कहानी एक ऐसे नवाब के इर्द-गिर्द घूमती है, जो हर समय अपनी प्रशंसा सुनना चाहता है। एक गरीब व्यक्ति अलादाद खान की मृत्यु की खबर मिलने पर वह प्रचार पाने के लिए उसके जनाजे में शामिल होने और उसका सीधा प्रसारण करवाने की योजना बनाता है। बाद में पता चलता है कि अलादाद खान किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि धोबी के गधे का नाम था। अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए सत्ता के लोग एक निर्दोष व्यक्ति की बलि दे देते हैं। नाटक में केहर सिंह ठाकुर सहित रेवत राम, परमानंद, शिवांगनी, सेजल, गीतांजलि, सोनिया, अनन्या, गौरव, आशु शर्मा, हनी नेगी, समृद्धि, आराध्या और सानवी ने अभिनय किया। प्रकाश व्यवस्था मीनाक्षी तथा पार्श्व ध्वनि संचालन जिया ने संभाला।

ओम प्रकाश भाटिया बने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अर्की के उपाध्यक्ष



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अर्की के कार्यकारिणी विस्तार के तहत ओम प्रकाश भाटिया को कमेटी का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस नियुक्ति पर उन्होंने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, स्थानीय विधायक संजय अवस्थी, जिला अध्यक्ष सुभाष वर्माणी और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतीश कश्यप का आभार व्यक्त किया। ओम प्रकाश भाटिया ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में अर्की क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने आगामी प्राथमिकताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि संगठन में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। युवाओं की ऊर्जा और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।

देवताओं के नजराने में 5%, बजंतरियों के मानदेय में 10 % की बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कुल्लू दशहरे के समापन अवसर पर की घोषणा, कुल्लू में स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत, भुंतर में 22 करोड़ से बनेगी सीवरेज प्रणाली

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा-2026 के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए देवी-देवताओं के नजराने में पांच प्रतिशत तथा बजंतरियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी करने और देवताओं के मुख्य गूर को 1100 रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने कुल्लू जिला के लेफ्ट बैंक को जोड़ने के लिए लगभग 5 करोड़ रुपए और मणिकर्ण सड़क के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने भुंतर में सीवरेज प्रणाली निर्माण के लिए 22 करोड़ रुपए प्रदान करने और विद्युत सब-डिवीजन खोलने तथा विद्युत कमांड-बारा मार्ग के लिए 50 लाख रुपए की राशि प्रदान करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने दशहरा उत्सव में प्रतिभागी महिला मंडलों को 35-35 हजार रुपए की सम्मान राशि देने तथा बजौरा स्कूल में विज्ञान भवन



के निर्माण के लिए एक करोड़ की राशि स्वीकृत करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार कुल्लू जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगी, ताकि जिला के लोगों को यहां बेहतर उपचार सुविधा मिल सके।

उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सों और पैरा मेडिकल स्टाफ को नियुक्त करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कुल्लू जिला अस्पताल में विश्व स्तरीय तकनीक की सुविधा प्रदान करने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जाएगी। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कृत संकल्प है और इसी दिशा में अब अदरक का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर शीघ्र ही 40 रुपए किया जाएगा ताकि ग्रामीणों की आमदनी में बढ़ोतरी हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार द्वारा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयास नहीं किए गए। वर्तमान प्रदेश सरकार स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में अनेक महत्वाकांक्षी पहल की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दशहरा उत्सव का वास्तव में अंतरराष्ट्रीय स्तरीय आयोजन हो रहा है तथा हर वर्ष इसे और ज्यादा बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के व्यवस्था परिवर्तन का संकल्प कुल्लू दशहरा आयोजन में भी परिलक्षित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में आई आपदा के दौरान कुल्लू जिला में सबसे ज्यादा क्षति हुई लेकिन मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों के साथ वे स्वयं दिन-रात यहां लोगों को राहत पहुंचाने के धरातल पर निरंतर कार्य करते रहे। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान कुल्लू के लोगों ने पर्यटकों को राहत पहुंचाने के लिए सराहनीय कार्य किया। इस सेवा भाव को देश-विदेश के लोग कभी नहीं भुला पाएंगे।

हिमाचल की संस्कृति को विदेशों तक पहुंचाएगी प्रदेश सरकार : सुंदर सिंह ठाकुर

विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कुल्लू दशहरा के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न रखने के आदेश दिए थे और सभी ने इसमें पूर्ण सहयोग दिया है। उन्होंने कुल्लू दशहरा के आयोजन के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों, जन प्रतिनिधियों और सभी वर्गों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन सफल हो पाया है। उन्होंने कहा कि उत्सव में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक दलों ने भाग लेकर इसे देश-विदेश में ख्याति दिलाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सांस्कृतिक दलों को विदेशों में भेजने के प्रयास कर रही है, ताकि वहां के लोग भी हिमाचल प्रदेश की समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सकें। हिमाचल प्रदेश में देव परंपराओं को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और देवी-देवताओं के आशीर्वाद से ही कुल्लू दशहरा उत्सव संपन्न होता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अधिक संख्या में देवी-देवताओं और लोगों ने दशहरा उत्सव में भाग लिया।

सतिंदर सरताज, डाबे राम कुल्लवी और फिदौस बैंड ने बांधा समां

कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी गायक सतिंदर सरताज, पहाड़ी गायक डाबे राम कुल्लवी और फिदौस बैंड की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पंजाबी, पहाड़ी और बॉलीवुड गीतों से ढालपुर का माहौल उत्साह से भर गया। सतिंदर सरताज ने लोकप्रिय गीतों से दर्शकों का मन मोहा, जबकि डाबे राम कुल्लवी ने कुल्लवी गीतों पर खूब वाहवाही लूटी। फिदौस बैंड ने जोशीली प्रस्तुतियों से समां बांधा। अन्य स्थानीय कलाकारों ने भी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्यतिथि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने कुल्लवी टोपी और मफलर पहनाकर स्वागत किया।

कुल्लू दशहरा की छठी सांस्कृतिक संध्या में मुख्यमंत्री सुक्खू ने की शिरकत, सतिंदर सरताज ने बांधा समां



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार देर शाम लाल चंद प्रार्थी कला केंद्र में अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव-2026 की छठी सांस्कृतिक संध्या की बतौर मुख्यातिथि अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को उत्सव की शुभकामनाएं दीं।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने रथ मैदान में कुल्लू की लोक परंपरा के अनुसार लालड़ी नृत्य का विधिवत शुभारंभ किया और इसमें भाग भी लिया। रथ मैदान में आयोजित लेजर एवं ड्रोन शो के साथ वैश्विक नृत्य प्रस्तुतियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। वैश्विक नृत्य कार्यक्रम में इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, अमेरिका, थाईलैंड, मलेशिया, मिस्र, श्रीलंका और नेपाल के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। भारतीय सांस्कृतिक दलों में हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, राजस्थान, केरल की कथकली और मणिपुर के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक समन्वय पर आधारित प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया।

सांस्कृतिक संध्या के अंतिम दिन प्रसिद्ध सूफी गायक डॉ. सतिंदर सरताज की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। उनकी गायकी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव विदित चौधरी, कुल्लू के विधायक एवं अंतरराष्ट्रीय दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष सुंदर सिंह ठाकुर, विधायक सुरेश कुमार, महिला आयोग की अध्यक्ष विद्या नेगी, उपायुक्त डॉ. अमित शर्मा और पुलिस अधीक्षक अभिषेक सेकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भूतेश्वर महादेव मंदिर में कल से शिवपुराण कथा ज्ञान यज्ञ

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर के मोहनघाटी स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में 29 अक्तूबर से 5 नवंबर, 2026 तक श्री शिवपुराण कथा ज्ञान यज्ञ एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 5 नवंबर को विशाल भंडारे के साथ होगा। आयोजन के दौरान शिवपुराण कथा, मूलपाठ, कथा प्रवचन, पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। प्रतिदिन रात्रि 8 से 11 बजे तक भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भगवान शिव की महिमा का गुणगान करेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचकर कथा श्रवण करने और धार्मिक आयोजन में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण में भगवान भोलेनाथ की आराधना करने का अवसर मिलेगा।

जन-केंद्रित विकास के लिए संसदीय कूटनीति व बहुपक्षीय सहयोग महत्वपूर्ण : अनुराग ठाकुर

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन में भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन द्वारा आयोजित विशेष भोज में शामिल हुए। यह आयोजन 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच 2026 के अवसर पर किया गया, जिसमें ब्रिक्स सदस्य एवं साझेदार देशों के सांसदों, विधायी संस्थाओं के प्रमुखों और विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस मंच की मुख्य विषयवस्तु 'जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों की भूमिका को सशक्त बनाना' रही।

मंच की चर्चाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि ब्रिक्स संसदीय मंच उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच वैश्विक दृष्टिकोण साझा करने, विधायी कार्यप्रणालियों के बेहतर अनुभवों का आदान-प्रदान करने और साझा विकास प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि संसदीय कूटनीति आपसी विश्वास



मजबूत करने, बहुपक्षीय साझेदारी को गहरा बनाने और शासन व्यवस्था को टिकाऊ, समावेशी तथा जन-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अनुराग ने 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के सफल आयोजन के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने विभिन्न विधानसभाओं और विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारियों के योगदान की भी प्रशंसा की। इनमें हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे शामिल रहे। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में संसदीय अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी सराहना की। अनुराग ने कहा कि साझा वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न देशों की संसदों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग आवश्यक है। ब्रिक्स देशों और उनके साझेदार देशों के बीच मजबूत विधायी सहयोग से लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी और नागरिकों को दीर्घकालिक लाभ मिलेंगे। उन्होंने समावेशी विकास, संस्थागत सहयोग और जनहित को केंद्र में रखकर अंतरराष्ट्रीय साझेदारी मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डैहर से सुरक्षित बचपन अभियान की शुरुआत, बच्चों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय की ओर से मंगलवार को डैहर में सुरक्षित बचपन अभियान की शुरुआत की गई। इसके तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डैहर और गोल्ड विन इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों व शिक्षकों को जागरूक किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी एन.आर. ठाकुर ने बताया कि अभियान के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों और सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी। उन्होंने बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी, बाल विवाह, मानव तस्करी, नशे और इंटरनेट के खतरों से बचाव की जानकारी दी। साथ ही पोक्सो अधिनियम और बाल अधिकारों के बारे में भी बताया। उन्होंने बच्चों को किसी भी असहज स्थिति में माता-पिता या शिक्षक को बताने तथा सहायता के लिए 1098 और 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी। दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भी बच्चों को जागरूक किया।

सुंदरनगर में छिंज चैंपियनशिप-2026 का आयोजन, 220 पहलवानों ने दिखाया दमखम



भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऊषा इंटरनेशनल ने हेल्पिंग हैंड वेलफेयर एंड एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से सुंदरनगर में छिंज चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया।

प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 220 पहलवानों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पहलवानों ने दमखम, फुर्ती, तकनीक और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर पुरुष वर्ग में अजय कुमार ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि विजय कुमार उपविजेता रहे। जूनियर वर्ग में अंकू कुमार विजेता बने और प्रिंस कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में जितेंद्र शर्मा, विधायक राकेश जमवाल के प्रतिनिधि तथा नगर परिषद सुंदरनगर की पार्षद कल्पना वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। ऊषा इंटरनेशनल में खेल पहल एवं सहयोग विभाग की प्रमुख कोमल मेहरा ने कहा कि छिंज जैसे पारंपरिक खेल समुदाय को एकजुट करने के साथ सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। ऐसे आयोजन स्वस्थ जीवनशैली और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हेल्पिंग हैंड वेलफेयर एंड एजुकेशन ट्रस्ट मंडी के अध्यक्ष कपिल कुमार ने कहा कि छिंज हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है।

इस तरह की प्रतियोगिताओं से युवा पीढ़ी अपनी परंपराओं से जुड़ती है और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहेगी।

कवयित्री रश्मि शर्मा को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। सुकेत साहित्य व सांस्कृतिक परिषद की ओर से शुकदेव वाटिका स्थित हिमाचल प्रदेश पर्यटन निगम के रेस्तरां में शोकसभा आयोजित कर दिवंगत कवयित्री व समाजसेविका रश्मि शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित साहित्यकारों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया। परिषद अध्यक्ष गंगाराम राजी ने कहा कि रश्मि शर्मा एक संवेदनशील रचनाकार और समर्पित समाजसेविका थीं। उन्होंने रोटरी क्लब से जुड़कर समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया। उनका पहला काव्य संग्रह 'मैं तुम्हें अंतस में छुपा लूंगी' दिवंगत बेटे स्वप्निल को समर्पित था। उनका दूसरा काव्य संग्रह भी तैयार था। जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी और वरिष्ठ साहित्यकार मुरारी शर्मा ने उनके निधन को साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति बताया। लोक साहित्यकार कृष्ण चंद्र महादेविया सहित पवन चौहान, डॉ. राकेश शर्मा, रतन लाल शर्मा और सुरेंद्र मिश्रा ने भी उनके व्यक्तित्व एवं योगदान को याद किया।

बरमाना स्कूल में एनएसएस शिविर का समापन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरमाना में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धार टटोह के प्रधानाचार्य डीडी सिमर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवियों को समाज सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिविर के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व बताया। इस अवसर पर स्वयंसेवियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता, सहयोग और समाज सेवा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। समारोह के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और स्वयंसेवियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी सुनील गौतम और सुनीता देवी भी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या नीलम कुमारी ने मुख्यातिथि का आभार व्यक्त किया।

बिलासपुर में ई-ऑटो रिक्शा के 40 परमिट जारी होंगे

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए चार उपमंडलों में ई-ऑटो रिक्शा के 40 परमिट जारी किए जाएंगे। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि इच्छुक पात्र अभ्यर्थी 16 नवंबर, 2026 को शाम पांच बजे तक क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सदर, घुमारवीं, झंडूता और श्री नयना देवी जी उपमंडल में 10-10 परमिट आवंटित होंगे। आवेदक की आयु 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और उसका बेरोजगार होना अनिवार्य है। साथ ही हिमाचल प्रदेश और संबंधित उपमंडल का स्थायी निवासी होना आवश्यक है। आवेदन के साथ बेरोजगारी प्रमाण पत्र, स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, वैध वाहन चालक अनुज्ञप्ति, फोटो और सत्यापित शपथ पत्र संलग्न करना होगा। आवेदन शुल्क 100 रुपए निर्धारित है। पात्र आवेदकों की संख्या अधिक होने पर परमिटों का आवंटन लॉटरी से किया जाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिका के पदों के लिए 15 तक आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बाल विकास परियोजना मंडी-सदर के अंतर्गत बल्ह उपमंडल में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 नवंबर कर दी गई है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 24 अक्तूबर निर्धारित थी। बाल विकास परियोजना अधिकारी जितेंद्र सैनी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र मगर (वृत्त बग्गी) और गागल-1 (वृत्त गागल) में सहायिका के पद भरे जाने हैं। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने चयन के लिए वार्षिक पारिवारिक आय सीमा 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रुपए कर दी है। यह संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अब 75 हजार रुपए तक वार्षिक पारिवारिक आय वाले पात्र अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। पहले आवेदन कर चुके उम्मीदवारों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। चयन प्रक्रिया की अन्य शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

ताबो से सांगला तक कृषि छात्रों ने सीखी उन्नत खेती व बागवानी की तकनीकें



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अभिलाषी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रोकल्चर के बीएससी कृषि ऑनर्स पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों का हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का छह दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 19 से 24 अक्तूबर तक आयोजित इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने कृषि अनुसंधान, उन्नत बागवानी और दुर्लभ फसलों की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कुल्लू के बजौरा कृषि विज्ञान केंद्र, कटराईं स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र और स्पीति के ताबो कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा किया। यहां उन्होंने शीत मरुस्थलीय कृषि पद्धतियों को समझा। इसके अतिरिक्त सांगला में केसर और काला जीरा जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन एवं अनुसंधान की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने मशोबरा स्थित क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान केंद्र और नौणी विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण कर आधुनिक बागवानी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त किया। इस शैक्षणिक दल का मार्गदर्शन डॉ. मोहम्मद शाह आलम और डॉ. ऐश्वर्या ने किया। कुलपति प्रो. एचके चौधरी ने उनके अनुशासन और सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं तथा कृषि नवाचारों को समझने में मददगार साबित होते हैं।

नूरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक करोड़ से अधिक की संपत्तियां फ्रीज



अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे चिट्टा विरोधी अभियान के तहत नूरपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस थाना इंदौरा की वित्तीय जांच के आधार पर 1 करोड़ 1 लाख 55 हजार 718 रुपए मूल्य की तीन संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश की सक्षम प्राधिकारी व प्रशासक, नई दिल्ली ने पुष्टि कर दी है। इस कार्रवाई का उद्देश्य नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के हस्तांतरण, बिक्री और अन्य लेन-देन पर रोक लगाना है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्म चंद वर्मा ने बताया कि पुलिस थाना इंदौरा में 30 मई, 2017 को अभियोग संख्या 152/2017 के तहत मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 21 में मामला दर्ज किया गया था। इस माम

लूसी रॉबसन एक खूबसूरत गोल्फर

30 साल की गोल्फर लूसी रॉबसन को गोल्फिंग स्किल्स और उनके खूबसूरत लुक्स के कारण फैंस बहुत ज्यादा पसंद करते हैं, जिसके कारण ही इंस्टाग्राम में उनके लगभग 1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। गोल्फर होने के साथ ही साथ वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं।



टी20 के बाद वनडे में भी क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगा भारत

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे वनडे में जीत के साथ सीरीज 3-0 से जीतने पर होगी नजर

एजेंसी, वडोदरा

टी20 में क्लीन स्वीप करने वाली भारतीय टीम अपना विजय अभियान जारी रखकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी इसे दोहराने की कोशिश करेगी। पहले दो मैचों में जीत के बाद भारत ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। अब उसका लक्ष्य क्लीन स्वीप करना होगा, जो टी20 सीरीज में 3-0 की जीत के बाद एक और बड़ी उपलब्धि होगी।

भारत को पहले दो वनडे मैच में किसी तरह की खास चुनौती नहीं मिली। पहले मैच में प्रतिका रावल के नाबाद शतक और श्री चरणी के चार विकेट की बदौलत भारत ने नौ विकेट से जीत हासिल की। दूसरे मैच में हरमनप्रीत कौर के 126 और दीप्ति शर्मा के नाबाद 106 रन की मदद से भारत ने छह विकेट पर 328 रन बनाए। बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने जिम्बाब्वे को 207 रन पर आउट कर दिया और 121 रन की बड़ी जीत हासिल की। स्मृति मंधाना ने



पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद टीम को अच्छी सफलता दिलाई है लेकिन वह बल्लेबाजी में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। ऐसे में वह अंतिम मैच में बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगी। पहले मैच में उन्होंने 32 रन बनाए जबकि दूसरे मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाई।

प्रतिका ने पहले मैच में शतक और दूसरे मैच में शानदार 61 रन बनाकर सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की कर दी है। प्रतिका के पारी की शुरुआत करने के कारण शेफाली वर्मा को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी इस नहीं भूमिका में भी अच्छा प्रदर्शन किया। शेफाली ने पहले मैच में सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 64 रन बनाए।

भारतीय टीम के लिए सबसे सकारात्मक पहलू हालांकि पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर की शानदार फॉर्म रही है। इस सीनियर बल्लेबाज ने दूसरे वनडे में शतक जड़कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया। भारतीय गेंदबाजों ने भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन जिम्बाब्वे जैसी निचली रैंकिंग वाली टीम के खिलाफ वह इससे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। जिम्बाब्वे के लिए तीसरा वनडे मैच भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश करने का आखिरी मौका है। भारत के गेंदबाजों सामने उसके बल्लेबाज बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे हैं। उसके गेंदबाज भी भारतीय बल्लेबाजों को खास परेशान नहीं कर पाए हैं।

मैच : दोपहर 2:00 बजे से

इस प्रकार हैं टीमें

भारत: स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उप-कप्तान), हरमनप्रीत कौर, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, तेजल हसब्निस, प्रतिका रावल, सयाली सतघरे, शेफाली वर्मा, क्रांति गौड़, जिन्तिमणि कलिता, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

जिम्बाब्वे: जोसेफिन नकोमो (कप्तान), चिएद्ज़ा धुरुरू (विकेटकीपर), शार्ने मेयर्स, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, बिलव्ड बिज़ा, न्याशा ग्वानजुरा, मिशेल मावुंगा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, ओलिन्दर चारे, कुदज़ई चिगोरा, फ्रांसिस्का चिपरे, तेंडाई मकुशा, लोरिन फिरी, नोमवेलो सिबांडा।

अभिषेक के तूफानी शतक से भारत ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया

एजेंसी,वेलिंगटन



अभिषेक शर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत भारत ने मंगलवार को तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने 199 रन का लक्ष्य महज 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अभिषेक ने केवल 35 गेंदों में शतक पूरा किया और 38 गेंदों पर 113 रन बनाए। उनकी पारी में 11 छक्के और नौ चौके शामिल रहे। वैभव सूर्यवंशी ने भी 19 गेंदों पर 45 रन की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों ने भारतीय टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। भारत ने शुरुआती छह ओवर में बिना विकेट खोए 118 रन बना लिए थे।

न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल ने 52 गेंदों पर 89 रन बनाए, जबकि फिन एलन ने 40 और बेवन जैकब्स ने 39 रन का योगदान दिया। मेजबान टीम ने तीन विकेट पर 198 रन बनाए थे। भारत की

35 गेंदों में शतक, भारत ने टी-20 सीरीज में बनाई 3-0 की अजेय बढ़त

ओर से अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और नितीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। उनके आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन के विकेट गिरे, लेकिन भारतीय टीम ने 40 गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सीरीज का चौथा टी-20 मुकाबला 30 अक्तूबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

स्पोर्ट्स विंडो

बल्लेबाज पाथुम निसंका पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हुए बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पाथुम निसंका बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से पूरी तरह नहीं उबरने के कारण



पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया गया है। निसंका को सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के दौरान चोट लगी थी। इसके कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज और मौजूदा एकदिवसीय ट्राई-सीरीज से भी बाहर रहे। फिटनेस संबंधी समस्याओं के चलते उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी एक बार फिर टल गई है। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट नौ से 13 नवंबर तक रावलपिंडी और दूसरा 17 से 21 नवंबर तक लाहौर में खेला जाएगा। दोनों मुकाबले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे।

संन्यास के मूड में नहीं जरमनप्रीत सिंह लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर नजरें

एजेंसी, जालंधर। भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए 2028 लॉस एंजिलिस



ओलंपिक में खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि वह खेलना जारी रखना चाहते हैं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। हॉकी इंडिया के सूत्रों के अनुसार, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद जरमनप्रीत, मनदीप सिंह, अमित रोहिदास और नीलकांत शर्मा को टीम से बाहर करने की योजना है। हालांकि, जरमनप्रीत ने कहा कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना और स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना भारतीय टीम की बड़ी उपलब्धि है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी खिलाड़ियों के संन्यास की खबरों को महज अफवाह बताया। 30 वर्षीय जरमनप्रीत अब तक 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

प्रतिष्ठित पुरस्कार के पूरी तरह हकदार हैं इंग्लैंड के फुटबॉलर: विराट कोहली

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली



ने मंगलवार को इंग्लैंड के फुटबॉलर हैरी केन को बैलोन डी ओर जीतने पर बधाई दी। कोहली ने कहा कि केन अपने लंबे करियर में निरंतरता, कड़ी मेहनत और ईमानदारी के कारण इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के पूरी तरह हकदार हैं। कोहली ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि शीर्ष स्तर की फुटबॉल में वर्षों तक शानदार प्रतिबद्धता के साथ काम करने के लिए केन को यह सम्मान मिलना खुशी की बात है। उन्होंने केन और उनके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके परिवार को भी उनकी उपलब्धियों और सफर पर गर्व होगा। कोहली ने अपने संदेश में केन की मेहनत और समर्पण की सराहना की। दोनों खिलाड़ी अपने-अपने खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखते हैं। कोहली की बधाई के संदेश ने क्रिकेट और फुटबॉल के प्रशंसकों के बीच भी ध्यान खींचा।

पैरा साइकिलिस्ट अरशद का जापान में ऑपरेशन, तेजी से हो रहे स्वस्थ

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेलों के दौरान दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल भारतीय पैरा साइकिलिस्ट अरशद शेख का जापान के शिजुओका में ऑपरेशन किया गया है। भारतीय खेल



प्राधिकरण (साइ) के अनुसार, वह तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। शेख पुरुषों की टाइम ट्रायल स्पर्धा के दौरान गिर गए थे, जिससे उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया। फिलहाल वह जापान के चूटोएन जनरल मेडिकल केंद्र में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। साइ ने मंगलवार को बताया कि युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण खिलाड़ी तथा जापान स्थित भारतीय दूतावास के लगातार संपर्क में हैं। उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मल्लिक ने भी अस्पताल में अरशद शेख से मुलाकात की थी। इसके बाद भारतीय दूतावास ने उनकी तस्वीरें साझा कीं। आंध्र प्रदेश के रहने वाले अरशद शेख पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह एशियाई पैरा खेलों की साइकिलिंग प्रतियोगिता में भारत के एकमात्र प्रतिभागी थे।

आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी मुनीबा अली

एजेंसी, लाहौर



विकेटकीपर बल्लेबाज मुनीबा अली नवंबर में संयुक्त अरब अमीरात के अजमान में होने वाली आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी-2026 में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। नियमित कप्तान फातिमा सना महिला बिग बैश लीग में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए खेलने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी।

मुनीबा को इस साल दूसरी बार फातिमा की जगह टीम की कमान सौंपी गई है। इससे पहले उन्होंने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में पाकिस्तान का नेतृत्व किया था। व्यक्तिगत कारणों से एशियाई खेलों से बाहर रहीं मुनीबा इस टूर्नामेंट के जरिए वापसी करेंगी।

बल्लेबाज आयशा जफर को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। 14 सदस्यीय टीम में एशियाई खेलों में शामिल ऑलराउंडर आलिया रियाज और तेज गेंदबाज हुमा बिलाल को जगह नहीं मिली है। वहीं, वहीदा अख्तर और सदफ शमास की टीम में वापसी हुई है। पाकिस्तानी टीम छह नवंबर को लाहौर में एकत्रित होगी और सात से नौ नवंबर तक प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेगी। इसके बाद टीम यूएई रवाना होगी। दस टीमों की यह प्रतियोगिता 12 नवंबर से शुरू होगी।

पाकिस्तान की टीम: मुनीबा अली (कप्तान), आयशा जफर (उपकप्तान), ईमान नसीर, ऐमन फातिमा, गुल फिरोजा, मोमिना रियासत, नशरा संधू, सदफ शमास, साइरा जबीन, शवाल जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

राष्ट्रीय ग्रैपलिंग स्पर्धा में हिमाचल ने जीते 28 पदक

खिलाड़ियों ने 9 स्वर्ण, 10 रजत व 9 कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम किया रोशन

एजेंसी, शिमला



भीम बसेड़ू राजपूत, महादेव। हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों ने हरिद्वार (उत्तराखंड) में आयोजित 19वीं जूनियर राष्ट्रीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 28 पदक अपने नाम किए। इनमें 9 स्वर्ण, 10 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 26 अक्तूबर तक वंदना कटारिया अंतरराष्ट्रीय इंडोर स्टेडियम में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के तत्वावधान में भारतीय ग्रैपलिंग संघ ने किया। इसमें 22 राज्यों के 650 खिलाड़ियों ने भाग लिया। हिमाचल प्रदेश एमेच्योर ग्रैपलिंग संघ के महासचिव एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान जितेंद्र चौहान ने बताया कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों और भार वर्गों में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पदक विजेता खिलाड़ी **स्वर्ण** पदक विजेताओं में करतार सिंह (अंडर-15, 59 किग्रा से कम), सर्वेश (अंडर-17, 54 किग्रा), सृष्टि (अंडर-13, 42 किग्रा), अथर्व (अंडर-9, 42 किग्रा से कम), लकी (अंडर-20), आर्यन चौहान (अंडर-17, 110 किग्रा से कम) और विशाल ठाकुर (अंडर-11, 34 किग्रा) शामिल रहे। रजत पदक हरमीत, आदित्य चौहान, योगिता, संजना, वैभव, शौर्य चौहान, लकी, अरुण चौहान, अंशुल राणा और दिव्यांशी सैन ने जीते। कांस्य पदक विजेताओं में वैभव चौधरी, आदित्य, दिव्यांश कौशल, आर्यन, वरुण चंदेल, पीयूष, प्रवेश पाल और मानवी ठाकुर शामिल रहे। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर भारतीय ग्रैपलिंग संघ के चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद प्रो. डॉ. सिकंदर कुमार, हिमाचल प्रदेश ग्रैपलिंग संघ के अध्यक्ष एवं सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता संजय कुमार तथा कोषाध्यक्ष सुखदेव सिंह जंबाल ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेंसेक्स में 300 अंक से ज्यादा की गिरावट दर्ज

सेंसेक्स 73,300 के स्तर पर फिसला, निफ्टी भी 22,650 के करीब

एजेंसी, वॉशिंगटन



भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा टूटकर 73,300 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी में भी करीब 100 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 22,650 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में एनर्जी, एफएमसीजी और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में अधिक बिकवाली देखने को मिली। इन क्षेत्रों में दबाव के चलते प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार करते रहे। इससे पहले सोमवार को बाजार में तेजी दर्ज की गई थी, लेकिन मंगलवार को कारोबारी रुख कमजोर रहा।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से घरेलू बाजार पर दबाव

एशियाई शेयर बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 3.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,638 अंक पर पहुंच गया। जापान के निक्केई में भी 1.73 प्रतिशत की तेजी रही और यह 63,268 अंक पर कारोबार करता दिखा। इसके विपरीत, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 0.73 प्रतिशत गिरकर 23,041 अंक पर आ गया। इससे स्पष्ट रहा कि प्रमुख एशियाई बाजारों में निवेशकों का रुख एक जैसा नहीं था। दूसरी ओर, अमेरिकी शेयर बाजार में सोमवार, 26 अक्टूबर को तेजी दर्ज की गई थी। डाउ जोन्स 0.28 प्रतिशत बढ़कर 52,362 अंक पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक में 0.82 प्रतिशत की बढ़त रही।

इस बीच, एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार से निवेशकों के लिए खुल गया। जल उपचार क्षेत्र में काम करने वाली इस कंपनी ने अपने शेयर का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक इस आईपीओ में 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकेंगे।

निवेशकों ने बेचे 78,411 करोड़ के शेयर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी घरेलू बाजार के लिए दबाव का एक अहम संकेत रही। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पिछले सात कारोबारी दिनों में 3,011 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 10,351 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। पिछले 30 दिनों में विदेशी निवेशकों की शुद्ध बिकवाली 78,411 करोड़ रुपये रही, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 85,133 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

ब्रिटानिया के '100% गेहूं' दावे पर लगा जुर्माना

एजेंसी, मुंबई। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने गुमराह करने वाले विज्ञापन के मामले में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने अपनी ब्रेड के विज्ञापन में '100 प्रतिशत होल व्हीट' का दावा किया था, जबकि उत्पाद में गेहूं की मात्रा केवल 62 प्रतिशत पाई गई। प्राधिकरण ने 22 अक्टूबर के आदेश में कंपनी को सोशल मीडिया सहित सभी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर संबंधित विज्ञापन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है। साथ ही, 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने को कहा गया है। सीसीपीए की जांच में सामने आया कि ब्रेड में शेष 38 प्रतिशत सामग्री में चावल की भूसी और अन्य पदार्थ शामिल थे। प्राधिकरण ने कहा कि '100 प्रतिशत होल व्हीट' का दावा उपभोक्ताओं को उत्पाद की वास्तविक संरचना के बारे में भ्रमित कर सकता है।

यूपी के स्थानीय उत्पाद अब 'शिल्पित' ब्रांड से बिकेंगे

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पादों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम ने नई पहल की है। इसके तहत प्रदेश के पारंपरिक, हस्तशिल्प और स्थानीय खाद्य उत्पादों को 'शिल्पित' ब्रांड के नाम से बाजार में उतारा जाएगा। 26 अक्टूबर को लखनऊ में निगम अध्यक्ष राकेश गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित 269वीं बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। योजना के अंतर्गत एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और एक जिला एक व्यंजन (ओडीओसी) के उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा दिया जाएगा। इन उत्पादों को देशभर के खुदरा प्रतिष्ठानों के साथ अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स मंचों तथा ब्लिंकिट और जेप्टो जैसे त्वरित वाणिज्य मंचों पर उपलब्ध कराने की योजना है।

योजना के पहले चरण में दो आधुनिक खुदरा स्टोर खोले जाएंगे।

सात दिन में भुगतान

इस पहल का प्रमुख उद्देश्य छोटे उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों को उनके उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। निगम की योजना के अनुसार, उत्पादों की आपूर्ति करने वाले उद्यमियों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान किया जाएगा। साथ ही, बिक्री नहीं होने पर उत्पाद वापस लेने की सुविधा भी मिलेगी।

इसके साथ ही उत्पादों की नियमित आपूर्ति और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लखनऊ और कानपुर में बड़े भंडारगृह स्थापित किए जाएंगे। दूसरे चरण में आगरा और मुरादाबाद में भी भंडारगृह खोलने की योजना है। इन केंद्रों के माध्यम से उत्पादों की सूची तैयार करने, भंडार की निगरानी और स्टॉक प्रबंधन की व्यवस्था संचालित की जाएगी। भविष्य में 'शिल्पित' ब्रांड के स्टोर का विस्तार निजी संचालकों के माध्यम से फ्रेंचाइजी मॉडल पर भी किया जा सकता है।

अनूप बागची बने एचडीएफसी बैंक के नए सीईओ एवं एमडी

शशिधर जगदीशन के बाद अनूप ने संभाली जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

अनूप बागची ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है।



बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि उनके पूर्ववर्ती शशिधर जगदीशन ने अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद सोमवार को पद छोड़ दिया। इसके बाद बागची ने बैंक की कमान संभाली है। उनकी नियुक्ति को बैंक के नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अनूप बागची आईसीआईसीआई समूह में लंबे समय तक काम कर चुके हैं। वह एचडीएफसी बैंक के तीन दशक से अधिक के इतिहास में इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाले पहले बाहरी व्यक्ति हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के रूप में कार्यरत थे।

नए सीईओ का जोर

बागची ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली है, जब एचडीएफसी बैंक मुख्य आय में वृद्धि और शुद्ध ब्याज मार्जिन से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों के कारण निवेशक भी बैंक के प्रदर्शन को लेकर सतर्क हैं। बैंक के लिए आय में सुधार के साथ कारोबार में स्थिरता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। बैंक की आय पर आयोजित बैठक में बागची ने कहा कि वर्ष 2023 में आवास वित्त क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचडीएफसी के साथ हुए विलय से संबंधित कुछ काम अभी पूरा किया जाना बाकी है।

व्यापार समझौता भारत और चिली के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द लग सकती है मुहर

कनाडा से व्यापार समझौते पर अच्छी प्रगति : गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत कई देशों और क्षेत्रीय समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लेकर बातचीत कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि चिली के साथ व्यापार समझौते की वार्ता अंतिम चरण के करीब पहुंच गई है, जबकि कनाडा के साथ बातचीत में भी अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों का उद्देश्य भारत के व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना, निर्यात के अवसर बढ़ाना और विभिन्न देशों के बाजारों तक भारतीय कारोबारियों की पहुंच आसान बनाना है।

नीदरलैंड की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे गोयल ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि चिली के साथ चल रही बातचीत समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब है। वहीं, कनाडा के साथ वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत अन्य देशों और क्षेत्रीय समूहों के साथ भी व्यापारिक संबंधों को विस्तार देने के लिए प्रयास कर रहा है। इन समझौतों से भारतीय उद्योगों और उद्यमों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

नीदरलैंड दौरे पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की व्यापारिक बैठकों में द्विपक्षीय सहयोग और निवेश बढ़ाने पर जोर

गोयल ने दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) के साथ व्यापार वार्ता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस समूह के साथ बातचीत अभी शुरू हुई है, इसलिए समझौते को अंतिम रूप देने में समय लग सकता है। भारत और एसएसीयू ने अगस्त में तरजीही व्यापार समझौते की दिशा में औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए विचारार्थ विषयों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। एसएसीयू में बोत्सवाना, इस्वातिनी, लेसोथो, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाना है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मैक्सिको भारत के साथ शुरुआती चरण का व्यापार समझौता जल्द करने को लेकर उत्सुक है। दूसरी ओर, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और इजराइल के साथ बातचीत अपेक्षाकृत धीमी गति से आगे बढ़ रही है। इन वार्ताओं को आगे बढ़ाने में कुछ समय लग सकता है। भारत विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक साझेदारी मजबूत करने के लिए परिस्थितियों और आपसी हितों के अनुरूप बातचीत कर रहा है।